नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 24 अप्रैल 2025 गुरुवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 330 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1877 : रुस ने ओटोमन साम्राज्य के खिलाफ लड़ाई की घोषणा की।

1954 : ऑस्ट्रेलिया और सोवियत संघ ने राजनयिक संबंध समाप्त किये।

1960 : दक्षिण पर्सिया में आये भयंकर भूकंप से लगभग 500 लोगों की जान गयी।

1973 : विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में गिने जाने वाले देश के महान क्रिकेटर सचिन रमेश तेंदुलकर का जन्म हुआ।

1974 : राष्ट्रकवि की उपाधि से सम्मानित रामधारी सिंह 'दिनकर' का निधन।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक

पाक नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का अल्टीमेटम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक की आयोजित की गयी। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भाग लिया। बैठक में आतंकी हमले पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस की बैठक में पांच महत्वपूर्ण फैसले लिये गये। फैसलों की जानकारी देते हुए विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि सीसीएस ने कड़े शब्दों में हमले की आलोचना की है। दुनिया के कई देशों ने समर्थन जताया है और कड़े शब्दों में हमले की निंदा की है। विदेश सचिव ने बताया कि सबसे पहला फैसला है कि भारत और पाकिस्तान के बीच स्थि त ऑटारी बॉर्डर चेक पोस्ट को बंद करने का लिया गया है।



यह एक बड़ा कदम है जिससे दोनों देशों के बीच सीमित आवाजाही भी रूक जाएगी। दूसरा फैसला है कि पाकिस्तान में मौजूद भारत का दूतावास अब बंद किया जाएगा। यह कूटनीतिक रिश्तों में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इसके साथ ही भारत ने तीसरा कड़ा कदम उठाते हुए इंडस वॉटर ट्रीटी (जल संधि) को भी रोक दिया है। इसका असर पाकिस्तान को काफी बड़े स्तर पर होगा। चौथा फैसला यह है कि भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी राजनायिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है और पांचवां और अहम फैसला है कि अब अब पाकिस्तानियों को भारत का वीजा नहीं मिलेगा। इसके अलावा एसएएआरसी वीजा छूट योजना के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को भारत आने की अनुमति नहीं होगी। पहले से जारी वीजा रद्द कर दिए गए हैं और उन्हें 48 घंटे मे भारत छोड़ना होगा। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग के रक्षा, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया गया है। इन्हें एक सप्ताह में देश छोड़ना होगा। भारत और पाकिस्तान के उच्चायोगों में कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 की जाएगी। यह बदलाव 1 मई तक पूरा किया जाएगा। सीसीएस ने सुरक्षा बलों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है और कहा कि हमले के गुनहगारों को सज़ा दिलाई जाएगी।

पोखर में डूबने से तीन बच्चियों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सीतामढ़ी। बाजपट्टी थाना क्षेत्र के पचड़ा निमाही पंचायत के कंचनपुर वार्ड नंबर 11 में बुधवार अहले सुबह पोखर में डूबने से तीन लड़कियों की मौत हो गई। वहीं दो लड़कियों ने किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रही। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ लड़कियां गांव के पोखर से मिट्टी लाने के लिए निकली थी। इस दौरान, रविंद्र राय की पुत्री नंदिनी कुमारी (8) का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में गिर गई। उसे बचाने के प्रयास में एक-एक कर पांच लड़कियां पोखर में डूब गईं। हालांकि, दो लड़कियां किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहीं, लेकिन तीन लड़कियों की डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तीनों लड़कियों के शवों को बाहर निकाला। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया। बाजपट्टी थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मृतकों की पहचान आरती कुमारी (13) पिता उमा राय, नंदिनी कुमारी (8) पिता रविन्द्र राय और सुधा कुमारी (9) पिता मिथुन राय के रूप में हुई है। घायल लड़कियों की पहचान ऋतु और प्रियांशी कुमारी के रूप में की गई है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस का कहना है कि डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई है। तीनों शवों का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सितंबर तक जारी होंगे शिक्षक परीक्षा के रिजल्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा देने वालों के लिए बड़ी खुशखबरी है। रिजल्ट कब जारी होगा, इसका खुलासा हो गया है। जेएसएससी ने खुद बताया है कि सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा का रिजल्ट सितंबर तक जारी कर दिया जायेगा। जेएसएससी ने बुधवार 23 अप्रैल को झारखंड हाईकोर्ट को यह जानकारी दी। कहा कि सहायक शिक्षकों की भर्ती के लिए आयोजित परीक्षा के नतीजे सितंबर के दूसरे सप्ताह तक जारी कर दिये जायेंगे। हाईकोर्ट ने आयोग से राज्य भर के सरकारी स्कूलों में सहायक शिक्षकों की भर्ती से संबंधित परीक्षा के नतीजे जारी करने के लिए स्पष्ट समयसीमा बताने के लिए कहा था। चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने बुधवार को अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज द्वारा सहायक शिक्षकों की भर्ती को लेकर दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई के दौरान यह निर्देश जेएसएससी को दिया था। बता दें कि झारखंड में 26,001 सहायक शिक्षकों की भर्ती की जानी है। जेएसएससी के अनुसार, गणित और विज्ञान में स्नातक स्तर के प्रशिक्षित शिक्षकों (छठी से आठवीं कक्षा तक के लिए) के लिए परिणाम जुलाई के पहले सप्ताह में प्रकाशित किये जायेंगे। इसके बाद जुलाई के तीसरे सप्ताह में सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों के लिए परिणाम प्रकाशित किये जायेंगे। भाषा शिक्षक का रिजल्ट अगस्त के पहले सप्ताह में घोषित कर दिया जायेगा। इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षकों (पहली से पांचवीं कक्षा के लिए) के लिए परिणाम सितंबर के दूसरे सप्ताह में प्रकाशित कर दिये जायेंगे। झारखंड हाईकोर्ट ने रिजल्ट जारी करने के मामले में जेएसएससी के उदासीन रवैये पर असंतोष जाहिर किया था। आयोग ने कहा था कि शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया जनवरी 2026 तक पूरी हो जायेगी। याचिकाकर्ता ने उल्लेख किया कि स्कूली शिक्षकों की उपलब्धता के मामले में झारखंड सबसे खराब राज्यों में से एक है। याचिकाकर्ता ने कहा कि शिक्षा पर एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) के द्वारा किये गये रिसर्च में पाया गया कि झारखंड के 30 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में केवल एक शिक्षक है। निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के तहत प्रत्येक स्कूल में कम से कम 2 शिक्षक और प्रत्येक 30 छात्र पर एक शिक्षक होना चाहिए।

आतंकी हमले पर खुशी जाहिर करनेवाला गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत की घटना के बाद बोकारो के बालीडीह के मिल्लत नगर के रहने वाला मोहम्मद नौशाद ने थैंक्यू पाकिस्तान लिखकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। जिस पर बोकारो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल कश्मीर के पहलगाम शहर के पास स्थित पर्यटन स्थल बैसरन घाटी में मंगलवार को हमला हुआ था। जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार मोहम्मद नौशाद के पिता का नाम मोहम्मद मुस्ताक है और वह मिल्लत नगर का रहने वाला है। फिलहाल बोकारो पुलिस गिरफ्तार मोहम्मद नौशाद से पूछताछ कर रही है। इस संबंध में सिटी डीएसपी सह जिला पुलिस के प्रवक्ता आलोक रंजन ने बताया कि सोशल मीडिया पर इस तरह के पोस्ट की शिकायत मिली थी। जिसके बाद एक युवक को इस मामले में पकड़कर कर पूछताछ करने की गई है। उसके बाद उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस उसके सोशल मीडिया के अकाउंट खंगाल रही है। वहीं, उसके बारे में पूरी जानकारी निकाली जा रही है। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई है। जबकि 13 लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में अलग-अलग राज्यों के लोग शामिल हैं। इस हमले के बाद पूरे भारत के लोग गुस्से में हैं। मोहम्मद नौशाद ने एक्स पर उर्दू में लिखा, 'शुक्रिया पाकिस्तान, शुक्रिया लश्कर-ए-तैयबा, अल्लाह तुम्हें हमेशा खुश रखे, आमीन, आमीन। हमें ज्यादा खुशी होगी अगर आरएसएस, भाजपा, बजरंग दल और मीडिया को निशाना बनाया जाए।' इसके साथ उसने तीन स्माइली इमोजी के साथ अपनी खुशी भी जाहिर की। उसने इसके बाद भी कई ट्वीट किए जिनमें काफी आपत्तिजनक और भड़काऊ बातें लिखी हैं। 35 वर्षीय आरोपी मोहम्मद नौशाद ने बिहार के मदरसे में कुरान की तालीम लेकर डिग्री हासिल की है। वर्तमान में पिता के साथ बोकारो में रह रहा है। उसका एक भाई दुबई में है, जिसके नाम से आवंटित सिम कार्ड का इस्तेमाल करके नौशाद ने इंस्ट्राग्राम व एक्स (पहले ट्वीटर) और फेसबुक चलाता है। मंगलवार को आतंकी हमले में मारे गए लोगों के गम में पूरा देश गम में डूबा था जबकि मोहम्मद नौशाद रात को आतंकियों को बधाई दे रहा था।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

सशक्त पंचायत से विकसित भारत की नींव

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस
के अवसर पर

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
के द्वारा

- राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों का वितरण
- प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत 1 लाख लाभार्थियों को किस्त जारी
- प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 15 लाख लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, 10 लाख लाभार्थियों को किस्त जारी और डीएवाई-एनआरएलएम के तहत 2 लाख स्वयं-सहायता समूहों के विकास के लिए वित्तीय सहायता जारी
- लगभग ₹13,500 करोड़ की गैस, विद्युत और रेलवे से जुड़ी विकास परियोजनाओं का राष्ट्र को समर्पण, उद्घाटन और लाभार्थियों को धनराशि का वितरण
- प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी के अंतर्गत 1.54 लाख लाभार्थियों का गृह प्रवेश
- अमृत भारत एक्सप्रेस, नमो भारत रैपिड रेल के साथ 2 नई रेल सेवाओं को हरी झंडी

बीते दशक में हुआ पंचायतों का सशक्तिकरण

- 1.6 लाख से अधिक गावों में लगभग 2.5 करोड़ स्वामित्व कार्ड से लोगों को मिला संपत्ति का मालिकाना हक, ज़मीनी विवादों पर लगा अंकुश
- 3.6 करोड़ से अधिक पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण से ग्रामीण भारत में सक्षम नेतृत्व उभरा
- तेज़ विकास को बढ़ावा देने के लिए लगभग 2.5 लाख ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान
- 2014-24 में पंचायतों को मिलने वाला ग्रांट पिछले 10 वर्षों की तुलना में 6 गुना बढ़ा
- ई-ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म से पंचायतों का हुआ डिजिटलीकरण, प्रशासनिक प्रक्रिया बनी स्मार्ट और पारदर्शी
- 2.5 लाख से अधिक पंचायतों में तकनीक आधारित स्थानीय मौसम पूर्वानुमान हुआ संभव, खेती से लेकर ग्रामीण विकास से जुड़ी गतिविधियों को मिला बल

CBC 30101/13/0001/2526

24 अप्रैल, 2025 | 11:30 बजे से | लोहना उत्तर ग्राम पंचायत, मधुबनी
सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर

बिहार को बंगाल बनाना चाहते हैं लालू यादव

हम उनके मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देंगे: केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह रविवार को नवगछिया अनुमंडल के खरीक प्रखंड स्थित तेलघी गांव पहुंचे। जहां वे डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह में शामिल हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू प्रसाद यादव बिहार को पश्चिम बंगाल की राह पर ले जाना चाहते हैं, जबकि ममता बनर्जी पहले ही बंगाल को बांग्लादेश में तब्दील कर चुकी हैं।

गिरिराज सिंह ने कहा, देश देख रहा है कि बंगाल में क्या हो रहा है। वहां की सरकार हिंसा को प्रश्रय दे रही है और अब लालू यादव उसी मॉडल को बिहार में लागू करना चाहते हैं, लेकिन हम उनके मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देंगे। गिरिराज सिंह ने जनसंख्या वृद्धि पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, ÷पिछले 10 साल में भारत की जनसंख्या 21 करोड़ बढ़ी है। ऑस्ट्रेलिया की कुल जनसंख्या महज ढाई से तीन करोड़ है। यानी हम हर साल एक



ऑस्ट्रेलिया पैदा कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं को रोजगार की नई परिभाषा समझाते हुए कहा कि आज के दौर में प्राइवेट नौकरी को ही अच्छी नौकरी माना जाना चाहिए।

हर हर महादेव का जयघोष

कार्यक्रम के दौरान गिरिराज सिंह ने लोगों से माय कसम खा के हर हर महादेव कहो का नारा लगवाया और समाज को धर्म, संस्कृति और राष्ट्रवाद के प्रति जागरूक रहने की अपील की। विवादित बयानों के लिए चर्चित गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे के सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश को लेकर दिए गए हालिया बयान पर जब गिरिराज सिंह से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने हाथ जोड़ लिए और बिना कोई टिप्पणी किए आगे बढ़ गए। गिरिराज सिंह का यह बयान न केवल बिहार की राजनीति को गरमा सकता है, बल्कि बंगाल की घटनाओं को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की रणनीति का संकेत भी देता है। वहीं, जनसंख्या नियंत्रण और रोजगार जैसे मुद्दों को छूकर उन्होंने 2024 के बाद के भारत की प्राथमिकताओं पर भी संकेत दिए हैं।

बिहार के किसी भी जिले में जलसंकट नहीं

पटना, एजेंसी। गर्मी चढ़ते ही बिहार में जगह-जगह से पानी के लिए हाहाकार मचने की खबर आने लगती है। इसके बावजूद भारत सरकार की नजर में एक भी निर्जल जिला नहीं है। यानी, कोई भी जिला भूजल के क्रिटिकल या अति दोहन के शिकार की श्रेणी में नहीं है। इसका खुलासा केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट में हुआ है। जलशक्ति मंत्रालय की यह रिपोर्ट हाल में संसद के पटल पर रखी गई है। इसके मुताबिक, देशभर में भूजल के मामले में 122 जिले गंभीर (क्रिटिकल) या अति दोहन (ओवर एक्सप्लॉयटेड) जिलों की श्रेणी में हैं। इनमें बिहार का एक भी जिला नहीं है। इसका मतलब है कि बिहार के किसी भी जिले में जलसंकट नहीं है। जानकारों के मुताबिक, बिहार सरकार के जल-जीवन-हरियाली मिशन के कारण भूजल स्तर की स्थिति में सुधार हो रहा है। पड़ोसी झारखंड भी रेडलाइन से बाहर रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड का कोई भी जिला गंभीर या अतिदोहन के शिकार जिलों की सूची में नहीं है। राजस्थान के 29 जिले, उप्र के 12 जिले, हरियाणा के 17 जिले, मप्र के 07 जिले और पंजाब के 20 जिले भूजल के गंभीर या अतिदोहन के शिकार जिलों की सूची में हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पटना शहर समेत चार इलाके भूजल के अतिदोहन के शिकार हैं। इनमें नालंदा जिले का नगरनौसा और जहानाबाद जिले का रतनी फरीदपुर तथा काको भी शामिल है। इसी तरह नौ इलाके गंभीर स्थिति में हैं। इनमें मुजफ्फरपुर का मुशहरी, नालंदा का गिरियक, पटना का संपतचक, समस्तीपुर का ताजपुर और दलसिंहसराय तथा वैशाली जिले का जंदाहा, पातेपुर, हाजीपुर और राजापाकड़ शामिल हैं। इसके अलावा, 49 इलाके भूजल की कमी की समस्या से जूझ रहे हैं।



राजगीर में जल्द स्थापित होगा एमएसएमई विस्तार केंद्रंगे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

नालंदा, एजेंसी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय की ओर से राजगीर में एक विस्तार केंद्र की स्थापना शीघ्र ही की जाने वाली है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं का कौशल विकास करके उन्हें हुनरमंद बनाना और रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना है। यह केंद्र अपने विविध कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय युवाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। परियोजना प्रबंधक सचिन कुमार ने इस अवसर पर बताया कि ÷विस्तार केंद्र में लगभग 10 करोड़ रुपए के निवेश से विभिन्न प्रकार की आधुनिक मशीनें स्थापित की जाएंगी। युवाओं को इन मशीनों के संचालन और उत्पाद निर्माण की बारीकियां सिखाई जाएंगी।÷ उन्होंने यह भी बताया कि राजगीर में केंद्र के लिए उपयुक्त स्थल का चयन प्रक्रियाधीन है और आशा व्यक्त की कि जल्द ही इसकी स्थापना संपन्न हो जाएगी।

आसपास के युवाओं के लिए भी अवसर

यह केंद्र न केवल राजगीर बल्कि आसपास के क्षेत्रों के युवाओं के लिए भी वरदान साबित होगा। सरकार की योजना राजगीर के अलावा गया सहित अन्य जिलों में भी इसी प्रकार के विस्तार केंद्र स्थापित करने की है। राजगीर पहले से ही एक महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र के रूप में पहचाना जाता है। यहां हस्तशिल्प, रेडीमेड वस्त्र, खाद्य एवं कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण उद्योग, फुटवियर, लकड़ी शिल्प, और स्टील अलमारी निर्माण जैसे कई उद्योग पहले से ही संचालित हैं। ऐसे में यह नया विस्तार केंद्र इन उद्योगों के विकास में उत्प्रेरक का काम करेगा।



नई दिल्ली-पटना तेजस राजधानी एक्सप्रेस में नाबालिग लड़की से छेड़छाड़, हड़कंप

पटना, एजेंसी। नई दिल्ली-पटना तेजस राजधानी एक्सप्रेस में एक नाबालिग लड़की से छेड़खानी की सूचना से रेलवे में हड़कंप मच गया। आरपीएफ और जीआरपी की टीम जांच में जुट गई, लेकिन छेड़खानी करने वाले का पता नहीं चला। परिजनों ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। बताया जाता है कि राजधानी एक्सप्रेस में सोमवार को एक यात्री परिवार के साथ सफर कर रहे थे। प्रयागराज से जब ट्रेन पटना के लिए बढ़ी तो किसी ने देर रात सोई बच्ची के साथ छेड़खानी कर दी। शोर मचाने पर परिजन जग गए। इस पर आरोपित भाग गया। परिजनों ने रेलवे के टोल फ्री नंबर पर सूचना दी।

कार के सीक्रेट चैंबर से 58.5 किलो चांदी बरामदन्बांका में पश्चिम बंगाल के दो तस्कर गिरफ्तार

संदिग्ध कार की तलाशी में मिली कामयाबी

बांका, एजेंसी। बांका में पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान एक कार से 58 किलो 480 ग्राम चांदी के जेवरात बरामद किया। मौके से पश्चिम बंगाल के दो तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बाराहाट पुलिस ने यह कार्रवाई का है। मंगलवार की देर शाम बाराहाट पुलिस ने भागलपुर-हंसडीहा सड़क मार्ग पर यह करवाई किया। इस दौरान पूछताछ और जांच पड़ता चलता रहा।

पश्चिम बंगाल के 2 तस्कर गिरफ्तार

बाराहाट थानाध्यक्ष दीपक पासवान ने बताया कि भागलपुर-दुमका मुख्य मार्ग पर वाहन जांच की जा रही थी। एक संदिग्ध कार की तलाशी में उसके अंदर बने गुप्त तहखाने से भारी मात्रा में चांदी के जेवर मिले। इलेक्ट्रिक तराजू पर मापने पर बरामद चांदी कुल वजन 58 किलो 480 ग्राम निकला। पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर निवासी गुरु प्रसाद करमोकार और अमन मलिक हैं। पूछताछ में पता चला कि वे चांदी को पश्चिम बंगाल से दरभंगा ले जा रहे थे।

तस्करी रैकेट के सदस्यों को तलाश जारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओ अविनाश कुमार और एसडीपीओ अर्चना कुमारी ने मौके का जायजा लिया। एसडीपीओ के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस इस तस्करी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। एसडीपीओ अर्चना कुमारी ने बताया कि मामले की सूचना इनकम टैक्स और जीएसटी विभाग को दी गई है। दोनों विभाग जल्द ही चांदी के स्रोत और कर चोरी की जांच करेंगे। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।



नालंदा में 4 साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के कतरीसराय में साइबर थाना पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी धनी एप के माध्यम से लोगों को कम ब्याज पर लोन और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का झांसा देकर ठगी कर रहे थे। साइबर डीएसपी ज्योति शंकर ने बताया कि यह गिरोह जवाहरचक गांव में सक्रिय था और इस कार्रवाई में पुलिस ने उनके कब्जे से 13 मोबाइल फोन समेत कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में कर्नाटक के गुलबर्गा निवासी मनोज बक्सिधर जो इस गिरोह का मुख्य सरगना बताया जा रहा है, जवाहरचक गांव के अशोक महतो की बेटा कुश कुमार और रंजीत कुमार (जो सहोदर भाई हैं) और महेश चौधरी का बेटा अमरजीत कुमार शामिल हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों में घटना को अंजाम दिया : डीएसपी शंकर ने बताया कि आरोपियों ने कम ब्याज दर पर व्यक्तिगत ऋण तथा सरकारी योजनाओं का लालच देकर कई लोगों को अपने जाल में फंसाया था। इसके लिए वे फर्जी दस्तावेजों और झूठे वादों का सहारा लेते थे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह गिरोह देश के विभिन्न हिस्सों में साइबर अपराध की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। पुलिस अब इनके नेटवर्क की जांच कर रही है ताकि इनके अन्य सहयोगियों का पता लगाया जा सके।

लोन दिलाने के नाम पर ठगी, 6 साइबर ठग गिरफ्तार

नवादा, एजेंसी। साइबर अपराध के खिलाफ नवादा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसपी अभिनव धीमान के निर्देश पर पुलिस ने ऑनलाइन लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले 6 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना पर के आधार पर वारिसलीगंज थाना क्षेत्र में की गई।

गुप्त सूचना पर पुलिस की छापेमारी

डीएसपी महेश चौधरी ने मंगलवार को वारिसलीगंज थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि पुलिस को टाटी मीर बिगहा गांव में साइबर ठगों की सक्रियता की सूचना मिली थी। इसके बाद एक विशेष टीम बनाकर छापेमारी अभियान चलाया गया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान आरोपी भागने लगे, लेकिन चार लोगों को मौके पर ही दबोच लिया गया। पुलिस को पूछताछ



के दौरान दो अन्य आरोपियों के मालिचक गांव में छिपे होने की जानकारी मिली, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

6 आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल और डेटा शीट बरामद : गिरफ्तार किए गए आरोपियों में रितेश कुमार, विनय कुमार, जालेंधर कुमार, रोहित कुमार, त्रिवेणी कुमार और जयपाल कुमार शामिल हैं। ये आरोपी धनी फाइनेंस एंड सर्विस समेत कई अन्य फर्जी कंपनियों के नाम से ऑनलाइन लोन दिलाने का झांसा देकर लोगों को ठगते थे। छापेमारी के दौरान 6 मोबाइल फोन और 13 डेटा शीट बरामद की गई हैं। इन डेटा शीट्स में लोगों के नाम, मोबाइल नंबर और अन्य संवेदनशील जानकारियां दर्ज थीं, जिन्हें ठगी के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा

पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और नेटवर्क का भी पता लगाया जा रहा है।

बंधकों को छुड़ाने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने किया पथराव

नवादा, एजेंसी। नवादा के कौआकोल थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। घटना टीकोडीह गांव की है, जहां स्थानीय लोगों ने धनबाद के चार व्यक्तियों को बंधक बना रखा था। सूचना मिलते ही कौआकोल थाने की पुलिस टीम बंधकों को छुड़ाने के लिए गांव पहुंची। पुलिस को देखते ही ग्रामीण उग्र हो गए। उन्होंने पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। इस हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।

धनबाद के 4 व्यक्तियों को बनाया बंधक

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, टीकोडीह गांव के लोगों और धनबाद के चार व्यक्तियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद के चलते ग्रामीणों ने उन्हें बंधक बना लिया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



गया में 3 शराब तस्करों को किया गिरफ्तारन्कार में सैकड़ों बीयर की बोतलें हुईं बरामद

गया, एजेंसी। गया में उत्पाद विभाग की टीम ने नेशनल हाईवे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 शराब तस्करों को पकड़ा है। दो अलग-अलग मामलों में भारी मात्रा में शराब जब्त की गई है। 3 में से 2 शराब तस्कर नीतीश कुमार और करण कुमार कार से शराब ले जा थे। कार से सैकड़ों बीयर की बोतलें बरामद हुई हैं। वहीं दूसरी कार्रवाई में एक बाइक सवार 40 लीटर शराब के साथ पकड़ा गया है। जानकारी के अनुसार, समेकित जांच चौकी के पास उत्पाद विभाग की टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक कार की तलाशी में पिछले सीट से बियर की बोतलें भरी पाई गईं। कार सवार दो तस्कर करण कुमार और नीतीश कुमार को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों बाराचट्टी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।

पहले भी इसी रास्ते से गुजर चुके : शुरुआती पूछताछ में इन्होंने शराब को बाहर से लाकर बिहार में खपाने की योजना बताई है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व में भी वे शराब लेकर इसी रास्ते से कई बार क्रॉस कर चुके हैं। लेकिन इस बार वे धरे गए। वहीं दूसरी ओर, मोहनपुर थाना क्षेत्र के धीरज कुमार को उस समय रंगे हाथ पकड़ लिया गया। जब वह बाइक से शराब की धुलाई कर रहा था। तलाशी में उसके पास से 40 लीटर देसी शराब बरामद हुई।

रोजगार मेला में 354 युवाओं का किया चयनन्दरभंगा के बेनीपुर प्रखंड में लगा जॉब कैंप



दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में श्रम संसाधन विभाग पटना के निर्देश पर अवर प्रादेशिक नियोजनालय दरभंगा ने मंगलवार को बेनीपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला आयोजित किया।

मेले में तकनीकी और गैर तकनीकी क्षेत्र के 19 नियोजकों ने भाग लिया। मेले में 411 शिक्षित बेरोजगारों से बायोडाटा लिया गया। इनमें से 354 आवेदकों का औपबंधिक चयन किया गया।

ये कंपनियां हुईं शामिल

इनमें नेहा एंटरप्राइजेज, चैतन्य इंडिया फिन क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड, स्वतंत्र फाइनेंस, एलआईसी ऑफ इंडिया, एचआरवीएस, पीपल ट्री वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, आमधने प्राइवेट लिमिटेड, फैक्ट्री काम, डेल्हीवेरी लिमिटेड, शिवशक्ति एग्रीटेक लिमिटेड, फ्यूजन फाइनेंस, नव भारत फर्टिलाइजर्स, बालाजी बायो प्लांटेसीक टेक्नोलॉजी, विजन इंडिया, ग्राम रूरल/जीएसए फाउंडेशन, ओरबेल इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सानवी ग्रीन टेक प्राइवेट लिमिटेड, रेट्रोफिट, श्रमसाध्य कार्यालय और एटमा शामिल रहे।

इन्होंने मेले का किया उद्घाटन

मेले का उद्घाटन विधायक बेनीपुर विनय कुमार चौधरी, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रवीण कुमार, प्रमुख चौधरी मुकुंद कुमार राय, उपनिदेशक नियोजन आशीष आनंद, सहायक निदेशक नियोजन नीतीश कुमार सिन्हा, नियोजन पदाधिकारी मृणाल कुमार चौधरी और निशांत रंजन ने संयुक्त रूप से किया। विधायक ने युवाओं से निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक और रुचि रखने की अपील की।

मेला सफल बनाने में अमिय कुमार, एजाज हुसैन, रंजीत कुमार, जितेन्द्र कुमार, रीतुराज और मनोरंजन कुमार की भूमिका रही।

2-2 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी, बरौनी-पोत्तनूर और पटना-एरनाकुलम के बीच चलेंगी गाड़ियां



गर्मी की छुट्टी को देखते हुए फैसला

बेगूसराय, एजेंसी। गर्मी की छुट्टी के दौरान यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे की ओर से कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बरौनी-पोत्तनूर (कोयंबटूर) तथा पटना-एरनाकुलम के बीच एक-एक जोड़ी और धनबाद और लोकमान्य तिलक के बीच 2 जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। ट्रेन नंबर- 06055 पोत्तनूर-बरौनी स्पेशल 26 अप्रैल से 24 मई तक प्रत्येक शनिवार को पोत्तनूर (कोयंबटूर) से 11.50 बजे खुलकर सोमवार को 14.30 बजे बरौनी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर- 06056 बरौनी-पोत्तनूर स्पेशल 29 अप्रैल से 27 मई तक प्रत्येक मंगलवार को बरौनी से 23.45 बजे खुलकर शुक्रवार को 03.45 बजे पोत्तनूर पहुंचेगी। यह ट्रेन किउल-झाझा-चितरंजन-धनबाद-रांची-राउरकेला-सम्बलपुर-काटपाड़ी के रास्ते चलेगी। ट्रेन नंबर- 06085 एरनाकुलम-पटना स्पेशल 25 अप्रैल से 30 मई तक प्रत्येक शुक्रवार को एरनाकुलम से 23.00 बजे खुलकर सोमवार को 03.30 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर- 06086 पटना-एरनाकुलम स्पेशल 28 अप्रैल से 02 जून तक प्रत्येक सोमवार को पटना जंक्शन से 23.45 बजे खुलकर गुरुवार को 10.30 बजे एरनाकुलम पहुंचेगी। यह ट्रेन मोकामा-झाझा-आसनसोल-दानकुनी-खड़गपुर-भुवनेश्वर-के रास्ते चलेगी। ट्रेन नंबर- 03327 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल 26 अप्रैल से 28 जून तक प्रत्येक शनिवार को धनबाद से 08.00 बजे खुलकर रविवार को 17.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर- 03328 लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल 27 अप्रैल से 29 जून तक प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक से 20.00 बजे खुलकर मंगलवार को 08.40 बजे धनबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन बोकारो-लातेहार- डालटनगंज-गढ़वा रोड-सिंगरौली-कटनी साउथ-इटारसी के रास्ते चलेगी। ट्रेन नंबर- 03379 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल 22 अप्रैल से 24 जून तक प्रत्येक मंगलवार को धनबाद से 22.30 बजे खुलकर गुरुवार को 08.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी।

मां की फटकार पर बेटी ने की आत्महत्यान्मोबाइल चलाने की लत से परेशान थे पैरेंट्स

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में मां की फटकार पर बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मां बेटी के मोबाइल चलाने की बुरी आदत से परेशान थी और इसी से नाराज होकर बेटी को डांट लगाया था। मां के घर से बाहर निकलते ही लड़की कमरे में गई और ये खौफनाक कदम उठा लिया। जैसे ही मां बाहर से लौटी बेटी दुपट्टे के सहारे फंदे से झूलती मिली। हादसे के बाद परिजन किशोरी को लेकर पूर्णिया जीएमसीएच पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना मधुबनी इलाके में घटी है। मृतका काजल कुमारी (17) है। परिजनों ने शव के पोस्टमॉर्टम से इनकार कर दिया है।

सफाई के लिए मां ने कहा था : किशोरी के पिता सन्नी राय ने बताया कि घर में सामान बिखड़ा पड़ा था, मां रानी देवी ने बेटी को घर की साफ सफाई के लिए कहा था। इस काम को पूरा करने के बाद खाना बनाना था। मां जब बाजार से घर लौटी, किशोरी मोबाइल चलाने में मशगूल थी। इसी से गुस्साई मां ने बेटी को जोरदार फटकार लगाई थी। इन सब के बाद पड़ोसी के बुलाने पर मां कुछ मिनटों के लिए घर से बाहर गई थी। इसी बीच मौका पाकर गुस्साई किशोरी ने अपने कमरे में सुसाइड कर लिया। बेटी को कमरे में झूलता देखा मां ने जोरदार आवाज लगाई, जिसके बाद घर के बाकी सदस्य मौके पर पहुंचे और आनन फानन में किशोरी को जीएमसीएच पूर्णिया लाया गया।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में जल्द शुरु होगी 3 फिल्मों की शूटिंग, मारधाड़ और एक्शन से भरपूर होगी मूवी

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ फिल्म एसोसियशन (आरएफए) से जुड़े पदाधिकारियों ने मंगलवार को नाट्य रंगमंच के लिए उपायुक्त से मुलाकात की। इसमें नाट्य रंगमंच के लिए स्थल का चयन को लेकर चर्चा हुई। उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को आस्वस्त करते हुए कहा की बहुत जल्द ही रामगढ़ में नाट्य रंगमंच के लिए हाल की व्यवस्था होगी। जहां लोग मनोरंजन के साथ साथ अपनी कला का प्रदर्शन कर सके सकेंगे। वहीं, एसोसियशन के लोगों ने उपायुक्त को रामगढ़ में होने जा रहे तीन फिल्मों की शूटिंग की जानकारी भी दी। जिला में जल्द ही तीन फिल्मों की शूटिंग शुरु होने जा रही है। पहली फिल्म वेब सीरीज है जिसका नाम है मोनिका दत्ता। फिल्म का निर्देशन और कहानी संजय बनारसी की है।यह सस्पेंस थ्रिलर फिल्म भरपूर मनोरंजन और मारधाड़ एक्शन से भरपूर होगी। इसमें विमल शर्मा, विनोद सिंह, धर्मेंद्र शर्मा, मनीष के अलावे रामगढ़ फिल्म एसोसियशन से जुड़े कलाकार काम करते हुए नजर आएंगे। वहीं दूसरी फिल्म जिसका नाम मंजरी है। इसके निर्माता निर्देशक बिनोद कुमार सिंह है। इस फिल्म में भी रामगढ़ फिल्म एसोसियशन से जुड़े कलाकार काम करते हुए नजर आएंगे। यह लघु फिल्म है जिसकी कहानी एक खूबसूरती मंजरी नामक लड़की पर आधारित है। इस फिल्म में बिनोद सिंह, धर्मेंद्र शर्मा शामिल हैं। इस फिल्म के लिए अन्य कलाकारों का चयन जारी है। वहीं तीसरी हिंदी हॉरर शार्ट फिल्म इंतजार है। यह फिल्म प्रजापति पिक्चर्स यूट्यूब चैनल पर रिलीज होने वाली है।

सेंट्रल लाइब्रेरी में 1।20 लाख किताबें, स्टेट में 85 हजार; कंपीटिशन की किताबों की है मांग

रांची, एजेंसी। लेखक जॉर्ज लुइस बोर्गेस ने कहा था, 'मैंने हमेशा कल्पना की है कि स्वर्ग एक तरह की लाइब्रेरी होगी।।।।' शहर के प्रमुख लाइब्रेरी में कंपीटिशन की किताबों के साथ प्रेमचंद, टैगोर व स्थानीय कामिल बुल्के और राधाकृष्ण भी रखे दिख जाते हैं। इन्हें पढ़ने वाले हजारों हैं। माना जाता है कि किताबें अतीत और भविष्य के बीच एक कड़ी, पीढ़ियों और संस्कृतियों के बीच एक पुल है। हर साल 23 अप्रैल को वर्ल्ड बुक एंड कॉपीराइट डे मनाया जाता है। इस विशेष अवसर पर हमने शहर की 3 लाइब्रेरी में जाकर देखा कि यहां कैसी और कितनी किताबें हैं। प्रतिदिन कितने लोग इन्हें पढ़ने आते हैं। विभिन्न लाइब्रेरी में हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला की किताबों के साथ धर्म ग्रंथ और भारतीय संविधान की मूल प्रति भी है। जनजातीय भाषाओं में नागपुरी, हो, संथाली, कुड़ुख, मुंडारी की किताबें अधिक हैं। बांग्ला व उड़िया भाषा की किताबों को पढ़ने के लिए भी लोग आते हैं। वेद, कुरआन, बाइबल, गीता, रामायण के साथ कबीर, तुलसीदास, प्रेमचंद, फणीश्वरनाथ रेणु, गालिब आदि लेखकों की किताबें भी उपलब्ध हैं। इसके साथ ही भारतीय संविधान की मूल प्रति भी है। मेन रोड पब्लिक स्थित उर्दू लाइब्रेरी की स्थापना 1945 में हुई थी। समाजसेवी मो। जबिउल्लाह ने बताया कि पूर्व में चर्च रोड में किराए के मकान से लाइब्रेरी की शुरूआत शिक्षा की जरूरत को महसूस करते हुए की गई थी। खान बहादुर, हारुण उमर कच्छी, अब्दुल अजीज ने बाद में मेन रोड में उर्दू लाइब्रेरी की स्थापना की। इसे ट्रस्ट के द्वारा चलाया जा रहा था। अभी क्षेत्र के युवा इसकी देखरेख कर रहे हैं। जिसमें मो। फिरोज रैंबो, मो. आबिद, मो। परवेज आदि शामिल हैं। यहां उर्दू गजल की कई मशहूर किताबें हैं। रोजाना संध्या 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुला रहता है। कोई शुल्क नहीं लगता। शारदा बाबू स्ट्रीट स्थित राज्य पुस्तकालय की स्थापना 1954 में हुई थी। लाइब्रेरियन ज्योति कुमारी ने बताया कि यहां एक साथ 1200 छात्रों के बैठने के लिए चेयर-टेबल है। यहां करीब 85 हजार से अधिक किताबें हैं। रोजाना 900 से 1000 छात्र पढ़ने के लिए आते हैं। मंगलवार को यहां 800 छात्र पढ़ने के लिए आए, जिनमें 500 छात्र व 300 छात्राएं थे। यह सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुला रहता है। यहां छात्रों से रजिस्ट्रेशन शुल्क 24 रुपए लेकर आईडी कार्ड दिए जाते हैं। छात्र बैंकिंग, रेलवे, एसएससी, जेएनसीसी परीक्षा की तैयारी करते हैं। कंप्यूटर की ट्रेनिंग भी होती है।केंद्रीय पुस्तकालय, रांची विश्वविद्यालय की स्थापना 1960 में शहीद चौक के पास हुई थी। उसके बाद मोरहाबादी में इसे शिफ्ट कर दिया गया। पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ.संजय कुमार कर्ण ने बताया कि हमारे यहां 1.20 लाख से अधिक किताबें हैं।

चितरा कोल माइंस क्षेत्र में पानी की भारी किल्लत

टैकरों की मदद से घरों तक पहुंचेगा

देवघर, एजेंसी। झारखंड के देवघर जिले में गर्मी आते ही पानी की किल्लत होना आम बात है। शहरी इलाके के रिहायशी कॉलोनी में भी पानी के लिए लोगों को काफी जद्दोजहद करनी पड़ती है। सिर्फ शहरी इलाके ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में भी पानी के लिए लोग परेशान रहते हैं। देवघर के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की किल्लत की बात करें तो सबसे ज्यादा परेशानी सारठ प्रखंड के चितरा क्षेत्र में देखने को मिलती है। क्योंकि इस क्षेत्र में एक बड़ा ओपन कोल माइंस संचालित होता है।

मालूम हो कि चितरा में ईसीएल का कोल माइंस संचालित है। यह कोल माइंस राज्य एवं केंद्र सरकार के लिए काफी महत्वपूर्ण है। क्योंकि यहां से सरकार को राजस्व का काफी लाभ मिलता है। सरकार इस क्षेत्र के लोगों की जमीन को अधिग्रहण करके कोयला निकाल रही है। लेकिन जिन किसानों की जमीन अधिग्रहण हो



रही है उन्हें ना तो मुआवजा मिल रहा है और ना ही बुनियादी सुविधा मुहैया हो पा रही है। चितरा कोल माइंस के कारण प्रभावित हो रहे स्थानीय लोगों ने बताया कि पूरे क्षेत्र में सबसे ज्यादा यदि पानी की आवश्यकता है तो चितरा इलाके में है लेकिन सबसे ज्यादा पानी की किल्लत यहीं है। स्थानीय एवं मुखिया प्रतिनिधि सुजीत रजक बताते हैं कि इस क्षेत्र के चितरा, देवघरिया, तुलसी डाबर सहित कई गांवों ने पानी के लिए लोग तरस रहे हैं लेकिन लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है।

सुजीत कुमार रजक ने बताया कि क्षेत्र में एक वॉटर कूलर लगाया गया है लेकिन उससे भी पर्याप्त पानी नहीं मिलता है। उन्होंने ईसीएल प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र में जितने भी चापाकल लगे हुए हैं, उसे स्थानीय जन प्रतिनिधि 15वीं वित्त आयोग की राशि से ठीक करवाते हैं लेकिन ईसीएल प्रबंधन का इस पर कोई ध्यान नहीं जाता है जबकि कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत ईसीएल प्रबंधन को यह काम करवाना चाहिए था।

सामाजिक कार्यकर्ता मनोज सुभद्रा ने कहा कि चितरा क्षेत्र में पेयजल की समस्या को देखते हुए उनके द्वारा धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाना था लेकिन स्थानीय एसडीओ द्वारा उन्हें अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने जिला प्रशासन और ईसीएल प्रबंधन पर निशाना साधते हुए कहा, अब चितरा क्षेत्र में लोगों को अपने हक के लिए आवाज उठाने पर भी रोक लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे साफ पता चलता है ईसीएल प्रबंधन अपनी जिम्मेदारियां से बचना चाहता है। वहीं लोगों की परेशानी को देखते हुए हमने जब ईसीएल प्रबंधन के जीएम एके आनंद से बात की तो उन्होंने कहा कि उनके द्वारा पूरे क्षेत्र में वॉटर फिल्टर संचालित किया जा रहे हैं। इसके अलावा आसपास के गांवों में सोलह टैंकरों से पानी उपलब्ध कराया जा रही है। उन्होंने बताया कि ईसीएल प्रबंधन के द्वारा एक वॉटर फिल्टर प्लांट भी चलाया जाता है। जिससे पेयजल की समस्या को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। वही कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत जहां भी चापाकल या नल खराब हैं, उसे ईसीएल प्रबंधन रिपेयर करने में लगा है। गौरतलब है कि देवघर समेत पूरे झारखंड के लिए ईसीएल का चितरा कोल माइंस राजस्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण है लेकिन यह भी है कि जिस क्षेत्र के लोगों की जमीन से राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार को राजस्व का लाभ हो रहा है, उस क्षेत्र के लोगों को भी सुविधा मुहैया होनी चाहिए।

सऊदी से भी ज्यादा अमीर होंगे भारत के मुसलमान, वक्फ पर बीजेपी के सीनियर नेता का बयान

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में वक्फ संशोधन अधिनियम पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें भाजपा द्वारा चलाए जाने वाले जागरण अभियान की प्रदेश टोली, प्रदेश पदाधिकारी, अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी सहित विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के जिलाध्यक्ष शामिल हुए। कार्यशाला को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सह अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी दुष्यंत गौतम ने वक्फ संशोधन अधिनियम की बारीकियों, संशोधन से होने वाले लाभ पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों का सदुपयोग हुआ तो भारत का मुसलमान सऊदी अरब से भी अधिक अमीर होगा। गौतम ने कहा कि वक्फ इस्लामी कानून के अंतर्गत स्थापित एक अपरिवर्तनीय धर्मार्थ निधि है। जिसे भारत में वक्फ अधिनियम 1995 के तहत मान्यता प्राप्त है। 2018 की केंद्रीय वक्फ बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 8 लाख एकड़ से अधिक वक्फ संपत्ति है जिसकी कीमत 10 लाख करोड़ से अधिक है, लेकिन वक्फ संपत्ति से गरीब मुसलमानों के लिए कुछ नहीं किया गया। धार्मिक नेताओं और राजनेताओं के बड़े गुट ने वक्फ संपत्तियों को लूटकर आम मुसलमानों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित कर दिया। लगभग 70 प्रतिशत वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जा हो चुका है।

मोदी सरकार ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 ने असीमित अधिकार को हटाया है। सरकारी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित होने से रोकने की पहल की है। बोर्ड में महिलाओं के अधिकार को बढ़ाया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि वक्फ की जमीन को लुटेरों से बचाने के लिए वक्फ संशोधन अधिनियम लाया गया है।

क्लर्क का बेटा बना आईएएस, चौथे प्रयास में क्रैक कर दी यूपीएससी परीक्षा, खुद बताया सफलता का राज

दुमका, एजेंसी। मंगलवार को यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 का परिणाम जारी हुआ। इसमें दुमका के 28 वर्षीय सौरभ सिन्हा ने 49वीं रैंक हासिल की है। यह सफलता उन्हें चौथे प्रयास में मिली। सौरभ की कहानी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास की मिसाल है। रसिकपुर के मध्यमवर्गीय परिवार आने वाले सौरभ के पिता प्रियाव्रत सिन्हा जिला अधिवक्ता संघ कार्यालय में बड़ा बाबू हैं। सौरभ का छोटा भाई है। सौरभ का जन्म और पालन-पोषण दुमका में ही हुआ। उसने नर्सरी से लेकर इंटर तक की पढ़ाई दुमका में की। ग्रीन माउंट अकैडमी से मैट्रिक तक की पढ़ाई बिना किसी ट्यूशन के की।

वर्ष 2011 में मैट्रिक और 2013 में इंटर की परीक्षा में अच्छे अंक लाए। इंटर में साईटेंक कोंचिंग संस्स्थान से कोचिंग कराने वाले निदेशक मार्तंड मिश्रा ने बताया कि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, फिर भी सौरभ ने कभी हार नहीं मानी। स्वाध्याय के बल पर पढ़ाई की। पढ़ाई के प्रति जुनून था।

वर्ष 2021 में उसने आईआईटी खड़गपुर से बीटेक और एमटेक किया। इसके बाद किसी कंपनी में नौकरी नहीं की। वर्तमान में नारायणा विश्वविद्यालय लखनऊ में प्रोफेसर है।

पिता ने बताया कि सौरभ ने पहले 2019 में यूपीएससी की परीक्षा दीं। पीटी पास किया,लेकिन साक्षात्कार में रह गया।



इसके बाद 21 और 22 में परीक्षा दी, लेकिन साक्षात्कार में असफल हो गया।

इसके बाद भी हिम्मत नहीं हारी। हर बार असफलता से सीखता रहा। उत्तर लेखन और समय प्रबंधन में सुधार किया। मॉक टेस्ट दिए। पुराने प्रश्नपत्रों का विश्लेषण किया। समसामयिक मुद्दों पर गहराई से अध्ययन किया।

चौथे प्रयास में एक तय योजना के साथ तैयारी कर सफलता हासिल की।सौरभ की सफलता यह साबित करती है कि संसाधनों की कमी, उम्र या आर्थिक स्थिति सफलता की राह में बाधा नहीं बनती।

सही रणनीति, मेहनत और परिवार का साथ हो तो कोई भी सपना पूरा हो सकता है। उनकी कहानी उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं।

माता विभा सिन्हा ने बताया कि तीन बार मिली असफलता के बाद उसे तैयारी छोड़कर कंपनी में काम करने के लिए प्रेरित किया। निराशा की वजह से वर्ष 23 में परीक्षा नहीं थी। लेकिन इसी परीक्षा में उसका एक साथी पास हो गया। इसके बाद उसने फिर से तैयारी शुरू की ओर 24 में फिर से प्रयास किया।

मां ने बताया कि बेटा हर हाल में आइएएस बनना चाहता था।पढ़ाई में किसी तरह की बाधा नहीं आए, इसलिए खुद को कमरे में बंद कर पढ़ता था। घर में कोई आए जाए, उससे उसे कोई वास्ता नहीं था। केवल खाना खाने के वक्त ही कमरे से निकलता और खाने के बाद फिर से कमरे में बंद कर लेता था।

धनबाद में सफाई कर्मी को बाराती बस ने कुचला:बेकारबांध के पास हादसा

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में दर्दनाक सड़क हादसे में नगर निगम के सफाई कर्मी बजरंगी भुईया की मौत हो गई। यह सड़क हादसा बेकारबांध स्थित पूजा टॉकीज के पास की है। जहां एक बाराती बस ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार दो अन्य सफाई कर्मी विक्की भुईयां और फुलआ गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।झघटना उस समय हुई जब तीनों सफाई कर्मी एक बाइक पर सवार होकर निगम कार्यालय ड्यूटी के लिए जा रहे थे। इस दौरान टुंडी जा रही बाराती बस ने उन्हें टक्कर मार दी। बस चालक बाइक को रगड़ते हुए राजेंद्र सरोवर तक ले गया। इसके बाद बस से उतरकर मौके से फरार हो गया। बस में सवार यात्री भी बस से उतर कर चले गए।घटना की सूचना मिलते ही सैकड़ों सफाई कर्मी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने निगम के ट्रैक्टर और टिपर वैन से सड़क जाम कर दी।

सभी जिलों के स्कक्तक पहुंचा नया ऑर्डर, आईजी-डीआईजी का भी बढ़ गया काम; अब इन पुलिस अफसरों पर होगा तगड़ा एक्शन

रांची, एजेंसी। पुलिस मुख्यालय में एडीजी अभियान डॉ। संजय आनंदराव लाठकर ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग से लैंगिक अपराध व पॉक्सो एक्ट से संबंधित कांडों की समीक्षा की।

उन्होंने सभी जिलों के एसएसपी, एसपी को कोर्ट प्रोसेस मैनेजमेंट सिस्टम (सीपीएमएस) एप के माध्यम से न्यायालय में ससमय उपस्थित कराने के लिए विशेष रूप से निर्देश दिया। पुलिसकर्मियों की गवाही नहीं होने से अभियुक्तों की सजा नहीं होने के मामले को भी एडीजी ने गंभीरता से लिया। उन्होंने सभी एसपी से इसकी समीक्षा करने को कहा और यह भी कहा कि गवाही नहीं देने वाले पुलिसकर्मियों-पदाधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई कर पुलिस मुख्यालय को अवगत कराएं। वैसे पुलिस पदाधिकारी, कर्मी या सरकारी कर्मी जो किसी कारणवश न्यायालय में गवाही के लिए उपस्थित नहीं हो पाते हैं, उनकी गवाही वीडियो कांफ्रेंसिंग से कराएं। एडीजी अभियान ने महिलाओं के विरुद्ध होने वाले लैंगिक तथा पॉक्सो एक्ट से अंतर्गत दर्ज कांडों में निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन के लिए व्यापक रूप से चर्चा की।

अमोनिया गैस के रिसाव पर पर्यावरण समिति का कड़ा रुख, कहा- हर्ल प्रबंधन पर लेंगे



धनबाद, एजेंसी। विधानसभा पर्यावरण समिति सदस्यों ने जिले के सर्किट हाउस में बीसीसीएल, हर्ल, ईसीएल प्रबंधन के साथ बैठक की। बढ़ते प्रदूषण को लेकर क्षेत्रीय प्रदूषण पदाधिकारी, बीसीसीएल, सीसीएल एवं हर्ल प्रबंधन के प्रति समिति ने नाराजगी जताई है। साथ ही पिछले दिनों हर्ल से हुए अमोनिया रिसाव के लिए एक्शन लेने की बात समिति ने कही है।

झारखंड विधानसभा की पर्यावरण समिति सदस्य धनबाद पहुंचे। पर्यावरण समिति सदस्य में सारठ विधायक उदय शंकर सिंह, बोकारो विधायक श्वेता सिंह, सिसई विधायक जिगा सुसारण होरो, विधायक संजीव सरदार ने विभागीय बैठक सर्किट हाउस सभागार में की। जिसमें बीसीसीएल, ईसीएल, हर्ल के अधिकारी, एसडीएम सहित अन्य उपस्थित रहे। कोयलांचल में लगातार बेकाबू हो रहे प्रदूषण की समस्या को लेकर क्षेत्रीय प्रदूषण पदाधिकारी को समिति सदस्यों ने फटकार लगाई। विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण का निर्देश दिया। साथ ही जिन उद्योगों को प्रदूषण विभाग ने सीटीओ दिया है, उसका सत्यापन करने का भी निर्देश दिया।

वहीं बढ़ते प्रदूषण को लेकर बीसीसीएल, ईसीएल एवं हर्ल प्रबंधन के प्रति नाराजगी जताई। पिछले दिनों हर्ल प्लांट में हुए अमोनिया रिसाव, कोलियरी क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण की समस्या को लेकर बीसीसीएल, ईसीएल और हर्ल प्रबंधन अधिकारियों को नियंत्रित करने का निर्देश दिया बैठक के बाद बोकारो विधायक और सिसई विधायक जिगा सुसारण होरो टीम के साथ स्थलीय जांच के लिए रवाना हो गए। बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि धनबाद में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है।

कोडरमा के शर्मा बुक सेंटर में एसडीओ का छापा:असली कीमत छिपाकर दोगुने दाम में बेच रहा था

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा में एसडीओ रिया सिंह के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने झुमरीतिलैया शहर के सबसे बड़े किताब विक्रेता शर्मा बुक सेंटर की दुकानों और गोदाम में छापेमारी की। इस छापेमारी ने सबको चौंका कर रख दिया। डीसी मेघा भारद्वाज के निर्देश और अभिभावक संघ की ओर से मिली शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान यह पता चला कि शर्मा बुक सेंटर किताबों की प्रिंट रेट पर अपना छापा हुआ कीमतों का स्टिकर लगा कर किताबें बेचता था।

एसडीओ रिया सिंह के नेतृत्व में एक टीम ने शर्मा बुक सेंटर की दुकानों और गोदाम में छापेमारी की। जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। गोदाम से बड़ी संख्या में ऐसी किताबें मिलीं, जिन पर ओवर प्रिंटिंग की गई थी। किताबों के वास्तविक मूल्य को छिपाकर अधिक कीमत अंकित की गई थी। कई किताबों पर असली कीमत से दोगुने मूल्य के स्टिकर चिपकाए गए थे। एसडीओ ने इन किताबों को सबूत के तौर पर जब्त कर लिया है।छापेमारी के दौरान किताब विक्रेता ने गोदाम में ताला लगाकर घर में छिप गया और अपना मोबाइल फोन भी बंद कर लिया। अधिकारियों के बार-बार कहने पर भी वह बाहर नहीं आया। जिसके बाद प्रशासन ने गोदाम की निगरानी के लिए तिलैया पुलिस के जवानों को तैनात कर दिया।जांच में गोदाम में एक बड़ी प्रिंटिंग मशीन भी मिली है। जिसका इस्तेमाल कीमतें बदलने के लिए किया जा रहा था। एसडीओ रिया सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच में किताब विक्रेता द्वारा कीमतों में गड़बड़ी की पुष्टि हुई है।

बगैर चालान के ही बिहार जा रहा था स्टोन चिप्स, 9 वाहन जब्त

गिरिडीह, एजेंसी। कुछ माह पूर्व ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्थर के अवैध खनन और उसके परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने का सख्त निर्देश दिया था। सूबे के वरीय अधिकारियों के साथ की गई बैठक में सीएम ने साफ कहा था कि झारखंड की छवि को धूमिल करने वाले तस्करों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। सीएम के सख्त तेवर के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर कार्रवाई भी होती रही, बावजूद गिरिडीह में पत्थर माफिया अपनी करतूत को लगातार अंजाम दे रहे हैं। जहां कई स्थानों पर अवैध तरीके से पत्थर का खनन हो रहा है।



कार्रवाई के दौरान बगैर कागजात के ही सरकार को राजस्व दिए बिना स्टोन चिप्स की तस्करी हो रही है। मालवाहकों में स्टोन चिप्स को लादकर गिरिडीह के गावां के रास्ते बिहार ले जाया जा रहा है। इस बार फिर से वरीय अधिकारियों के निर्देश पर गावां के अंचलाधिकारी अविनाश रंजन ने कार्रवाई की है। इस बार सीओ ने देर रात वाहनों की जांच शुरू की और स्टोन चिप्स लदे 9 मालवाहक को पकड़ा है। वाहनों को पकड़ने के बाद कागजात की छानबीन की गई तो एक वाहन छोड़कर बाकी वाहनों के पास परिवहन परमिट मिला ही नहीं। ऐसे में सीओ ने वाहनों को जब्त करते हुए मामले को लेकर खनन विभाग को अवगत कराया है।

बता दें कि गावां-सतगावां होते हुए बिहार के नवादा जाने वाली सड़क पत्थर-कोयला तस्करों के लिए सेफ सड़क रही है। जमुआ-धनवार, तिसरी-गावां इलाके के कुछ एक क्रशरों में स्टोन चिप्स लोड करने के बाद इसी रास्ते से वाहन को ले जाया जाता है। तस्कर का पूरा काम संगठित होकर किया जाता है। पिछली बार गावां के सीओ ने उन वाहनों की पहचान की थी, जो वाहन सहारनपुर के चालान पर कई दफा चिप्स बिहार में खपाने का काम करते थे।

मामले को लेकर सीओ ने खनन विभाग को भी पत्र लिखा था, लेकिन जांच के नाम पर पूरे मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। इस बार फिर से गावां के सीओ ने ऐसे वाहनों को पकड़ा है। अब देखना होगा कि क्या इस बार भी मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा या फिर जिला के अधिकारी इसे गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई करेंगे।

रोहित ने 9 घंटे ड्यूटी के बाद कैसे की पढ़ाई खुद बताई रणनीति, यूपीएससी में लहरा दिया परचम

जादूगोड़ा, एजेंसी। देश सेवा का ऐसा जुनून कि नौकरी में अच्छी पैकेज मिलने के बाद भी यूपीएससी में सेलेक्शन होने का हमेशा मन में संकल्प बना रहा। आखिरकार रोहित ने यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) में 518 रैंक लाकर अपने संकल्प को पूरा किया।

रोहित ने देश के सबसे बड़े व कठिन प्रतियोगिता परीक्षा यूपीएससी में 518 रैंक लाकर अपना व जादूगोड़ा क्षेत्र का नाम रौशन किया है। मंगलवार की शाम को आए परीक्षा परिणाम के बाद जादूगोड़ा में हर्ष का माहौल हो गया। रोहित को बधाई देने के लिए उनके घर पर लोगों का तांता लगा रहा।

रोहित जादूगोड़ा के परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय में पढ़ाई करते थे। 2007 में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा 89 प्रतिशत अंक लाकर पास किया। इसके बाद उन्होंने विज्ञान संकाय से 12वीं तक की पढ़ाई की। 12वीं की पढ़ाई के बाद वीआईटी वैल्लोर से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की।

इंजीनियरिंग करने के बाद कैट में 95 प्रतिशत



अंक लाकर आईआईएम रायपुर में दाखिला लिया। एमबीए की पढ़ाई उन्होंने 2017 में पास कर ली। उसके बाद 2018 में बैंगलुरु में रहकर स्टैंडर्ड चार्ट बैंक में कार्य किया। जहां उन्हें एक अच्छे पैकेज के साथ नौकरी मिली थी।

देश व समाज के लिए कुछ अच्छा करने के जज्बा रोहित को यूपीएससी में सफलता दिलाई। 9 घंटे तक नौकरी करने के बाद प्रत्येक दिन 5 घंटा पढ़ाई कर यूपीएससी की तैयारी में लगे रहते थे। शनिवार व रविवार को छुट्टी के दिन जो भी पढ़ाई में कमी रहती थी उसे पूरा किया करते थे।

उन्होंने बताया कि पिछले 7 साल मैंने टीवी नहीं देखा। पिछले साल मैं एक अंक से पीछे रह गया था। घर वालों का पूरा सहयोग विशेष कर माता-पिता, बहन व जीजा का सहयोग रहता था। समाज की ओर से हमेशा दबाव रहता था कि मुझे विवाह कर लेना चाहिए क्योंकि मैं एक अच्छी नौकरी व पैसा कमाता हूं।

लेकिन मेरे अंदर यूपीएससी कंप्लीट करने का जुनून सवार था। इसलिए मैं कभी पीछे नहीं जाना चाहता था। माता-पिता को हमेशा कहता था कि बस थोड़ा इंतजार करो मैं सफल हो जाउंगा। मेंस के रिजल्ट आने के बाद में दिल्ली में जाकर 2 महीने इंटरव्यू की तैयारी में लगा रहा। बाकि की तैयारी में बैंगलुरु में रहकर आनलाइन ही किया करता था। बैंगलुरु में अकेला ही रहता था। एक कमरे में एक रूम भाड़े पर लिया था। जहां मैं ड्यूटी से आकर तैयारी किया करता था।

रोहित ने बताया की भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के लिए काम करना चाहता हूं। हालांकि जो रैंक मुझे मिला उसके लिए मैं आईपीएस के रूप में पुलिस सर्विस में जा सकता हूं पर मेरी इच्छा भारत के विदेश मंत्रालय के लिए काम करना है। अपने देश का नाम दूसरे देश में भी रौशन करूं।

आज भी चीन-अमेरिका जैसे देश जो भारत को अभी भी अपने सामने कमजोर समझते है। उनके सामने अपने देश का मान सम्मान बढ़ाना मेरी ख्वाहिश है। पिता बेटे की सफलता पर पिता रमेश कुमार सिंह व मां ललिता देवी ने कहा हमने बेटे को हर तरह से सपोर्ट किया। जब पिछले कई प्रयास में सफलता नहीं मिली तो हम लोगों ने कहा कि आप तो एक अच्छे जाब में हो आप शादी करके अपना जीवन आगे बढ़ाओ पर उसके जुनून ने उसे इस सफलता को दिलाया है।

जब शाम को रिजल्ट आया तो हम लोग खाना खाने जा रहे थे। पिता ने कहा की आज ही चेन्नई से आंख का आपरेशन कराकर आया हूं। जैसे ही रिजल्ट आया मेरी धर्मपत्नी, बेटा व बेटी रोशनी चारों आपस में गले रखकर खुशी के आंसू बहाते रहे।एक माता-पिता के लिए इससे खुशी की बात क्या हो सकती है की जिन्हें अब अपने बेटे के नाम से जाना जाएगा।पिता हमेशा गांधी मार्केट दुर्गा पूजा कमेटी से जुड़े रहे।मां दुर्गा की उपासना कर बेटे की सफलता की कामना करते थे। रोहित अब जुलाई महीने में एक साल की ट्रेनिंग करेगा। उसके बाद उन्हें किसी राज्य में पदस्थापित किया जाएगा। इससे पहले वह बैंगलुरु जाकर वर्तमान में कार्यरत बैंक से रिजाइन देंगे।

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 23-04-2025 21:50 Page 1

एसटीएफ की छापेमारी से हरि निवास कॉम्प्लेक्स में खलबली

- फ्लिपकार्ट के कंटेनर से बंगाल में हुई थी चोरी
- जांच में जुटी पुलिस, दुकान को किया गया सील
- 1.33 करोड़ रुपये के चोरी गए मोबाइल बरामद
- डिजिटल ट्रैकिंग के सहारे पहुंची बंगाल एसटीएफ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना में बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सूबे की सबसे बड़ी मोबाइल मंडी पाँश इलाके हरि निवास कॉम्प्लेक्स को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। बंगाल एसटीएफ, बिहार एसटीएफ और पटना जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने इस इलाके में छापामारी की। इस कार्रवाई में एक करोड़ 33 लाख रुपये मूल्य के चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। साथ ही दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल, मामला पश्चिम बंगाल में दर्ज एक हाई प्रोफाइल मोबाइल चोरी कांड से जुड़ा है। बीते दिनों फ्लिपकार्ट के एक कंटेनर से 1.33 करोड़ रुपये के मोबाइल फोन चोरी कर लिए गए थे। इस मामले में बंगाल एसटीएफ की टीम लगातार जांच में जुटी हुई थी। मोबाइल फोन की डिजिटल ट्रैकिंग के दौरान जब उनके लोकेशन की पुष्टि बिहार की राजधानी पटना में हुई, तब बंगाल एसटीएफ ने तुरंत बिहार पुलिस से संपर्क किया।

इसके बाद कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित हरि निवास कॉम्प्लेक्स की एक दुकान सगुण इंटरप्राइजेज में संयुक्त रूप से छापामारी की गई। छापामारी के दौरान दुकान से चोरी हुए मोबाइलों का बड़ा स्टॉक बरामद हुआ, जिसे फ्लिपकार्ट के कंटेनर से चुराया गया था। इस दौरान दो संदिग्धों को भी मौके से गिरफ्तार किया गया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

इस छापामारी को बेहद गोपनीय तरीके से अंजाम दिया गया था। पूरे हरि निवास परिसर में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। एसटीएफ के जवानों ने सटीक कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ लिया। छापामारी के दौरान दुकान में रखे गए दर्जनों महंगे मोबाइल फोन जब्त किए गए, जिनमें से अधिकतर की पहचान चोरी हुए फोन के तौर पर की गई है।

घटना की पुष्टि डीएसपी विधि-व्यवस्था-1 ने की है। उन्होंने बताया कि छापामारी पूरी तरह से योजनाबद्ध थी और चोरी गए मोबाइल फोन की रिकवरी करना प्राथमिकता थी।

फिलहाल सगुण इंटरप्राइजेज को सील कर दिया गया है और पुलिस टीम दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके।

बैठक में एमएसीपी का लाभ देने का निर्णय

पटना। बिहार के इंस्पेक्टर-दारोगा से लेकर लिपिक श्रेणी में कुल 1,632 पुलिस कर्मचारियों को एसीपी और एमएसीपी का लाभ मिलेगा।

जानकारी के अनुसार, महानिदेशक पर्षद की बैठक में 2,150 से अधिक पुलिसकर्मियों के एसीपी-एमएसीपी संबंधित प्रस्ताव आये थे। इनमें करीब 250 इंस्पेक्टर, 1310 दारोगा और 72 लिपिक को एसीपी-एमएसीपी की मंजूरी दी गई है।

वहीं, 74 इंस्पेक्टर, 350 दारोगा और 100 से अधिक लिपिकों को अब भी इसके लिए इंतजार करना पड़ेगा। कई पुलिसकर्मियों की वार्षिक गोपनीय व चरित्र अभियुक्ति लंबित होने की वजह से इसका लाभ नहीं मिल सका।

सूत्रों के अनुसार, एसीपी के तहत कर्मियों को नियमित पदोन्नति नहीं होने पर भी निश्चित समय सीमा के बाद वित्तीय उन्नयन यानी वेतनवृद्धि का लाभ मिलता है।

वहीं, एमएसीपी के तहत, वित्तीय उन्नयन प्राप्त करने के लिए कुछ विशिष्ट प्रदर्शन बेंचमार्क निर्धारित किए गए हैं, जिन्हें कर्मचारी को वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट में प्रदर्शित करना होता है।

मिट्टी लाने गयी पांच लड़कियां पोखर में डूबी

तीन की मौत, इलाके में हड़कम्प

सभी लड़कियां थी नाबालिग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी में पोखर में डूबने से तीन लड़कियों की मौत हो गई। वहीं दो लड़कियों ने किसी तरह अपनी जान बचा ली। घटना बाजपट्टी थाना क्षेत्र के पचड़ा निमाही पंचायत के कंचन पुर वार्ड नंबर 11 में बुधवार अहले सुबह हुई। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ लड़कियां गांव के पोखर से मिट्टी लाने के लिए निकली थी। इस दौरान, रविंद्र राय की पुत्री नंदिनी कुमारी (8) का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में गिर गई। उसे बचाने के प्रयास में एक-एक कर पांच लड़कियां पोखर में डूब गईं। हालांकि, दो लड़कियां किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहीं, लेकिन तीन लड़कियों की डूबने से मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तीनों लड़कियों के शवों को बाहर निकाला। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया। बाजपट्टी थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया गया है।



मृतकों की पहचान आरती कुमारी (13) पिता उमा राय, नंदिनी कुमारी (8) पिता रविन्द्र राय और सुधा कुमारी (9) पिता मिथुन राय के रूप में हुई है। घायल लड़कियों की पहचान ऋतु और प्रियांशी कुमारी के रूप में की गई है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस का कहना है कि डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई है। तीनों शवों का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सैनिक की पत्नी को अपराधियों ने मारी गोली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। जिले में आए दिन हो रही आपराधिक घटनाओं ने आम नागरिकों में डर और दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। ताजा मामला नगर थाना क्षेत्र के मौर्य नगर मोहल्ले का है, जहां बुधवार सुबह एक आर्मी जवान की पत्नी पुष्पा देवी को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी। घटना के वक्त वह अपने पति और बच्चे के साथ घर में मौजूद थीं। गोली लगने से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे पहले सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया है।

घटना को लेकर मकान मालिक ने बताया कि सुबह-सुबह अचानक फायरिंग की आवाज सुनाई दी, जिससे मोहल्ले में हड़कंप मच गया। इसके बाद जब वे नीचे आए तो देखा कि महिला के चेहरे पर गोली लगी है और वह लहूलुहान हालत में पड़ी थी। आनन-फानन में परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की और घर के पीछे से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए। एसडीपीओ संजीव कुमार ने बताया कि महिला को खिड़की के रास्ते गोली मारी गई है, लेकिन घटना के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात भी सामने आ रही है कि महिला और उसके पति के बीच आए दिन झगड़ा होता रहता था। पीड़ित महिला पुष्पा देवी मूल रूप से अरवल जिले के तकियापर गांव की रहने वाली हैं। वह करीब ढाई-तीन सालों से मौर्य नगर में एक जदयू नेत्री के घर किराए पर रह रही थीं। उनके पति शिवशंकर कुमार भारतीय सेना में कार्यरत हैं। वह एक दिन पहले ही छुट्टी पर घर लौटे थे। घटना के बाद फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है, जो घटनास्थल की बारीकी से जांच कर रही है।

सुबह-सुबह हुई इस वारदात ने पुलिस प्रशासन की चौकसी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिन-प्रतिदिन जिले में बढ़ती अपराध की घटनाओं ने आम लोगों के मन में भय पैदा कर दिया है।

हजारों ग्रामीणों के हमले में पुलिस टीम के दस कर्मी घायल

जमादार के दोनों पैर टूटे, पुलिस गाड़ी को भी किया क्षतिग्रस्त

धनबाद के दो बंधकों ग्रामीणों की चंगुल से छुड़ाने गयी थी पुलिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नवादा के नक्सल प्रभावित कौआकोल थाना क्षेत्र के टीकोडीह गांव में पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। हमले में 10 पुलिसकर्मी घायल हो गए। जमादार अरुण कुमार रावत के दोनों पैर टूट गए। हवलदार अरुण रावत गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें हायर मेडिकल सेंटर रेफर किया गया। डॉक्टर विक्रम कुमार ने बताया कि अरुण कुमार की हालत गंभीर बनी हुई है।



जानकारी के मुताबिक, पुलिस टीम डायल 112 की सूचना पर गांव पहुंची थी। झारखंड के धनबाद से आए चार युवकों को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया था। उन्हें छुड़ाने के लिए डायल 112 की टीम और कौआकोल थाना की गश्ती टीम गांव पहुंची। तभी ग्रामीणों ने पथराव शुरू कर दिया। पुलिसकर्मियों को बंधक बना लिया गया। पुलिस की गाड़ी को भी तोड़ दिया गया।

जमादार अरुण कुमार रावत ने बताया कि करीब 2,000 ग्रामीणों की भीड़ ने अचानक हमला कर दिया। पुलिस को बिना बंधकों को छुड़ाए लौटना पड़ा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, धनबाद से लड़का पक्ष के लोग लड़की की विदाई के लिए टिकोडीह गांव आए थे।

इसी दौरान दोनों पक्षों में विवाद हो गया। सूचना पर पुलिस पहुंची, लेकिन ग्रामीणों ने हमला कर दिया। बाद में कौआकोल थाना से अतिरिक्त पुलिस बल पहुंचा। सभी पुलिसकर्मियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। गांव में तनाव का माहौल है। वहीं, पुलिस ने गांव में छापामारी शुरू कर दी है। हमला करने वालों की पहचान कर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि धनबाद के युवकों को सकुशल छुड़ाया गया है। पूछताछ की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

कलाकारों को एक प्लेटफार्म पर लाने की कवायद तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सुपौल। बिहार सरकार के कला संस्कृति एवं युवा विभाग ने प्रदेश के कलाकारों के संरक्षण, संवर्धन और समुचित विकास को लेकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है।

मंत्री मोतीलाल प्रसाद, विभागीय सचिव प्रणव कुमार, निदेशक सांस्कृतिक कार्य रूबी तथा निदेशक संग्रहालय रचना पाटिल की अगुवाई में पटना स्थित भारतीय नृत्य कला मंदिर से एक वेबसाइट का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राज्यभर के सभी जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी उपस्थित थे। यह वेबसाइट बिहार के सभी कलाकारों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्म पर लाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। इससे वे विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों में प्रभावी रूप से भागीदारी कर सकेंगे। बुधवार को जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी तारकेश्वर पटेल ने कलाकार पंजीयन की विस्तृत प्रक्रिया साझा की। उन्होंने बताया कि कलाकार अपने मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से वेबसाइट पर जाकर पंजीयन आप्शन पर क्लिक करके नीचे दिए गए छह चरणों में अपनी जानकारी भरें। इसमें व्यक्तिगत विवरण, कलाकार की जानकारी, कला की विधा संबंधी विवरण, अनुभव से जुड़ी जानकारी, बैंक संबंधी जानकारी, दस्तावेज अपलोड करना है। इन सभी चरणों को पूरा करने के बाद कलाकार को एक यूनिक रजिस्ट्रेशन नंबर यानी पंजीयन संख्या प्रदान की जाएगी। जो विभाग द्वारा आयोजित किसी भी सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने हेतु आवश्यक होगी। कलाकार पंजीयन संख्या केवल सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी तक सीमित नहीं है। बल्कि यह कलाकार कल्याण कोष, संस्थानों को अनुदान, महोत्सवों, मेलों तथा प्रसिद्ध कार्यक्रमों जैसे शुक्र गुलजार, शनि बहार आदि में भाग लेने एवं योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी अनिवार्य होगा।श्री पटेल ने जिले के सभी कलाकारों से अपील की है कि वे अपना पंजीयन अवश्य कराएं, ताकि विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ उन्हें समय पर मिल सके।

पति को छोड़कर बहनोई के पड़ोसी संग रचायी शादी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। महुआ थाना क्षेत्र के माधोपुर गांव निवासी रजनीश कुमार ने अपने आवास से दो लाख रुपये, फ्लैट के कागजात और जेवरात लेकर बहनोई के घर गई अपनी पत्नी के खिलाफ दूसरी शादी रचा लेने पर प्राथमिकी कराई है।

प्राथमिकी में उसने बताया है कि उसकी पत्नी नेहा कुमारी महाराष्ट्र के ठाणे भईंदर ईस्ट स्थित सर्वोदय इंक्लेव स्थित आवास से बहनोई के गोपालगंज स्थित घर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का बहाना बनाकर गई थी।

वो अपने साथ दो लाख रुपए कैश, 100 ग्राम सोने के आभूषण, लैपटॉप और फ्लैट के कागजात आदि लेकर निकली और दूसरी शादी रचा ली। इस घटना को लेकर उसने महुआ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मिली जानकारी के अनुसार, महुआ थाना क्षेत्र के माधोपुर निवासी रजनीश कुमार की शादी 23 जनवरी 2020 को पटना जिले के आलमगंज थाना क्षेत्र के एंग्लो इंडियन प्रेस क्वार्टर नंबर 03 निवासी ओमप्रकाश मिश्रा की पुत्री नेहा कुमारी के साथ महाराष्ट्र के भईंदर ठाणे में विशेष विवाह अधिनियम के तहत हुआ था।

दोनों का दांपत्य जीवन सुखमय बीत रहा था। इसी बीच 13 अप्रैल 2025 को उसकी पत्नी नेहा कुमारी उसके आवास से अपने बहनोई अतुल कुमार के गोपालगंज जिले के उचका गांव थाना क्षेत्र के साबे खास तुलसिया गांव स्थित घर पर जाने के लिए निकली थी।



बताया गया है कि वह पटना में फ्लाइट से उतरकर पहले अपने मायके गई। वहां से अपने माता-पिता, भाई एवं बहनोई के साथ अपने बहनोई के घर गई। वहीं, बहनोई के पड़ोसी रवि पांडेय से दूसरी शादी कर ली। इसकी जानकारी उसके पति को तब हुई जब उसकी पत्नी ने उससे संपर्क तोड़ लिया।

घर की तलाशी लेने पर पता चला कि नेहा कुमारी दो लाख रुपए नकद, 100 ग्राम सोने के आभूषण, लैपटॉप तथा फ्लैट का कागजात लेकर गई है। इस घटना को लेकर रजनीश कुमार ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी में नेहा कुमारी के अलावा, रजनीश ने सास इंदू मिश्रा, ससुर ओमप्रकाश मिश्रा, बहनोई अतुल कुमार, साले गोविंद बिहारी मिश्रा को आरोपित बनाया गया है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के सफल आयोजन को ले बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। बिहार सरकार के खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव बी. राजेंदर ने बिपार्ड गया सभागार में आयुक्त मगध प्रमंडल डॉ. सफीना एएन, उप विकास आयुक्त, नगर पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त सहित जिला स्तरीय पदाधिकारियों और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के सफल आयोजन को सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि यह आयोजन बिहार के लिए गर्व की बात है क्योंकि पहली बार राज्य में इस स्तर का खेल महाकुंभ हो रहा है।सरकार खिलाड़ियों, सपोर्टिंग स्टाफ, दर्शकों की सुविधा, सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन और पार्किंग व्यवस्था को लेकर हर संभव कदम उठा रही है।

बैठक में खिलाड़ियों के रहने, खाने-पीने, आवागमन की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। अपर मुख्य सचिव ने कैटरिंग मेनू को फिक्स रखने, भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। जिला परिवहन अधिकारी को पर्याप्त वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और खिलाड़ियों के भ्रमण के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने को कहा गया।



नगर पुलिस अधीक्षक को दर्शकों के लिए पार्किंग, ड्रॉप गेट और फ्रिस्किंग प्वाइंट चिह्नित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से बिहार और गया जिले की ब्रांडिंग होगी, जिसके लिए जिला प्रशासन व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहा है। बैठक में अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। बता दें कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 बिहार में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

शिक्षिका ने कोसी बराज में लगायी छलांग

जहानाबाद की थी रहने वाली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वीरपुर (सुपौल)। बसंतपुर प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय नुनिया टोला वार्ड-छह में कार्यरत 24 वर्षीय शिक्षिका पूजा कुमारी ने कोसी बराज के छह नंबर फाटक के अप स्ट्रीम में छलांग लगा दी। अब तक उसका पता नहीं चल पाया है। घटना की जानकारी मिलते ही नेपाल प्रशासन की ओर से गोताखोरों की टीम ने बचाव अभियान शुरू किया।

मूल रूप से जहानाबाद जिले के कुकरी-दिगहा वार्ड-एक की रहने वाली पूजा कुमारी अपने पति संदीप कुमार और दो बच्चों साढ़े तीन वर्षीया बेटी श्रुति कुमारी एवं ढाई वर्षीय बेटे अर्पित राज के साथ वीरपुर नगर पंचायत के वार्ड-नौ में किराए के मकान में रहती थी।

उन्होंने नवंबर 2023 में बसंतपुर प्रखंड में बतौर शिक्षिका ज्वाइन किया था। उनकी बहाली टीआरई-1 परीक्षा के माध्यम से हुई थी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार के अनुसार मंगलवार की सुबह पूजा समय पर स्कूल पहुंची थीं।

उन्होंने बताया कि लगभग 10 बजे उन्होंने अपने साथ लाया हुआ नाश्ता किया। इसके बाद पर्स और स्कूटी का हेलमेट स्कूल में ही छोड़ दिया और अचानक विद्यालय से चली गईं। जब काफी देर तक वह नहीं लौटीं तो स्टाफ ने उनके मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन नंबर बंद मिला। इसी बीच दोपहर 12 बजे पूजा के पति संदीप कुमार ने स्कूल में फोन कर जानकारी दी कि आत्महत्या करने के लिए पूजा ने कोसी बराज से छलांग लगा दी है। घटना की सूचना मिलते ही विद्यालय परिसर में शोक की लहर दौड़ गई।

प्रधानाध्यापक ने कहा कि पूजा को एक मिलनसार और जिम्मेदार शिक्षिका के रूप में जाना जाता था। वहीं, उसके पति संदीप कुमार ने बताया कि हमलोग दो साल से वीरपुर में रह रहे थे। पत्नी स्कूल जाती थी तो हम बच्चों को संभालते थे। अचानक 12 बजे हमें सूचना मिली कि पूजा कोसी बराज से कूद गई, अभी तक लापता है। खोजबीन जारी है।

आज मिलेगा ट्रेनों का तोहफा

हाजीपुर। मधुबनी से गुरुवार को प्रधानमंत्री बिहार को वंदे भारत, अमृत भारत, नमो भारत रैपिड रेल देंगे। इस तीन नई त्रिवेणी रेलगाड़ियां का परिचालन बिहार से होने वाला है।

यहां पहले से ही कई वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन किया जा रहा है, जबकि एक अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन दरभंगा व आनंद विहार टर्मिनल के बीच वाया अयोध्या पहले से किया जा रहा है।

बिना लाइसेंस के ही बालू घाटों पर चल रहा धर्मकांटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में इन दिनों बालू घाट ठेकेदारों की मनमानी काफी बढ़ गई है। जिले में अवैध ढंग से नियमों को दरकिनार कर वे बालू घाटों का संचालन कर रहे हैं। ताजा मामला मापतौल विभाग से जुड़ा हुआ है। जिले में लगभग 43 बालू घाट से बालू का खनन हो रहा है, जिन पर लगभग 80 से लेकर 120 धर्मकांटा लगे हुए हैं।

कई बालू घाटों पर दो तो कई बालू घाटों पर दो से लेकर 4-5 तक धर्मकांटा लगे हुए हैं। बालू का वजन करने के लिए धर्मकांटा लगा है यह तो खनन के नियमानुसार सही है, परंतु धर्मकांटा लगाने का लाइसेंस और इसकी जांच पड़ताल करने की जिम्मेदारी मापतौल विभाग की है।

जिले में 43 बालू घाटों में से 29 बालू घाटों के ठेकेदारों ने मापतौल विभाग से लाइसेंस ले लिया है, परंतु 14 बालू घाटों ने अब तक मापतौल विभाग से धर्मकांटा का लाइसेंस नहीं लिया है। इसका लाइसेंस नहीं लेने से एक तरफ जहां मापतौल विभाग को राजस्व नहीं मिल रहा है। वहीं, दूसरी तरफ मशीन की सही ढंग से जांच नहीं होने के कारण ज्यादा मात्रा में बालू का परिवहन हो रहा है।

इन दोनों विकट स्थितियों के कारण मापतौल और खनन विभाग को प्रतिमाह लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। ऐसा नहीं है कि मापतौल विभाग ने इसके लिए प्रयास नहीं किया, परंतु इसके बाद भी मनमाने ढंग से बालू घाट चला रहे ठेकेदारों के द्वारा अब तक लाइसेंस नहीं लिया गया है।

इस संबंध में मापतौल विभाग के इंस्पेक्टर सुबोध कुमार ने बताया कि हाल के दिनों में खनन विभाग को एक बार फिर से पत्र भेज कर सभी से लाइसेंस बनवाने के लिए नोटिस भेजा गया है। ऐसा नहीं करने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भोजपुर जिले में इन दिनों 43 बालू घाट संचालित हैं। इनमें से 29 बालू घाट ठेकेदार के द्वारा लाइसेंस लिया गया है उनमें नौ ए, नौ बी, 11ए, 11बी, 12, 14ए व बी, 15बी, 18ए, बी व सी, 24ए व बी, 25 ए, बी और सी, 26ए, 32ए व बी, 34सी व डी, 36ए, 38ए, बी, सी व डी, 41ए और 43 बी समेत 29 घाट शामिल है।

130 करोड़ से होगा रेलवे लाइन का दोहरीकरण

सीतामढ़ी। नरकटियागंज-दरभंगा वाया सीतामढ़ी तथा सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर वाया रूनी सैदपुर 255.5 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन के दोहरीकरण के लिए 130 करोड़ की राशि की स्वीकृति हुई है। वर्ष 2020 में रेलवे बोर्ड से नरकटियागंज-दरभंगा वाया सीतामढ़ी तथा सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर 255.5 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन की दोहरीकरण की मंजूरी मिली थी।

मंजूरी के तकरीबन चार साल, दो माह 14 दिन के बाद यानी चार माह पूर्व विभाग द्वारा डीपीआर तैयार कर मंजूरी को लेकर रेलवे बोर्ड को भेजा गया था। संबंधित विभाग से अभी तक उक्त डीपीआर स्वीकृत नहीं होने के कारण दोहरीकरण का काम ठंडे बस्ते में पड़ा था। रेल सूत्रों की मानें तो नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, दरभंगा व सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर 255.5 किलोमीटर रेल दोहरीकरण का काम गतवर्ष के नवंबर या दिसंबर माह से युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया जाएगा, जो आगामी 2029 में पूरा कर लिया जाएगा।

पहलगाम घटना को लेकर बिहार के लोगों में आक्रोश

मुस्लिम समुदाय ने बताया कायराना हमला, जताया विरोध

आक्रोशित लोगों ने सरकार से की आतंक के सफाए की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम जिले में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरे देश में जहां आक्रोश है, वहीं बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मुस्लिम समुदाय ने इस कायराना हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे लेकर भारत सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों ने कर्बला चौक के पास इकट्ठा होकर विरोध प्रदर्शन किया और आतंकियों को तुरंत सजा देने की मांग की। साथ ही सरकार से एक बार फिर सर्जिकल स्ट्राइक करने की भी पुरजोर अपील की।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि यह हमला सिर्फ एक समुदाय या राज्य पर नहीं, बल्कि पूरे भारत पर हमला है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर निर्दोष लोगों की हत्या करना बेहद शर्मनाक और अमानवीय कृत्य है। आतंकी जिस तरह से पूछ-पूछ कर लोगों को गोली मार रहे हैं, यह इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना है। लोगों ने इसे कायरता की हद बताया और कहा कि अब चुप बैठने का समय नहीं है।

मोहम्मद गुड्डू ने इस घटना को लेकर कहा कि यह हमला बेहद दुखद है और इससे पूरे देश का मन आहत हुआ है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक करे। अगर जरूरत पड़े तो पाकिस्तान में घुसकर भी आतंकियों को मारा जाए। उन्होंने भारत सरकार की इंटेलिजेंस व्यवस्था पर भी सवाल उठाए और कहा कि ऐसी घटनाएं तब होती हैं जब सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट नहीं होतीं।

प्रदर्शन में शामिल मोहम्मद अरशद ने कहा कि सरकार अगर आतंकियों को पकड़कर हमारे हवाले कर दे, तो हम चौराहे पर सजा देंगे। उन्होंने कहा कि देश का हर मुसलमान आज इस दुख की घड़ी में सरकार के साथ है। भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और उसकी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

मोहम्मद इफ्तिखार उर्फ गुड लक ने कहा कि जिस प्रकार पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में घुसकर एयर स्ट्राइक किया था, उसी तरह अब फिर समय आ गया है कि सरकार दुश्मनों के घर में घुसकर उन्हें नेस्तनाबूद करे। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूरा मुसलमान समाज देश और सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि अब देश को और धैर्य नहीं रखना चाहिए। भारत सरकार को चाहिए कि आतंक के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करे और कश्मीर में शांति बहाल करे। लोगों ने कहा कि सिर्फ बयानबाजी नहीं, अब ठोस कदम उठाए जाएं ताकि आने वाले समय में कोई और मासूम आतंकी गोलियों का शिकार न हो।

पहलगाम घटना को लेकर भारत-नेपाल बॉर्डर पर अलर्ट जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोतिहारी। भारत-नेपाल बॉर्डर पर अलर्ट जारी किया गया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। आने जाने वाले सभी वाहनों का जांच किया जा रहा है। माना जा रहा है कि यह अलर्ट पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 24 अप्रैल को बिहार के मधुबनी में प्रधानमंत्री की रैली को देखते हुए किया जा रहा है।दरअसल, पहलगाम अटैक के बाद बिहार में अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। एक-एक गाड़ी की जांच की जा रही है। आपको बता दें कि जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद भारत-नेपाल सीमा पर भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। हर आने-जाने वाले व्यक्ति की गहन जांच की जा रही है। एसएसबी के जवान पूरी मुस्तैदी के साथ बॉर्डर पर चौकसी बरत रहे हैं और भारत में आने वाले और नेपाल जाने वाले लोगों की सख्ती से जांच की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए इस आतंकवादी हमले के बाद सभी सीमावर्ती इलाकों को अलर्ट पर रखा गया है।

प्रधानमंत्री करेंगे अत्याधुनिक एलपीजी प्लांट का शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



पटना/दरभंगा। क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने और निरंतर विकास को प्रोत्साहित करने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बिहार के गोपालगंज जिले के हथुआ में 24 अप्रैल को रेल अनलोडिंग सुविधा से सुसज्जित अत्याधुनिक एलपीजी प्लांट का शिलान्यास किया जाएगा। उक्त बातें गेहुमी स्थित बीपीसीएल गैस क्षेत्र कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के डिप्टी डायरेक्टर जनरल डी के ओझा ने कही। इस अवसर पर बीपीसीएल के कार्यकारी निदेशक एस अब्बास अख्तर व बीपीसीएल के डीजीएम सौरव जैन ने भी प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने इस परियोजना की मुख्य विशेषताएं बताते हुए कहा कि 340.15 करोड़ की लागत से विकसित होने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना को 31 मार्च, 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अत्याधुनिक एलपीजी बॉटलिंग प्लांट प्रतिवर्ष 180 हजार मीट्रिक टन (टीएमटीपीए) की क्षमता से सुसज्जित होगा। इस अत्याधुनिक अवसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) से युक्त प्लांट में एलपीजी की बेहतर प्राप्ति एवं भंडारण के लिए रेलवे अनलोडिंग साइडिंग, सुरक्षित भंडारण हेतु माउंडेड स्टोरेज वेसल (एमएसवी) तथा सुव्यवस्थित संचालन के लिए 2 गुणा 24 स्टेशन इलेक्ट्रॉनिक कैरोसेल जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह परियोजना उत्तर-पश्चिम बिहार एवं उत्तर-मध्य बिहार में एलपीजी की बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम होगी। इस परियोजना के निर्माण चरण के दौरान अनुमानित 1.2 लाख मानव-दिवस रोजगार के सृजन की संभावना है। परियोजना के पूर्ण होने पर, यह विश्वसनीय और बेहतर एलपीजी आपूर्ति के माध्यम से स्थानीय आबादी की जीवन गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी। भारत की अटूट विकास यात्रा की प्रतिबद्धता के अनुरूप, यह परियोजना क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति के साथ-साथ सड़क परिवहन से संबंधित कार्बन उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही, वाष्प पुर्नप्राप्ति प्रक्रिया (वेपर रिकवरी प्रोसेस) के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन को घटाएगी और सालाना लगभग 11,000 मीट्रिक टन सीओ 2 ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाएगी, जो लगभग 5 लाख पेड़ लगाने के प्रभाव के बराबर है। यह अत्याधुनिक प्लांट, घरेलू और व्यावसायिक उपयोग के लिए महत्वपूर्ण ईंधन के रूप में एलपीजी की विश्वसनीय और निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करके क्षेत्र में ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा।

धर्म पूछ कर की गई हत्या, मिलेगा मुंहतोड़ जवाब : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरे देश में आक्रोश की लहर है। बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्य सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने इस हमले पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए इसे ''अत्यंत दुखद एवं शर्मनाक'' बताया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह हृदय विदारक हमला मानवता पर सीधा प्रहार है और इसकी जितनी निंदा की जाए, वह कम है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, यह कहने वाले अब कान खोलकर सुन लें – पहलगाम में आतंकियों ने धर्म पूछ कर हत्याएं की हैं। यह किसी भी सभ्य समाज के लिए असहनीय है। उन्होंने कहा कि इस अमानवीय घटना में मारे गए 26 निर्दोष पर्यटकों की मौत पर पूरा देश शोकग्रस्त है। भारत सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। मंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि घायल यात्रियों को जल्द से जल्द स्वस्थ लाभ मिले। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि भारत अब चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो आतंकी इस घटना के पीछे हैं, उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि कि हमारे सुरक्षाबल चुन-चुन कर बदला लेंगे। आतंकियों के आकाओं को भी सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से बड़ा अंजाम भुगतना होगा। हालिया जातिगत जनगणना को लेकर चल रही बहस पर कटाक्ष करते हुए डॉ. कुमार ने कहा, ''जाति की बात करने वालों को अब समझ लेना चाहिए कि पहलगाम में ना कोई जाति पूछी गई, ना कोई राज्य। केवल धर्म के नाम पर यह घृणित कुकृत्य किया गया है। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता को खंडित करने की यह साजिश नाकाम होगी। भारत सरकार, सुरक्षाबल और देश की जनता मिलकर आतंकवादियों को करारा जवाब देंगे। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह समय राजनीति का नहीं, बल्कि पीड़ितों के साथ खड़े होने का है। उन्होंने कहा, ''देश इस दुख की घड़ी में एकजुट है। हमलावरों को उनके नापाक इरादों का ऐसा जवाब मिलेगा, जिसे वे कभी भूल नहीं पाएंगे।

पहलगाम के हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा : मंगल पाण्डेय

पटना(नबिटा ब्यूरो)। स्वास्थ्य व विधि मंत्री मंगल पाण्डेय ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम के बैसरन में मंगलवार को हुए आतंकी हमले पर गहरा रोष जताते हुए कहा कि आतंकियों के इस कायराना करतूत से पूरा देश गुस्से में है। हमलावरों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। श्री पाण्डेय ने कहा कि पाकिस्तान समर्थित-संरक्षित आतंकवादियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया, जिसमें 27 लोगों की मौत हो गई है। जिस बर्बरता से बेगुनाह पर्यटकों की जान ली गई है, वह घोर निंदनीय व शर्मनाक है। इस दिल दहलाने वाले आतंकी हमले के बाद पूरे देश मे गुस्सा व आक्रोश का माहौल है। देश के लोगों की भावना है कि आतंकियों व उनके हैंडलर को किसी भी कीमत में बख्शा नहीं जाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर भी इस घटना की तीव्र भर्त्सना हो रही है। आतंकियों के इस कायराना हरकत का भारत जरूर पूरी सख्ती से जवाब देगा। श्री पांडेय ने कहा कि आतंकवादियों ने पर्यटकों का नाम व धर्म पूछा और फिर करीब से गोली मार दी। आतंकियों ने करीब 20 से 25 मिनट तक खूनी खेल खेला और जंगल की ओर भाग गए। भारत के लोग इस घटना के विरोध में अपनी एकजुटता दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार आतंकियों को करारा जवाब देने के लिए कृत संकल्पित है।

ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन की दिशा में उठाये गये महत्वपूर्ण कदम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। दानापुर मंडल हमेशा अपने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखती है। इसको सुनिश्चित करने के लिए कई प्रकार के कार्य एक साथ चलते रहते हैं। इन्हीं में से कई स्टेशनों पर बना लूप लाइन भी विभिन्न सुरक्षात्मक पहलुओं में से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लूप लाइन स्टेशनों पर मुख्य या मेन लाइन के समानान्तर बना एक या एक से अधिक अतिरिक्त लाइन होता है। इनका उपयोग ट्रेनों के सुगम एवं सुरक्षित परिचालन के लिए किया जाता है। इन लूप लाइनों का उपयोग एक साथ कई ट्रेनों के आवागमन में सुरक्षित सामंजस्य स्थापित करने में किया जाता है। सुरक्षित परिचालन हेतु दानापुर मंडल के द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-2025 में लूप लाइन के बेहतर रख-रखाव एवं अपग्रेडेशन के लिए मंडल के 529 टर्नआउट (प्वाइंट एंड क्रॉसिंग) का निरीक्षण किया गया एवं इनमें जो भी कमी पाई गई उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया गया। वहीं 84 टर्नआउट (प्वाइंट एंड क्रॉसिंग) को यूनिमेट मशीन द्वारा टेंपिंग करने के साथ 04 लूप लाइनों के स्लीपर को पूरी तरीके से बदल दिया गया। इसी प्रकार 08 लूप लाइनों की गहरी छनाई एवं 25 लूप लाइनों की सतही छनाई की गई। दानापुर रेल मंडल सदैव अपने यात्रियों की सुविधा के साथ-साथ उनकी सुरक्षा और संरक्षा का भी ध्यान रखता है।

बिहार कांग्रेस ने मनाया बाबू कुंवर सिंह का विजयोत्सव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



पटना। देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अग्रिम योद्धा बाबू कुंवर सिंह का 168 वां विजयोत्सव बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में मनाया गया। इस अवसर पर बाबू कुंवर सिंह के तैल चित्र पर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम सहित वरिष्ठ नेताओं ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने मौके पर कहा कि वीर कुंवर सिंह 80 वर्ष की अवस्था में 23 अप्रैल, 1857 को ब्रिटिश सेना को हराकर जगदीशपुर के किले एवं आरा शहर में अपना झंडा फहराया था। अदम्य साहस और वीरता के प्रतीक बाबू कुंवर सिंह का जीवन हम सबके लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि वीर कुंवर सिंह अद्वितीय शौर्य एवं साहस के साथ ब्रिटिश सेना से लड़े। वे साम्प्रदायिक एकता के बड़े हिमायती थे जहां उन्होंने शिव मंदिर बनाये वहीं उन्होंने अपने राज्य में मस्जिद भी बनवाये तथा पीर-फकीरों को दान भी दिये। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि हम गौरवान्वित है कि बाबू कुंवर सिंह हमारे बिहार के सपूत थे और उन्होंने अपने साहस से अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। कृतज्ञ राष्ट्र वीर कुंवर सिंह के योगदान को स्मरण कर उनकी स्मृति को शत-शत नमन करता है। साथ ही उनके जीवन से प्रेरित होकर समाज के लिए काम करने की ताकत मिलती है। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा ने कहा कि बाबू कुंवर सिंह ने इस क्षेत्र में अंग्रेजों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी थी और देश के पहले स्वाधीनता संग्राम का इस इलाके में नेतृत्व किया था। बाबू कुंवर सिंह की वीरता के प्रमाण आज भी कई किवदंतियों और लोकगीतों में सुनने को हमें मिलती है। इस अवसर पर नेशनल मीडिया कॉर्डिनेटर अभय दूबे, मोती लाल शर्मा, कृपानाथ पाठक, डा. समीर कुमार सिंह, प्रेमचंद्र मिश्रा, राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, जमाल अहमद भल्लू ,अजय चौधरी, ब्रजेश पाण्डेय, सरवत जहां फातिमा, मंजीत आनन्द साहू, डॉ अजय कुमार सिंह सहित कई अन्य नेता मौजूद थे।

एक नजर

खेलो इंडिया यूथ गेम्स की कड़ी तैयारी : बी. राजेंदर

पटना(नबिटा ब्यूरो)। खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव बी. राजेंदर ने बिपार्ड गया के सभागार में मगध प्रमंडल की आयुक्त डॉ. सफ़ीना ए. एन., उप विकास आयुक्त, नगर पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त सहित जिला स्तरीय पदाधिकारियों और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के सफल आयोजन को सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि यह आयोजन बिहार के लिए गर्व की बात है क्योंकि पहली बार राज्य में इस स्तर का खेल महाकुंभ हो रहा है। सरकार खिलाड़ियों, सपोर्टिंग स्टाफ, दर्शकों की सुविधा, सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन और पार्किंग व्यवस्था को लेकर हर संभव कदम उठा रही है। बैठक में खिलाड़ियों के रहने, खाने-पीने, आवागमन की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। अपर मुख्य सचिव ने कैटरिंग मेनू को फिक्स रखने, भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिया। जिला परिवहन अधिकारी को पर्याप्त वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और खिलाड़ियों के भ्रमण के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने को कहा गया। नगर पुलिस अधीक्षक को दर्शकों के लिए पार्किंग, ड्रॉप गेट और फ्रिस्किंग पॉइंट चिन्हित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से बिहार और गया जिले की ब्रांडिंग होगी, जिसके लिए जिला प्रशासन व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहा है। बैठक में अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 बिहार में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

अन्तर्जालीय संस्कृत सम्भाषण शिविर संपन्न

पटना(नबिटा ब्यूरो)। सर्वत्र संस्कृतम एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज, पटना की संयुक्त प्रस्तुति 'आधुनिको भव संस्कृतं वद' अभियान के अन्तर्गत आयोजित वीर कुंवर सिंह स्मृति अन्तर्जालीय दशदिवसात्मक संस्कृत सम्भाषण शिविर का समापन समारोह अत्यन्त गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता डॉ. मुकेश कुमार ओझा ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि वीरता, त्याग एवं मातृभूमि के प्रति समर्पण का अप्रतिम प्रतीक थे वीर बाबू कुँवर सिंह। उनके अद्वितीय योगदान की स्मृति में यह शिविर केवल भाषिक नहीं, अपितु राष्ट्रभक्ति का एक आयोजन भी रहा। उद्घाटनकर्ता के रूप में उपस्थित डॉ. अनिल कुमार सिंह ने वीर कुँवर सिंह के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप वक्तव्य देते हुए कहा कि संस्कृत संवाद के माध्यम से उनके आदर्शों का अनुकरण आज की पीढ़ी को एक नई दिशा प्रदान करेगा। इस सुबह अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. मिथिलेश झा, मुख्य वक्ता डॉ. शशिकांत तिवारी, विशिष्ट अतिथियों में शामिल रहे। वरिष्ठ संस्कृत प्रचारक डॉ. अनिल कुमार चौबे के गीतों से वातावरण संगीतमय हो गया। डॉ अवन्तिका कुमारी, सदानंद प्रसाद आदि ने भी अपने प्रेरणादायक विचार दिए। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण एवं प्रेरक वक्तव्य से हुआ, जिसे उग्र नारायण झा ने प्रस्तुत किया। स्वागत भाषण डॉ. लीना चौहान ने दिया। मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन पिन्टू कुमार ने कुशलता पूर्वक किया।

राष्ट्रीय अति पिछड़ा वर्ग महासभा की बैठक 26 को

पटना(नबिटा ब्यूरो)। राष्ट्रीय अति पिछड़ा वर्ग महासभा की महत्वपूर्ण बैठक आगामी 26 अप्रैल को पटना में आयोजित की जाएगी। यह बैठक पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक तीन सर्कुलर रोड स्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार के सरकारी आवास पर संपन्न होगी। बैठक में संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री रणविजय रोशन की ओर से देशभर के सभी जिलों से अतिपिछड़ा समाज के प्रमुख नेतृत्वकर्ता साथियों से अपील की गई है कि वे अपने-अपने जिलों से पांच प्रतिनिधियों के साथ इस बैठक में अनिवार्य रूप से भाग लें। बैठक का एजेंडा व्यापक और दूरदर्शी बताया जा रहा है। इसमें मुख्य रूप से संगठन के भीतर उत्तरदायित्व का समुचित बंटवारा, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, सहकारिता के अंतर्गत अलग-अलग समूहों के गठन और विभागीय निबंधन, रोजगार के अवसरों की पहचान और उस तक पहुँच सुनिश्चित करने की रणनीति, साथ ही समाज के हक और अधिकारों के संरक्षण एवं राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विमर्श किया जाएगा। रणविजय रोशन ने बताया कि यह बैठक संगठनात्मक सुदृढ़ता और अतिपिछड़ा समाज के समग्र सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी। उन्होंने कहा कि '' समय है जब समाज को संगठित रूप से अपने अधिकारों के लिए आगे आना होगा। बैठक में लिए गए निर्णय आगामी दिशा तय करेंगे। इस बैठक को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

विजयोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम नीतीश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



पटना। बहुराज्यीय सहकारी भूमि विकास बैंक सीमित के परिसर में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के महान योद्धा बाबू वीर कुँवर सिंह की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी एवं विधान पार्षद संजय सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रहीं। बैंक के प्रशासनिक भवन में जयंती / विजयोत्सव समारोह भूमि विकास बैंक की अध्यक्ष ममता सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सहकारी आवास बोर्ड/संघ, नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं विधान पार्षद विजय कुमार सिंह की उपस्थिति रही। विजयोत्सव कार्यक्रम में बैंक के निदेशक दिनेश सिंह, राजेश कुमार सिंह, भरत भूषण सिंह, सुनिल कुमार सिंह, त्रिवेणी सिंह, शम्भु प्रसाद सिंह, महेन्द्र प्रसाद यादव एवं अन्य शामिल हुए। बैंक के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया, हजारों की संख्या में कार्यक्रम में लोग उपस्थित थे। बाबू वीर कुँवर सिंह की जयंती/विजयोत्सव समारोह पर बैंक परिसर को बहुत ही अच्छे तरीके से सजाया गया था। भागलपुर एवं बांका जिला के जद (यू) के जिलाध्यक्ष एवं सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कार्यक्रम में भाग लिये।

आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करे केंद्र सरकार : लालू प्रसाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पहलगाम में निर्दोष व निहत्थे पर्यटकों पर बर्बर आतंकी कार्रवाई से पूरा देश आहत

पटना। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर बिहार के तमाम दलों के नेताओं ने शोक जताया है। इसी क्रम में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए ना सिर्फ शोक जताया बल्कि केंद्र सरकार से आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि पहलगाम में निर्दोष और निहत्थे पर्यटकों पर बर्बर आतंकी कारवाई से पूरा देश आहत है। ईश्वर से करबद्ध प्रार्थना है कि दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिजनों को संबल दे। उन्होंने आगे लिखा है कि केंद्र सरकार से आग्रह करूंगा कि त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सख्त संदेश दें ताकि भविष्य में किसी भी भारतीय नागरिक की जान बर्बर हिंसा की भेंट न चढ़े। वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने घटना पर एक्स के जरिए कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले से स्तब्ध और व्यथित हूं। निर्दोष लोगों पर इस तरह के क्रूर हमला कर जान लेना कहीं से मानवता नहीं है। इस अति पीड़ादायक, दुखद, अंधकारमय और विकराल समय में हम सभी भारतीय एकजुटता के साथ पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए खड़े हैं। तेजस्वी ने कहा कि कोई भी शब्द आपके दर्द को कम नहीं कर सकता लेकिन हमारे विचार, प्रार्थनाए और संबल आपके साथ हैं। हमारे समाज में हिंसा और आतंकवाद का कोई स्थान नहीं है। इस जघन्य अपराध और बर्बर हिंसा के जिम्मेवार आतंकी संगठनों और आतंकियों को उनके कुकृत्यों के लिए कानून की पूरी ताकत के साथ कठोर से कठोर सजा देनी चाहिए। मैं सरकार से स्पष्ट समय-सीमा के साथ एक तेज, पारदर्शी और गहन जांच करने का आह्वान करता हूं।

श्री कमलदह जी दिगम्बर जैन मंदिर में मानस्तम्भ वेदी शुद्धि एवं प्रतिमा विराजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



पटना। आज श्री कमलदह जी दिगम्बर जैन मंदिर में सम्पन्न हुआ पटना का पहला भव्य मानस्तम्भ वेदी शुद्धि एवं उस पर प्रतिमा विराजमान कार्यक्रम। यह जानकारी बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के मानद मंत्री पराग जैन ने देते हुए बताया कि आज प्रातः सैकड़ों की संख्या में जैन श्रद्धालुगण कमलदह दिगम्बर जैन मंदिर में मानस्तम्भ शुद्धि एवं उसपर प्रतिमा विराजमान कार्यक्रम हेतु इकट्ठा हुए। प्रारम्भ में श्रद्धालु महिलाओं द्वारा घट यात्रा निकाली गई। इसके बाद मानस्तम्भ शुद्धि कारण का पूरा आयोजन बाल ब्रह्मचारी साकेत भैया जी सोलापुर, महाराष्ट्र के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर दक्षिण भारतीय शैली में नवनिर्मित 21 फुट ऊँचे विशाल मानस्तम्भ की वेदी शुद्धि एवं प्रतिमा स्थापना विधिपूर्वक की गई। मौके पर बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के मानद मंत्री पराग जैन ने बताया कि प्रातः सात बजे भगवान का अभिषेक एवं शांति धारा किया गया। इसके बाद श्रद्धलुओं द्वारा यागमण्डल विधान किया गया। यागमण्डल विधान में बाद ध्वजारोहण चंदा जी काला द्वारा किया गया। मैनेजर सोनू जैन ने बताया कि भगवान का कमल सरला जैन एवं ईशान जैन, मधुलिका जैन, आरा एवं सुरेन्द्रजी जैन, महराजगंज द्वारा विराजमान किया गया। इसके अतिरिक्त मानस्तम्भ पर चार प्रतिमा विराजमान किया गया जो अनिल कु. जैन, रेखा जैन दिल्ली, अनन्याप्रिय जैन, लखनऊ एवं राजेन्द्र जैन सरावगी जयपुर निवासी द्वारा किया गया। पराग जैन ने जानकारी दी कि यह आयोजन परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद तथा परम पूज्य मुनि सुप्रभसागर जी महाराज (ससंघ) की दिव्य प्रेरणा से संपन्न हुआ। यह पूरा आयोजन बाल ब्रह्मचारी साकेत भैया सोलापुर, महाराष्ट्र के निर्देशन में किया गया। एम पी जैन ने बताया कि सम्पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के अंतर्गत श्री कमलदह जी दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र पटना द्वारा किया गया।

इएसआईसी ने जागरुकता सत्र का किया आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम बिहार क्षेत्र के कार्यालयों द्वारा इन दिनों आमजन तक योजना की जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से लगातार जागरूकता सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में ईएसआईसी औषधालय सह शाखा कार्यालय बिहारशरीफ एवं शाखा कार्यालय मोकामा द्वारा एन.टी.पी.सी. में बीमित कर्मचारियों को जानकारी दिया गया। जागरूकता सत्र में वहां कार्यरत कर्मचारियों को ईएसआईसी द्वारा प्रदान की जा रही सामाजिक सुरक्षा योजना से अवगत कराते हुए चिकित्सा और नकद हितलाभ को लेकर जागरूक किया गया। बीमारी की स्थिति में कैशलेस ईलाज प्राप्त कर पाने के माध्यमों व किसी दुर्घटना के कारण, बीमारी या मातृत्व अवकाश पर रहने की स्थिति में वेतन नुकसान के कारण ईएसआईसी द्वारा दी जाने वाली नकद हितलाभ के बारे में अवगत कराया गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक और अन्य कर्मी शामिल रहे। कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के प्रावधान वैसे संस्थान जहां 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हों उनपर लागू होता है और इसके अंतर्गत उन कर्मचारियों के परिवार के आश्रित सदस्यों के साथ पूर्ण चिकित्सा सुविधा तथा नकद हितलाभ प्रदान करते हुए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है।

गर्मी का असर: सुबह 6 बजे से ही खुलेंगी जू व नेचर सफारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बढ़ती गर्मी और लू की चेतावनी को देखते हुए राजगीर के जू सफारी और नेचर सफारी के समय में बदलाव किया गया है। यह नियम गुरुवार से लागू किया जाना है। ये दोनों पर्यटक स्थल अब सुबह छह बजे से दोपहर 2 बजे तक ही खुले रहेंगे। इस संबंध में डीएफओ राजकुमार एम और जू सफारी निदेशक राम सुंदर एम ने संयुक्त रूप से आदेश जारी कर जानकारी दी है। बिहार मौसम सेवा केंद्र की ओर से जारी मौसम बुलेटिन में राजगीर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया है। साथ ही, अगले कुछ दिनों तक तापमान सामान्य से अधिक रहने और दोपहर में लू चलने की संभावना जताई जा रही है। इस स्थिति को देखते हुए पर्यटकों और वन्य जीवों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले कुछ वर्षों की तरह इस बार भी समय में बदलाव कर गुरुवार से अगले आदेश तक पर्यटकों के लिए सुबह जल्दी भ्रमण की सुविधा दी जा रही है। पर्यटकों को जू सफारी और नेचर सफारी में प्रवेश की अंतिम समय सीमा दोपहर 12 बजे तक निर्धारित की गई है। साथ ही भ्रमण के दौरान पर्यटकों को गर्मी और लू से बचने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। राजगीर का जू सफारी देश के कुछ मॉर्डन सफारी स्थलों में से एक है और गर्मियों में यहां देश-विदेश से सैकड़ों पर्यटक पहुंचते हैं। समय में यह बदलाव पर्यटकों की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण के उद्देश्य से लिया गया है।

जगत के कल्याण में दें अपना योगदान : डॉ. सर्वेश्वर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहटा दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से लई रोड, बिहटा में 22-28 अप्रैल तक सात-दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा के दूसरे दिवस दिव्य गुरु आशुतोष महाराज जी के शिष्य डॉ. सर्वेश्वर जी ने समुद्र मंथन प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि जब समुद्र मंथन से हलाहल कालकूट विष निकला तो जगत के कल्याण के लिए भगवान शिव ने उसे अपने कण्ठ में धारण कर लिया जिसके कारण उनका एक नाम नीलकण्ठ भी पड़ गया। स्वामी जी ने कथा का मर्म समझाते हुए बताया कि शिव का नीलकण्ठ स्वरूप हमें त्याग व सहनशीलता का गुण अपने जीवन में धारण करने की प्रेरणा देता है। शिव भक्त होने के नाते हमारा भी ये कर्त्तव्य है कि हम भी विषपान करना सीखें। अर्थात निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर जगत के कल्याण में अपना योगदान दें। 'मैं' से 'हम' तक का सफर तय करें। लेकिन अफ़सोस, आज मानव तो अपने स्वार्थ के लिए दूसरों की पीठ में छुरा घोंपते हुए भी संकोच नहीं करता। इन्सान तो क्या, हमने तो बेज़ुबान पशु-पक्षियों को भी नहीं छोड़ा। जीभ के क्षणिक स्वाद के लिए आज रोज़ाना हज़ारों जीव काट दिए जाते हैं। आज दुनिया भर में लाखों बूचड़खाने खुल गए हैं, जिनमें नित नई आधुनिक मशीनों द्वारा कुछ मिनटों में ही लाखों जानवरों को मौत के घाट उतार दिया जाता है, वह भी बड़ी बेरहमी से। यूं तो हम महादेव के भक्त हैं परंतु शायद हम ये भूल जाते हैं कि महादेव का एक नाम पशुपतिनाथ भी है। अर्थात जो पशुओं के स्वामी हैं। स्वयं ही सोचिये पशुओं की हत्या कर क्या हम अपने पशुपतिनाथ को प्रसन्न कर पाएंगे? प्रभु का सच्चा भक्त ऐसा नहीं होता। वह तो परपीड़ा को समझ अपने क्षुद्र स्वार्थों का परित्याग कर देता है। उसके लिए तो सबसे श्रेष्ठ आसन है 'आश्वासन' जो वो दीन दुःखियों को देता है, सबसे उत्तम योग है 'सहयोग' जो वो यथाशक्ति प्राणीमात्र का करता है और सबसे लम्बी श्वास है 'विश्वास' जो वह रोती अखियों को प्रदान करता है। इसलिए आवश्यकता है अपने भीतर दया, प्रेम, त्याग व करुणा जैसे गुणों को विकसित करने की। और ये तब ही सम्भव है जब ब्रह्मज्ञान के माध्यम से हम नीलकण्ठ का दर्शन अपने घट में प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर कथा पंडाल में महाशिवरात्रि महोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें भक्तों ने नृत्य कर खूब आनंद प्राप्त किया।

तलाकशुदा पिता देगा बेटी की शादी और शिक्षा का खर्च : पटना हाईकोर्ट

पटना(नबिटा ब्यूरो)। बिहार की पटना हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि तलाकशुदा हिन्दू पिता को अपनी अविवाहित बेटी की शिक्षा और शादी पर होने वाले खर्च की जिम्मेदारी उठानी होगी, भले ही वह बेटी मां के साथ रह रही हो। यह आदेश जस्टिस पीबी बजनथ्री की खंडपीठ ने श्वेता कुमारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह अधिकार अविवाहित बेटी का वैधानिक हक है। कोर्ट ने पिता को निर्देश दिया कि वह चार महीने के भीतर अपनी बेटी के लिए बीस लाख रुपये की राशि जमा करे, जो उसकी शिक्षा और शादी के खर्च हेतु होगी। पति-पत्नी की शादी 8 जनवरी 2003 को हुई थी और दिसंबर 2004 में बेटी का जन्म हुआ। वर्ष 2011 में पति ने फैमिली कोर्ट, पटना में मानसिक प्रताड़ना और अलगाव के आधार पर तलाक की याचिका दायर की। 5 नवंबर 2022 को फैमिली कोर्ट ने तलाक की अनुमति दे दी। निचली अदालत के फैसले के खिलाफ श्वेता कुमारी ने पटना हाईकोर्ट में अपील दायर की। उन्होंने मांग की कि तलाकशुदा पिता उनकी अविवाहित बेटी की पढ़ाई और विवाह के लिए वित्तीय सहायता दे। कोर्ट ने सभी पक्षों की आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करने के बाद यह आदेश पारित किया। पटना हाईकोर्ट ने बक्सर केंद्रीय कारा के बर्खास्त सिपाही को भी बड़ी राहत दी। कोर्ट ने बर्खास्तगी आदेश को निरस्त करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को सेवा में बहाल किया जाए और उन्हें सभी लाभ दिए जाएं। यह आदेश जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल ने अनोज कुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिकाकर

संपादकीय

नौकरी की चिंता

पश्चिम बंगाल में करीब पच्चीस हजार शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक नियुक्तियों पर सर्वोच्च न्यायालय ने जैसी संवेदना के साथ विचार किया है, उसकी सराहना होनी चाहिए। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने इन नियुक्तियों को निरस्त कर दिया था। अब अगर नियुक्तियों को अगले आदेश तक के लिए फिर बहाल कर दिया गया है, तो इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यह है कि अदालत को बच्चों की पढ़ाई की चिंता है। खास तौर पर नौवीं-दसवीं और ग्यारहवीं-बारहवीं के छात्रों को पढ़ाने वाले शिक्षकों का बहुत टोटा हो जाता, क्योंकि निरस्त नियुक्तियों वाले शिक्षकों में इन कक्षाओं में पढ़ाने वाले ज्यादा हैं। अतः ताजा फैसला बिल्कुल सही है। शीर्ष अदालत के आदेश के बाद अपनी नौकरी गंवाने वाले बेदाग सहायक शिक्षक पढ़ाना जारी रख सकते हैं। ध्यान रहे, अदालत को नियुक्तियों में हुए घोटाले को लेकर तनिक भी शक नहीं है, घोटाला तो हुआ है और नई नियुक्तियां भी जरूर होंगी। अभी अदालत ने यही कहा है कि यह फैसला छात्रों के हित में लिया गया है। बेशक, अगर छात्रों के हित का ध्यान नहीं रखा जाता, तो पश्चिम बंगाल में लाखों छात्र-छात्राओं को पढ़ाई का नुकसान होता। यह फैसला छात्रों को भी सुकून पहुंचाएगा और योग्य शिक्षक भी कुछ समय तक अपनी नौकरी को लेकर आश्वस्त रहेंगे। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना व न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने मानवीयता के आधार पर छात्रों और शिक्षकों की प्रार्थना को स्वीकार किया है। अदालत के आदेश पर पश्चिम बंगाल सरकार को 31 मई तक नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करनी है और 31 दिसंबर तक प्रक्रिया को पूरा कर लेना है। वाकई, जो योग्य शिक्षक हैं, जो विगत आठ वर्ष से पढ़ा रहे हैं, उन्हें नौकरी से निकालना अमानवीय ही कहा जाएगा, लेकिन यह पश्चिम बंगाल सरकार की विफलता है कि वह योग्य और अयोग्य शिक्षकों के बीच अंतर करने में नाकाम रही। जो अयोग्य शिक्षक थे, उनके चलते योग्य शिक्षकों की भी नौकरी खतरे में है। अक्सर ऐसा होता है कि चंद अयोग्य लोग पूरी व्यवस्था पर दाग लगा देते हैं। अभी इस भर्ती घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है और जैसी सूचनाएं सामने आ रही हैं, उनसे कतई आश्चर्य नहीं होता। भर्ती में लगभग हर स्तर पर ईमानदारी का मखौल उड़ाया गया है। योग्य छात्रों को नियुक्त नहीं किया गया, जबकि अयोग्य छात्रों को सेवा का मौका मिल गया। योग्य शिक्षकों की यह शिकायत बिल्कुल जायज है कि उनकी दुर्दशा का कारण स्कूल सेवा आयोग की अक्षमता है। इस मामले में दोषियों को अवश्य दंड मिलना चाहिए। ऐसा न हो कि निर्दोष की नौकरी चली जाए और दोषियों की नौकरी आराम से चलती रहे। नियुक्तियों में किसी भी प्रकार की बेईमानी वास्तव में युवाओं के मनोबल को तोड़कर उन्हें भ्रष्ट आचरण की ओर धकेलती है। आज शायद ही कोई ऐसा राज्य है, जहां नियुक्तियों को लेकर विवाद न हो और भर्तियों की शिकायत अदालत तक न पहुंचती हो। भर्तियों में भ्रष्टाचार हमेशा से रहा है और भ्रष्ट अधिकारियों व नेताओं पर नकेल कसने में व्यवस्था एक हद तक नाकाम रही है। परीक्षाओं के डिजिटल दौर में ऐसी नाकामी को दूर कर पारदर्शिता सुनिश्चित होनी चाहिए। निगाह सीबीआई पर भी है, जो पश्चिम बंगाल के बेशर्म शिक्षक घोटाले की जांच कर रही है। सीबीआई शिक्षा में स्थायी सुधार के मकसद से दूध का दूध और पानी का पानी करे।

तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल के इस मामले में सरकार तो सीधे तौर पर कुछ नहीं कह रही है, लेकिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यसभा के सभापति भी हैं, ने तो सीधा सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट सुपर संसद की तरह काम न करे। हालांकि, उपराष्ट्रपति के इस तेवर पर भी विधि विशेषज्ञ दो खेमों में बंट गए हैं, एक इस पर आपत्ति जता रहा है तो दूसरा इसे 'साहसिक' बता रहा है। तो क्या अब संविधान के दो मूलभूत अंग न्यायपालिका और कार्यपालिका ही एक दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए हैं?

कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका- इस टकराव का अंजाम क्या होगा?

(अजय बोकिल)

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल में विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयको को सम्बन्धित राज्यपालों द्वारा अनंत काल तक रोक कर 'पॉकेट वीटो' करने की प्रवृत्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय खंडपीठ ने जो निर्णय दिया है, उससे विधायिका में भारी कसमसाहट है। सत्तापक्ष का मानना है कि यह कार्यपालिका के क्षेत्र में न्यायपालिका का अनावश्यक हस्तक्षेप है।

अदालतें कार्यपालिक प्रमुखों जैसे राष्ट्रपति और राज्यपालों को निर्देशित कैसे कर सकती हैं। दूसरी तरफ न्यायपालिका का मानना है कि यदि कार्यपालिक प्रमुख अपने संवैधानिक दायित्वों की व्याख्या मनमाने और सियासी गुणा भाग के हिसाब से करेंगे तो न्यायपालिका को न्यायदंड अपने हाथ में लेना ही पड़ेगा।

तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल के इस मामले में सरकार तो सीधे तौर पर कुछ नहीं कह रही है, लेकिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यसभा के सभापति भी हैं, ने तो सीधा सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट सुपर संसद की तरह काम न करे।

हालांकि, उपराष्ट्रपति के इस तेवर पर भी विधि विशेषज्ञ दो खेमों में बंट गए हैं, एक इस पर आपत्ति जता रहा है तो दूसरा इसे 'साहसिक' बता रहा है। तो क्या अब संविधान के दो मूलभूत अंग न्यायपालिका और कार्यपालिका ही एक दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए हैं? क्या यह स्थिति हमारे लोकतंत्र के लिए सुखकर है?

क्या इस सैद्धांतिक द्वंद्व का कोई सकारात्मक नतीजा निकलेगा या फिर एक दूसरे की मुश्कें कसने की पूर्वपीठिका तैयार की जा रही है? अगर ऐसा है तो यह लोकतंत्र के लिए घातक है। क्योंकि वैचारिक द्वंद्व होना अलग बात है और अधिकारों का अतिक्रमण और मर्यादा का सीमांकन की जिद होना दूसरी बात।

इस द्वंद्व कार्यपालिका, विधायिका से समर्थन चाहेगी, जो हो भी रहा है। क्योंकि स्वतंत्र और प्रभावी न्यायपालिका (जो आज खुद सवालों के घेरे में है) अक्सर कार्यपालिका के कान उमेठती रहती है और कभी कभार विधायिका को भी निर्देशित करती है।

सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल रवि के मामले में स्पष्ट फैसला देते हुए राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी की समय सीमा 3 माह तय कर दी। कोर्ट ने कहा कि यदि इस समयावधि में राज्यपाल विधेयक पर कोई फैसला नहीं लेते हैं तो उन्हें स्वतः कानून माना जाए।

लिहाजा तमिलनाडु में ऐसे 10 विधेयक बिना राज्यपाल के हस्ताक्षर के कानून बन चुके हैं। यह अभूतपूर्व स्थिति है। यही नहीं न्यायपालिका ने राज्यपालों के साथ साथ राष्ट्रपति द्वारा भी किसी विधेयक पर मंजूरी की समयावधि तीन माह तय कर दी।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे.बी.पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ द्वारा दिए गए इन फैसलों को एक वर्ग न्यायपालिका द्वारा अपनी मर्यादा के उल्लंघन के रूप में देख रहा है तो समाज का दूसरा वर्ग इसे न्यायपालिका की सक्रियता और निर्भीकता का प्रमाण मान रहा है। इस दूसरे वर्ग का मानना है कि अब लोकतंत्र बचने की आस केवल न्यायपालिका से ही है, क्योंकि बाकी दूसरी लोकतांत्रिक संस्थाओं ने सत्तातंत्र की दबंगई के आगे घुटने टेक दिए हैं।

जबकि, सत्तातंत्र जिसमें विधायिका के साथ साथ कार्यपालिका भी शामिल है, इसे अपने



अस्तित्व और वैधता पर न्यायपालिका का स्पष्ट अतिक्रमण मान रही है, जोकि पूरी तरह अस्वीकार्य है। सर्वोच्च अदालत से इस फैसले से सरकार विचलित है।

बताया जाता है कि वह जल्द ही इस फैसले पर सुधार याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करेगी। लेकिन यदि कोर्ट ने अपना फैसला कायम रखा तो क्या सरकार उसे खारिज करने क्या सरकार नया कानून संसद से पास कराएगी?

यूं यह कानूनी और संवैधानिक बहस का मुद्दा है कि भारतीय लोकतंत्र के आधारभूत तत्वों की लक्ष्मण रेखाएं कहां तक हैं? कहां उनका अतिक्रमण होता है और कहां वो शीलभंग के दायरे में हैं? अगर ऐसा हो रहा है तो उसे कैसे रोका जाए? खास कर उस दौर में जहां न्यायपालिका भी संदेह के घेरे में हो, विधायिका और कार्यपालिका खुद को सर्वेसर्वा मानने लगे।

भारतीय संविधान मूल रूप से तीन पहियों की गाड़ी पर चलता है। ये हैं, विधायिका, जो देश के लिए कानून बनाती है, न्यायपालिका जो कानून की व्याख्या करती है और उसका पालन करवाने की समीक्षा करती है, और कार्यपालिका जिसका काम कानून पर अमल करवाना है। संविधान में ये तीनो अपने आप में स्वतंत्र लेकिन परस्पर जवाबदेह तथा एक दूसरे को संतुलित करने वाली सत्ताएं हैं।

न्यायपालिका से अपेक्षा नहीं है कि वह विधायिका की जगह ले ले या फिर कार्यपालिका ही किसी कानून की मनमानी व्याख्या करने लगे। कार्यपालिका, जिसके पास वास्तविक सत्ता और अधिकार होते हैं, वह विधायिका और न्यायपालिका दोनो के प्रति जवाबदेह है।

संविधान में राज्यपाल को राज्य का संरक्षक माना गया है। लेकिन हकीकत में ज्यादातर मामलों में राज्यपाल दिल्ली सरकार के एजेंट की तरह ही व्यवहार करते हैं और केन्द्र में सत्तारूढ़ दल के अजेंडे को प्राथमिकता से पूरा करने में पूरी ताकत लगा देते हैं। दिक्कत तब होती है, जब राज्य में विपक्षी पाटी की सरकार होती है। वहां राज्यपालों का व्यवहार राज्य के अभिभावक की तरह कम एक राजनीतिक अभिकर्ता के रूप में ज्यादा दिखाई पड़ता है।

विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को रोकना और रोकने का कारण भी न बताना संवैधानिक खामियों और राजनीतिक स्वार्थों की वजह भले गलत न लगे, लेकिन राज्यपाल की नीयत पर सवालिया निशान जरूर लगाता है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने 'अति सक्रियता' का परिचय देते हुए राज्य और देश के संवैधानिक प्रमुखों की जवाबदेही और समय सीमा तय कर दी। अर्थात यह काम राज्य प्रमुखों के विवेक पर नहीं छोड़ा जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा कि विधानसभा द्वारा पारित बिल के मामले में राज्यपाल अथवा राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो (पॉकेट वीटो) का अधिकार नहीं है। उनके फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है और बिल की संवैधानिकता का फैसला न्यायपालिका करेगी।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला नैतिक रूप से विपक्षी पार्टियों की जीत है, जिसको लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बिफरे हुए हैं। लिहाजा उन्होंने कुछ बुनियादी संवैधानिक सवाल उठाए हैं, जिनके उत्तर अपेक्षित हैं। उपराष्ट्रपति ने बिलों को मंजूरी देने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय सीमा तय करने के फैसले पर आपत्ति जताते हुए राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के कार्यक्रम में कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं।

उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को मिला विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24×7 उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। आज जज सुपर पार्लियामेंट की तरह काम कर रहे हैं। जबकि सभी को अपनी अपनी सीमा में रहकर काम करना चाहिए। लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार ही सबसे अहम होती है। सभी संस्थाओं को अपनी अपनी सीमाओं में रहकर काम करना चाहिए।

राष्ट्रपति ने न्यायपालिका द्वारा दूसरे के मामलों में दखल देने का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि खुद न्यायपालिका का अपने मामलो में आचरण क्या है? दिल्ली में जस्टिस यशंवत वर्मा के घर नकदी मिलने के बाद भी कोई एफआईआर नहीं हुई। क्यों? जबकि जस्टिस वर्मा के घर से जले हुए नोट बरामद हुए थे। ये किसके थे, कहां से आए, कौन और क्यों लाया, ये तमाम सवाल ऐसे हैं, जिनसे न्यायपालिका के भीतर कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को और खाद-पानी मिलता है। राष्ट्रपति ने कहा कि अगर जस्टिस की जगह यदि कोई सामान्य व्यक्ति होता तो उसके खिलाफ कई जांच एजेंसियां सक्रिय हो जातीं।

जाहिर है कि विधायिका को न्यायपालिका द्वारा उसकी हदें तय करने के फैसले ने विचलित कर दिया है। लेकिन विधायिका की भी कोई जवाबदेही न हो, यह भी उचित नहीं है। इस बात का जवाब अक्सर इस दलील से दिया जाता है कि जनप्रतिनिधियों को हर पांच साल में जनता के बीच जाकर परीक्षा देनी होती है, उसे पास करना होता है।

जबकि, न्यायपालिका को ऐसा कुछ नहीं करना पड़ता। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं है कि लोग अदालतों की न्यायदान प्रक्रिया और वास्तविक इंसाफ पर नजर नहीं रखते। सच्चा और निष्पक्ष न्याय हो, समय पर हो और न्याय होता हुआ दिखे भी यही न्यायपालिका की लोकतांत्रिक कसौटी है। लेकिन विधायिका और न्यायपालिका किसी गलती या कर्तव्यपालन में खामी के लिए एक दूसरे को न टोकें, यह भी सही नहीं है। क्योंकि दोनो संविधान और उसकी भावना की रक्षा करने की जिम्मेदारी समान रूप से दोनो की है।

उपराष्ट्रपति ने एक अहम सवाल सुप्रीम कोर्ट द्वारा देश की सर्वोच्च संस्था राष्ट्रपति को निर्देशित करने पर उठाया है। उन्होंने कहा कि अदालत राष्ट्रपति को एक तय समय सीमा में कोई काम करने के लिए कैसे निर्देशित कर सकती है? विधेयकों को राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी की प्रक्रिया तय है, लेकिन यह प्रक्रिया कितने समय में पूरी करना अनिवार्य है, ऐसा उल्लेख संविधान में कहीं नहीं है।

यही तर्क केरल के राज्यपाल राजेन्द्र आर्लेकर ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर हैरानी जताते हुए दिया था। मगर यहां सवाल केवल समय सीमा भर का नहीं है, बल्कि मंशा का है। यदि कोई बिल राज्यपाल के अधिकार कम करता हो तो भी राज्यपाल को संवैधानिक प्रक्रिया से ही काम करना होगा। क्योंकि उसे मंत्री परिषद की सलाह से ही काम करना है। अगर राज्यपाल की मंशा ऐसे किसी बिल को लटकाने की है तो राज्य सरकार और विधानसभा क्या करे?

संविधान अपनी संस्थाओं को विवेक से काम करने की आजादी तो देता है, लेकिन मनमर्जी और राजनीतिक दुराग्रह से काम करने की इजाजत नहीं देता। ऐसा नहीं है कि राज्यपालों का व्यवहार आज ही देखने में आ रहा है। पहले भी कुछ राज्यपालो का आचरण दिल्ली के सत्ताधीशों के सियासी हितों साधने से प्रेरित रहा है। इनके आचरण से राज्यपाल संस्था की गरिमा को बट्टा ही लगा। यह लेखक के निजी विचार हैं।

दुबई चॉकलेट हो रही फेमस, बढ़ा रही पिस्ता की भी कीमत

(रितिका कमठान)

पिस्ता ऐतिहासिक रूप से ईरान और उसके आसपास उगाया जाता रहा है। व्यापार के माध्यम से, वे दक्षिणी यूरोप और मध्य पूर्व के अन्य भागों में फैल गए, क्योंकि फसल को गर्म, शुष्क जलवायु की आवश्यकता होती है। आज, संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है, देश की 99 प्रतिशत खेती कैलिफोर्निया में केंद्रित है।

इन दिनों हर तरफ दुबई चॉकलेट जो पिस्ता से भरी हुई होती है सोशल मीडिया से लेकर दुकानों पर काफी वायरल हो रही है। इस चॉकलेट को खरीदने के लिए लोग दिवाने हो रहे है। इस चॉकलेट की कीमत भी लगातार बढ़ती जा रही है क्योंकि भारत में इसकी मांग बढ़ रही है।

लोग इस दुबई चॉकलेट के भारत में



दिवाने होते जा रहे है। बता दें कि दुबई चॉकलेट को सबसे पहले वर्ष 2022 में यूएई स्थित फिक्स डेसर्ट चॉकलेटियर द्वारा बेचा गया था। दुबई चॉकलेट मूल रूप से कुनाफा और पिस्ता से भरकर बनाई जाती है। इस चॉकलेट में हल्के हरे रंग की फिलिंग होती है जो इसे अन्य चॉकलेट से काफी अलग बनाती है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण इस चॉकलेट को बनाने में उपयोग होने वाली सामग्री की कीमत भी बढ़ी है। ये चॉकलेट जब से ट्रेंड में आई है तब से अब तक कई नकली उत्पाद भी सामने आए है। पिछले हफ्ते फ़ाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में व्यापारियों के हवाले से बताया गया कि एक पाउंड पिस्ता गिरी (छिलका निकालने के बाद प्राप्त) की कीमत अब 10.30 डॉलर (या 879 रुपये) प्रति पाउंड है, जबकि एक साल पहले यह 7.65 डॉलर (653 रुपये) थी। हालांकि, सिर्फ़ बढ़ती मांग के कारण ही नट्स की कीमतें नहीं बढ़ी हैं।

दुबई के फिक्स की संस्थापक सारा हमौदा ने 2021 में चॉकलेट बार बनाया था। उन्होंने इस चॉकलेट बार को 'कैन ट गेट कनाफेह ऑफ़ इट' नाम दिया। यह मध्य पूर्वी मिठाई कनाफेह या कुनाफा से प्रेरित था। इसे वर्मीसेली या कटी हुई पेस्ट्री शीट का उपयोग करके बनाया जाता है। इस चॉकलेट की स्टफिंग के अंगर मीठी क्रीम चीज़ भरी जाती है, ऊपर से चीनी की चाशनी और पिस्ता डाला जाता है। फिक्स चॉकलेट में पिस्ता क्रीम और अन्य कुनाफा-प्रेरित स्वाद शामिल हैं, जिसमें बार पर चमकीले पीले, नीले और हरे रंग के डिजाइन पेंट के धब्बों जैसे दिखते हैं।

हमूद और उनके पति येज़ेन एलन, मिस्र में जड़ें जमाए हुए यू.के. में पले-बढ़े और करीब एक दशक पहले यूएई चले गए। हमूदा ने बताया कि यह विचार उन्हें तब आया जब वह गर्भवती थीं और उन्हें एक खास स्वाद की तलब लगी। कई महीनों तक उनके ब्रांड की बिक्री सीमित रही। उन्होंने मारिया वेहेरा सहित सोशल मीडिया के प्रभावशाली लोगों को नमूने भेजे, जिनके दिसंबर 2023 के टिकटॉक वीडियो में उन्होंने चॉकलेट को आजमाया था, जिसे अब 120 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। हमौदा ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि उन्हें बाद में 30,000 से अधिक ऑर्डर मिले। चॉकलेट बार का विशिष्ट पिस्ता स्वाद, जो मध्य पूर्व के बाहर के व्यंजनों में दुर्लभ है, और कुरकुरे बनावट को इसके अनूठे विक्रय बिंदुओं के रूप में उजागर किया गया है।

2024 में, 'दुबई चॉकलेट' खाद्य और पेय पदार्थ रेसिपी श्रेणी में गूगल पर सबसे ज़्यादा खोजे जाने वाले शब्दों में से एक था। आज, ब्रांड सीमित बैचों में और विशेष रूप से यूएई में ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी डेलीवरू के ज़रिए हस्तनिर्मित उत्पाद जारी करता है। सीएनएन ने जून 2024 में बताया कि 200 ग्राम की चॉकलेट बार की खुदरा कीमत 20 (1,707 रुपये) है, डेलीवरू ने रोज़ाना शाम 5 बजे लगभग 500 इकाइयों की बिक्री शुरू की। हालांकि, बड़े और छोटे ब्रांड वैश्विक स्तर पर उभरे हैं और उच्च मांग को पूरा करने के लिए नकलें बनाई हैं। प्रीमियम स्विस चॉकलेट ब्रांड लिंड्ट ने कुछ सौ बार के साथ एक सीमित संस्करण बनाया, जो कथित तौर पर एक दिन में बिक गया। 10 (लगभग 1,100 रुपये) में, यह अन्य लिंड्ट बार की लागत से लगभग दोगुना था। यू.के. में कुछ दुकानों ने स्टॉक को बनाए रखने के लिए प्रति व्यक्ति बार की संख्या सीमित कर दी है।

संघर्ष और कारोबार के चलते भारत में बढ़ रही चीनी भाषा की प्रासंगिकता

बीते बीस अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र में चीनी भाषा दिवस मनाया गया। यूनेस्को के अनुसार दुनिया में सबसे ज्यादा लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा चीनी या मंदारिन ही है। इसे चीन के अलावा ताइवान, सिंगापुर, मलयेशिया, थाइलैंड, ब्रुनई, इंडोनेशिया और फिलीपिंस में भी इसका व्यवहार हो रहा है। मंदारिन को लेकर भाषा विज्ञानियों में मान्यता है कि यह कठिन भाषा है। हालांकि चीनी भाषाविदों ने इसे पिछली सदी के सत्तर के दशक से ही सहज बनाने की दिशा में बड़ा काम किया है। इसलिए यह पहले की तुलना में अब कहीं ज्यादा सहज हो गई है। इसलिए दुनियाभर में इसे सहज रूप से इसे स्वीकार भी किया जाने लगा है।

(उमेश चतुर्वेदी)

कई चीनी कंपनियां मशीनरी, बुनियादी ढांचे के निर्माण, आईटी और हार्डवेयर विनिर्माण, मोबाइल हैंडसेट, इलेक्ट्रॉनिक और बिजली क्षेत्र में ईपीसी परियोजनाओं में शामिल हैं। इसके साथ ही चीनी मोबाइल हैंडसेट कंपनियां ओप्पो, वीवो, श्याओमी, वन प्लस आदि भारतीय मोबाइल हैंडसेट बाजार के लगभग सत्तर फीसद हिस्से पर काबिज हैं।

बीते बीस अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र में चीनी भाषा दिवस मनाया गया। यूनेस्को के अनुसार दुनिया में सबसे ज्यादा लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा चीनी या मंदारिन ही है। इसे चीन के अलावा ताइवान, सिंगापुर, मलयेशिया, थाइलैंड, ब्रुनई, इंडोनेशिया और फिलीपिंस में भी इसका व्यवहार हो रहा है। मंदारिन को लेकर भाषा विज्ञानियों में मान्यता है कि यह कठिन भाषा है। हालांकि चीनी भाषाविदों ने इसे पिछली सदी के सत्तर के दशक से ही सहज बनाने की दिशा में बड़ा काम किया है। इसलिए यह पहले की तुलना में अब कहीं ज्यादा सहज हो गई है। इसलिए दुनियाभर में इसे सहज रूप से इसे स्वीकार भी किया जाने लगा है।

जहां तक भारत का सवाल है तो चीन के साथ सीमाओं पर जारी तनातनी के चलते चीनी भाषा की पढ़ाई और जानकारी के लिए भारत में भी क्रेज बढ़ रहा है। गलवान में भारत-चीनी सैनिकों के संघर्ष के बाद चीनी सीमा पर तैनात सैनिकों को चीनी भाषा की जानकारी और शिक्षा देने की कोशिशें हो रही हैं। बेशक भारत का सबसे नजदीकी पड़ोसी चीन है, लेकिन उसकी भाषा और हमारी भाषाओं के बीच संबंधों की कोई सहज कडी नजर नहीं आती। इसलिए इस भाषा को सीखना थोड़ा कठिन होता है। चीन की भाषा को मंदारिन कहते हैं और मंदारिन का शाब्दिक अर्थ ही होता है, कठिन। इसलिए इस भाषा को सीखने के लिए विशेष प्रयास की जरूरत पड़ती है।

मंदारिन में 21 व्यंजन और 16 स्वर होते हैं। इन ध्वनियों को मिलाकर लगभग 420 अलग-अलग शब्दांश बनाए जा सकते हैं। जहां तक मंदारिन में स्वरों की बात है तो इसमें चार स्वर होते हैं। ये चार स्वर - पहला स्वर, दूसरा स्वर, तीसरा स्वर, और चौथा स्वर ङ्क कहे जाते हैं। ये स्वर एक शब्दांश के उच्चारण में बदलाव करते हैं और अर्थ को बदल देते हैं। इसके अलावा, एक तटस्थ स्वर भी होता है, जिसे मंदारिन के भाषा विज्ञानी पाँचवाँ स्वर भी मानते हैं।

चीनी भाषा में, अक्षर को हांजी कहा जाता है। ये अक्षर, अंग्रेजी वर्णमाला या हिंदी वर्णमाला के अक्षरों की तरह नहीं हैं। प्रत्येक अक्षर एक शब्द या अर्थ के लिए एक प्रतीक है। चीनी भाषा में हज़ारों अक्षर हैं, लेकिन दैनिक उपयोग में छह हजार से लेकर आठ हजार अक्षरों का प्रयोग होता है। इतने स्वरों को याद रखना आसान नहीं है, इसीलिए मंदारिन को कठिन भाषा कहा जाता है।

भारत में कई संस्थान चीनी भाषा के डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहे हैं, लेकिन यहां के कई विश्वविद्यालयों मसलन दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, कुमार मंगलम विश्वविद्यालय, गुरूग्राम, पंजाब विश्वविद्यालय, विश्वभारती, जामिया मिलिया इस्लामिया, सिक्किम विश्वविद्यालय के साथ ही देहरादून के दून विश्वविद्यालय समेत कई विश्वविद्यालयों में चीनी भाषा की पढ़ाई होती है। लेकिन अब इसे चीनी सीमा से सटे राज्य उत्तराखंड के स्कूलों में भी पढ़ाया जाने लगा है। इसे



पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है। जिसके तहत उत्तराखंड राज्य के पंद्रह सरकारी स्कूलों के 11 वीं और बारहवीं कक्षा के करीब ढाई सौ बच्चों को चीनी भाषा पढ़ाई जा रही है। इस पहल का मकसद स्कूली छात्रों को मंदारिन भाषा से लैस करना है। इसकी बड़ी वजह यह है कि वैश्विक बाजार में चीन की हिस्सेदारी बढ़ती चली गई है। इतना ही नहीं, चीन आज विश्व की नंबर दो आर्थिक महाशक्ति हो चुका है। इस वजह से चीनी संस्कृति और भाषा के साथ ही आर्थिकी की ओर दुनिया हाथ बढ़ा रही है। इसके लिए चीनी भाषा के कुशल लोगों की वैश्वक स्तर पर जरूरत बढ़ रही है। चीन की कंपनियों और बाजार से संपर्क अंग्रेजी के जरिए भले ही हो जाए,लेकिन वहां की असल जरूरत और समस्या को उसी की भाषा में ही समझा और जाना जा सकता है। इसीलिए चीनी भाषा को लेकर दुनिया भर में उत्सुकता बढ़ी है। उत्तराखंड भी इसी वजह से अपने छात्रों को चीनी भाषा सिखा रहा है।

उत्तराखंड राज्य के पीएमश्री विद्यालयों में जारी इस परियोजना की नींव पौड़ी गढ़वाल के डीएम आशीष चौहान ने 2023 में रखी थी। बच्चों को मंदारिन पढ़ाने का विचार साल 2021 में तत्कालीन भारतीय सेनाओं के चीफ ऑफ स्टॉफ जनरल बिपिन रावत और दून विश्वविद्यालय की कुलपति सुरेखा डंगवाल के बीच चर्चा के बाद आया था। दून विश्वविद्यालय के चीनी अध्ययन विभाग के अध्यक्ष शैंकी चंद्रा के अनुसार, अभी यह परियोजना ऑनलाइन चलाई जा रही है, क्योंकि विश्वविद्यालय के पास अभी फिजिकल क्लास के लिए जरूरी संसाधनों की कमी है।

भारत और चीन कई अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से एक-दूसरे के सहयोगी है। भारत-चीन आर्थिक और वाणिज्यिक व्यापारिक संबंध कई प्लेटफार्मों के जरिए बन रहे हैं। आर्थिक संबंध, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर संयुक्त समूह, सामरिक आर्थिक वार्ता, चीन का विकास अनुसंधान केंद्र, भारत-चीन वित्तीय वार्ता और अन्य संस्थागत तंत्रों के जरिए भारत और चीन के बीच संवाद और कारोबारी-बौद्धिक रिश्ते हैं। इसके साथ ही दोनों देश अंतरराष्ट्रीय संगठन ब्रिक्स के सक्रिय साझेदार हैं। इतना ही नहीं, चीन की करीब 150 से अधिक कंपनियां भारत में कारोबार कर रही हैं। ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली और उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में दोनों देशों का कारोबार आसमान छू रहा है। कई चीनी कंपनियां मशीनरी, बुनियादी ढांचे के निर्माण, आईटी और हार्डवेयर विनिर्माण, मोबाइल हैंडसेट, इलेक्ट्रॉनिक और बिजली क्षेत्र में ईपीसी परियोजनाओं में शामिल हैं। इसके साथ ही चीनी मोबाइल हैंडसेट कंपनियां ओप्पो, वीवो, श्याओमी, वन प्लस आदि भारतीय मोबाइल हैंडसेट बाजार के लगभग सत्तर फीसद हिस्से पर काबिज हैं। इस वजह से भी चीनी भाषा की भारत में पूछ बढ़ रही है और वह जरूरत भी बनती जा रही है। चीन में सक्रिय भारतीय कंपनियों के लिए भी चीनी कंटेंट लेखकों और दुभाषियों की जरूरत बढ़ रही है। यही वजह है कि मंदारिन को लेकर भारत में भी जड़ता टूट रही है।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

विधायक के अनुज बसंत महतो ने परिजनों से मिलकर बंधाया ढांढस



टुण्डी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। टुण्डी विधानसभा क्षेत्र के बाघमारा प्रखंड के नगरीकला उत्तर पंचायत निवासी झामुमो के वरिष्ठ नेता भागीरथ महतो के पिताजी की असामायिक निधन की खबर सुनकर विधायक के अनुज सह निजी सचिव बसंत महतो आज बुधवार को उनके नगरीकला स्थित आवास पहुंचे और पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दिया तथा उनके असमय निधन पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए कहा कि इनकी असामायिक निधन से अपूरणीय क्षति हुआ.जो कभी पूरा नहीं किया जा सकता उनके पार्थिव शरीर को देखकर श्री महतो काफी भावुक हुए ओर भगवान से प्रार्थना करते श्रीचरणों में स्थान देने की कामना किया तथा परिजनों को इस दुःख की घड़ी में शक्ति प्रदान करने की मांग किया। मौके पर बसंत महतो,मनोज निषाद, वीरू सिंह, मंटू महतो, बबलू महतो समेत समाज के कई लोग उपस्थित थे।

हज यात्रियों के लिए टीकाकरण और दुआईया मजलिस का आयोजन

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार राज्य हज समिति के निर्देश के आलोक में हज यात्रियों के लिए हज यात्रा 2025 के लिए 22 अप्रैल को स्थानीय नया टोला मस्जिद में दुआईया मजलिस का आयोजन किया गया। इसमें इस जिले से हज यात्रा पर जा रहे हैं लोग सम्मिलित हुए। साथ ही अल्पसंख्यक कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों कर्मियों समेत हज के जिम्मेदार सम्मिलित हुए। साथ ही जिले के प्रसिद्ध मस्जिदों के इमाम, मदरसों के गणमान्य शिक्षक तथा जिले के अल्पसंख्यक समाज के प्रसिद्ध व्यक्ति भी सम्मिलित हुए।उप निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण डॉ. किशोर आनंद द्वारा बताया गया कि हज-2025 हेतु हज पूर्व तैयारी जारी है. टीकाकरण एवं हज प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रगति पर है। इसी क्रम में निदेशानुसार दुआईया मजलिस का आयोजन स्थानीय हज के जिम्मेदार लोगों के सहयोग से 22 अप्रैल को किया गया। टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत 54 में 52 लोगों को शाम तक टीका दिया जा चुका था।कार्यक्रम में डॉ अवधेश कुमार, डॉ मुर्तजा अंसारी, डॉ इंतेसारुल हक, डॉ. सहाबुद्दीन, हज प्रशिक्षक एजाज असरफ, महबूब आलम,ललन कुमार, बिट्टू कुमार, मेहंदी हुसैन एवम स्थानीय निवासी मौजूद थे।

शादी की नीयत से नाबालिक का अपहरण

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शिकारपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से शादी की नियत से एक नाबालिक का अपहरण कर लिया गया है। मामले में लड़की के पिता अलीम अंसारी ने शिकारपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराया है। एफआईआर में नौतनवा गाव के आजाद अंसारी, अली अहमद, सफी अहमद, जलेबी अंसारी, एवं गुलरेज अंसारी को नामजद किया है। आरोप है कि आजाद अंसारी द्वारा मेरी बेटी को बहला फुसलाकर शादी की नीयत से अपहरण कर लिया है। वही पूछने पर अन्य आरोपितों द्वारा गाली गलौज करने लगे और मारपीट पर उतारू हो गए। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर करवाई की जा रही है।

26 अप्रैल को 13 पंचायतों में लगेगा विकाश शिविर

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आगामी 26 अप्रैल को प्रखंड के 13 पंचायतों के महादलित बस्तियों में विकास शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर के माध्यम से लोगो को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी तथा गरीब परिवारों को वंचित योजनाओं के लाभ से लाभान्वित किया जाएगा। विकास शिविर के सफल आयोजन को लेकर बीडीओ सूरज कुमार सिंह ने सभी शिविर पदाधिकारी एवं कर्मियों को समय से उपस्थित रहने का सख्त निर्देश दिया है। बीडीओ ने बताया कि 26 अप्रैल को प्रखंड के 13 पंचायतों में विकास शिविर लगाया जाएगा। जिन पंचायतों में शिविर लगेगा, उसमें कुंडीलपुर, केसरिया, सेमरी, बरवा बरौली, पुरैनिया हरसरी, परोराहा, कुकुरा, मनवा परसी, सोमगढ़, डुमरिया, चमुआ, बनवरिया तथा राजपुर तुमकड़िया शामिल है।

बिना अनुमति नए निर्माण पर होगी कारवाई

बगहा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शहर में अस्थाई व स्थाई निर्माण से पहले नगर प्रशासन की अनुमति लेनी होगी। बिना नक्शा के भवन निर्माण करने वाले लोगों पर नगर परिषद कार्रवाई करेगा। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सरोज कुमार बैठा ने बताया कि बगहा शहर में स्थाई व अस्थाई निर्माण सहित किसी भी प्रकार के निर्माण के लिए नगर परिषद के अनुमति को अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अगर इसके बाद भी बिना किसी अनुमति के किसी के द्वारा निर्माण कार्य कराया जाता है तो संबंधित लोगों को चिन्हित कर उनपर कार्रवाई होगी। ईओ ने बताया कि बगहा शहर में सभी घरों के लिए नक्शा को अनिवार्य कर दिया गया है। पूर्व में जिन लोगों के द्वारा भवन निर्माण कराया गया है एवं उनके द्वारा नक्शा की अनुमति नहीं ली गई है उन लोगों को भी चिन्हित कर उन्हें नक्शा पास करने को लेकर निर्देशित किया जा रहा है। इधर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि बगहा शहर में बिना नक्शा के निर्माण कर रहे 5 दर्जन से अधिक लोगों को चिन्हित किया गया है। जिन्हें नगर प्रशासन की ओर से नोटिस निर्गत किया गया है। नगर प्रशासन से जारी नोटिस में एक सप्ताह का समय दिया गया। अगर समय सीमा के अंदर लोग नगर प्रशासन से नक्शा पास कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि इसके बाद भी अगर संबंधित लोगों के द्वारा नक्शा की अनुमति नहीं ली जाती है तो नगर प्रशासन पर सख्त कार्रवाई करेगा एवं उनके निर्माण पर रोक लगाया जाएगा। नक्शा को लेकर नगर प्रशासन की ओर वार्डवार अभियान चलाया जाएगा। इसको लेकर नगर प्रशासन की टीम का गठन किया गया है। टीम के द्वारा नगर के सभी वार्डों में कैंप लगाकर निमार्णाधीन एवं निर्माण पूरा कर चुके भवनों का नक्शा की अनुमति दी जाएगी। साथ ही साथ सभी प्रकार के निर्माण का होल्डिंग भी तय किया जाएगा। 80 के दशक में बगहा नगर परिषद का गठन हुआ था। तब से लेकर अब तक नगर क्षेत्र में जितने भी भवन का निर्माण हुआ है उसके लिए नक्शा अनिवार्य होगा। नगर परिषद क्षेत्र में जिन घरों का नक्शा अभी भी अप्राप्त है उन्हें भी नक्शा की अनुमति नगर प्रशासन से लेनी होगी। नगर परिषद के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि शीघ्र ही अभियान चला कर सभी घरों के नक्शा की जांच की जाएगी एवं बगैर नक्शा के भवन निर्माण पर संबंधित लोगों को नोटिस निर्गत किया जाएगा।

न्यायाधीश ने किया जेल का निरीक्षण

जेल प्रशासन को दिए कई आवश्यक दिशा निर्देश



धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेन्द्र कुमार तिवारी के निर्देश पर बुधवार को अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने एलएडीसीएस डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट , सहायक कांउसिल सुमन पाठक ,नीरज गोयल, कन्हैया लाल ठाकुर के साथ धनबाद मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया । न्यायाधीश ने कारागार के प्रत्येक बैरक में पहुंचकर बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व मुकदमे में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा न होने की जानकारी ली। न्यायाधीश ने बंदियों के शौचालयों की साफ-सफाई का निर्देश दिया। कारागार अस्पताल में निरुद्ध बीमार बंदियों के बेहतर इलाज के लिए उन्हें उच्च स्वास्थ्य सेंटर भेजे जाने का निर्देश जेल डॉक्टर को दिया। न्यायाधीश ने कारा में बंद महिला बंदी जिससे साथ दो छोटे बच्चे थे उन दोनों बच्चों को दूध, डायपर ,आवश्यक दवा व उसके स्वास्थ्य संबंधी अन्य सभी चीजें अविलम्ब उपलब्ध कराने का आदेश दिया।न्यायाधीश के आदेश पर तुरंत दोनों बच्चों के लिए आवश्यक सभी सामान जेल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराया गया।वहीं न्यायाधीश ने जेल के चिकित्सा सुविधाओं, पुस्तकालय, रसोई घर, वहां तैयार हो रहे भोजन ,व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र और ध्यान-सह-योग केंद्र में सुविधाओं का जायजा लिया।उन्होंने बंदियों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। न्यायाधीश ने जेल प्रशासन को बंदियों को नियमानुसार सुविधाएं मुहैया कराने जेल अधिकारियों को उनके कर्तव्य का समुचित रूप से पालन करने का निर्देश दिया । उन्हें विभिन्न कानून की जानकारी दी गई । जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सारी सुविधाएं बंदीयों को उपलब्ध कराने का आदेश जेल प्रशासन को दिया । इस मौके पर डालसा के सहायक , अरुण कुमार, सौरभ सरकार, राजेश सिंह, जेल पी एल वी विशाल कुमार सिंह समेत जेल के पदाधिकारी उपस्थित थे।

जनता दरबार में उप विकास आयुक्त ने सुनी समस्या

जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोग, 24 आवेदन दिए



मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उपायुक्त शशि रंजन के निदेश पर आज समाहरणालय सभागार में उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से लोग पहुंचे थे। सभी लोगों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन देकर उसका निदान हेतु अनुरोध किया। जनता दरबार में उप विकास आयुक्त को 24 आवेदन प्राप्त हुए। उप विकास आयुक्त ने लोगों की सीधे समस्याएं सुनी, उनके द्वारा समर्पित आवेदनों का अवलोकन कर संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन स्थानांतरित किया। उप विकास आयुक्त द्वारा लगाये गये जनता दरबार में चैनपुर के चांदो थाना क्षेत्र की निधि कुमारी ने पति जगजीत सिंह के निलंबन अवधि का बकाया वेतन भुगतान करने का अनुरोध किया। वहीं जेलहाता के मुंसफ रोड निवासी मनीष कुमार ने जमीन विवाद विषयक आवेदन देकर पैतृक मकान, दुकान आदि संपत्ति में बंटवारा कराने का आग्रह किया। पोलडीह बईरा खूर्द निवासी अशोक कुमार सिंह ने छत्तरपुर के सेवानिवृत पंचायत सेवक पद से सेवानिवृत पिता रामराज सिंह की भविष्य निधि का पैसा भुगतान करने संबंधी आवेदन दिया। इसके अलावा जनता दरबार में विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोगों ने जमीन विवाद, दाखिल खारिज, मकान कार्य को रोकने की धमकी देने, एनएच द्वारा जमीन अधिग्रहण के पश्चात मुआवजा राषि भुगातान करने, अबुआ आवास योजना का लाभ देने, अमीन द्वारा जमीन की मापी कराने, ऑनलाईन रसीद निर्गत करने आदि समस्याओं समस्याओं की जानकारी देते हुए उससे संबंधित आवेदन दिया। उप विकास आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को समस्या समाधान हेतु निदेशित किया।

उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय करमाटांड़ चहारदीवारी निर्माण कार्य को लेकर विवाद गहराया

टुण्डी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। टुण्डी प्रखंड के दक्षिणी भाग के केशका पंचायत अंतर्गत करमाटांड़ उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय चहारदिवारी निर्माण कार्य का विवाद इन दिनों गहराता जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार स्कूल प्रबंध समिति के अध्यक्ष बबलू अंसारी ने चहारदिवारी निर्माण कार्य में लगे रहे सभी सामग्री पर सवाल उठाते हुए कहा कि दो दिन पूर्व में टूटे फूटे ईंटों को अखबारों के माध्यम से जिला प्रशासन से लेकर आम लोगों को अवगत कराया गया था फिर भी कुछ लोगों की मिलीभगत से उक्त चहारदिवारी निर्माण कार्य में उपयोग कर लिया गया स्कूल प्रबंध समिति के अध्यक्ष बबलू अंसारी ने कहा कि अध्यक्ष होने के नाते जब घटिया निर्माण कार्य का विरोध करता हूं तो कुछ मनबढ़ू लोगों ने औकात में रहने की धमकी देते हैं आगे अंसारी ने कहा कि आज बुधवार को कार्य को लेकर मेरे द्वारा सवाल उठाया तो करमाटांड़ गांव निवासी जमीरूद्दीन अंसारी (मुंशी) ने धमकी भरे शब्दों में कहा कि चहारदिवारी निर्माण कार्य में हस्तक्षेप किया तो ठीक नहीं होगा। ज्ञात हो कि उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय करमाटांड़ की चहारदीवारी निर्माण कार्य का चल रहे



विवाद में गौर नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में आपसी मतभेद विकराल रूप धारण कर लेगा। स्कूल प्रबंध समिति के अध्यक्ष बबलू अंसारी ने आगे कहा कि लगातार अखबारों के माध्यम से जिला प्रशासन को इस चहारदिवारी निर्माण कार्य को लेकर अवगत कराया जा रहा है फिर भी प्रशासन मौन है समय रहते इस पर विचार नहीं किया गया तो किसी भी समय आपसी टकराव से इंकार नहीं किया जा सकता।

शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन और विद्यालय में उपस्थिति करें सुनिश्चित : उपायुक्त



धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले के 5 से 18 वर्ष के प्रतिशत बच्चों को शिक्षित करना, विद्यालयों में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा ड्रॉप आउट कम करना स्कूल रूआर 2025 का उद्देश्य है। छात्रों की कम उपस्थिति और 7वीं, 8वीं व 9वीं कक्षा में बच्चियों का ड्रॉप आउट चिंता का विषय है। इसमें जागरूकता लाने के लिए स्कूल प्रबंधन, प्रधानाचार्य, जनप्रतिनिधि तथा अभिभावकों का योगदान तथा भागीदारी महत्वपूर्ण है।यह बातें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने बुधवार को झारखण्ड शिक्षा परियोजना, धनबाद द्वारा स्कूल रूआर 2025 के अंतर्गत ह्रूपढाई से नाता टूटे नहीं बच्चों का नामांकन छूटे नहीं" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कही। उपायुक्त ने कहा कि जागरुकता से विद्यालयों में नामांकन की संख्या बढ़ी है। इसके बाद भी कई बच्चे नामांकन से छुटे हुए हैं। वहीं छात्रों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने ई-विद्या वाहिनी सहित अन्य तंत्र तैयार किए हैं। बच्चियों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना भी शुरू की है। गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ न पड़े उसके लिए मिड डे मील, निशुल्क पोशाक, साइकिल व पुस्तक वितरण सहित अन्य तरह की सुविधाएं छात्रों को दी जाती है। उपायुक्त ने जिले के 5 से 18 वर्ष के शत प्रतिशत बच्चों का विद्यालय में नामांकन, उपस्थित और ड्रॉप आउट कम करने के लिए सभी को पूरी निष्ठा और गंभीरता से अपने कर्तव्य का पालन करने का अनुरोध किया। साथ ही घर - घर तक एवं जन - जन तक यह संदेश पहुंचाने का आग्रह किया। स्कूल रूआर 2025 के तहत आगामी 10 मई तक जागरुकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इससे पूर्व उपायुक्त ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी ने उपायुक्त को पौधा प्रदान कर स्वागत किया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधीक्षक श्री आयुष कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री अभिषेक झा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनीता कुजूर, माननीय विधायक टुंडी के प्रतिनिधि श्री जगदीश प्रसाद चौधरी, माननीय विधायक झरिया के प्रतिनिधि श्री केडी पांडेय, विभिन्न प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कृषक मित्रों की बकाया प्रोत्साहन राशि का भुगतान 15 दिन में हो सुनिश्चितः रंजन दुबे

कृषक मित्र संघ ने किया कृषि कार्यालय का घेराव



मेदिनीनगर (पलामू) नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पलामू जिला कृषक मित्र संघ ने बुधवार को जिला कृषि कार्यालय का घेराव किया। घेराव कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रंजन दुबे व संचालन तनवीर आलम ने की। कार्यक्रम में पलामू जिले के लगभग सभी प्रखंडों के सैकड़ों की संख्या में कृषक मित्र घेराव व आक्रोश रैली में मौजूद थे। पलामू जिला के सभी कृषक मित्रों को संबोधित करते हुए रंजन दुबे ने कहा कि पलामू जिले में लगभग सभी कृषि विभाग की योजनाओं को धरातल पर उतार रहें हैं। इसमें मिट्टी जांच, खाद बीज वितरण, श्री विधि से खेती करना, कृषक पाठशाला संचालन करना, किसान क्रेडिट कार्ड वितरण करवाना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना, बंजर भूमि को उपयोग बनाना, कृषि समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा, सब्जी की खेती, किसानों को प्रशिक्षण दिलवाना व किसानों को सरकारी कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित करने जैसे कई काम कराई जाती है। इसके बदले में सरकार सिर्फ एक हजार रुपए के प्रोत्साहन राशि दी जाती है। वह भी कई वर्षों से पलामू जिले के कृषक मित्रों को नहीं मिली है। इसकी सारी जवाबदेही जिला कृषि पदाधिकारी की है। क्योंकि सरकार के साथ-साथ विभाग भी कृषक मित्रों के साथ छल कर रहा है। भारत कृषि प्रधान देश होते हुए भी यहां के किसान सरकार की योजनाओं का सही ढंग से लाभ नहीं मिल पा रहा है। छह सूत्री मांगों को लेकर पलामू जिला कृषक मित्र संघ ने कृषि विभाग का घेराव किया है । इसमें सभी कृषक मित्रों को बकाया प्रोत्साहन राशि का भुगतान 15 दिन में हो, सभी कृषक मित्रों को आईडी बनाया जाए ताकि सही किसानों को खाद व बीज कृषक मित्रों के द्वारा मिल सके, कृषक पाठशाला एवं कृषक गोष्ठी ग्राम स्तर पर सही ढंग से संचालित हो ताकि इसका लाभ सही किसान ले सकें। कृषि विभाग के सभी संचालित योजनाओं में कृषक मित्रों की भूमिका हो क्योंकि इसका लाभ सही किसानों को मिल सके, सभी कृषक मित्रों को अतिरिक्त काम के बदले अतिरिक्त मजदूरी दिया जाए। संघ के जिला उपाध्यक्ष कृष्णा बैठा ने संबोधित करते हुए कहा कि अगर कृषि विभाग कृषक मित्रों को 15 दिन के अंदर प्रोत्साहन राशि भुगतान नहीं करती है तो हम सभी लोग जून के महीने में विशाल आंदोलन करेंगे। सभी बिंदुओं पर कृषक मित्रों को समस्याओं व मांग पत्र पर विचार जिला कृषि पदाधिकारी ने की। कहा कि प्रोत्साहन राशि का भुगतान अगले महीने कर दी जाएगी साथ ही कृषक मित्रों को सभी योजना में शामिल किया जाएगा। कृषक मित्र विभाग की अहम कड़ी हैं। किसानों के साथ इनका अच्छा संबंध है। आज की बदौलत विभाग का काम आगे बढ़ रहा है। संघ की सभी मांगों को अपने स्तर से हर संभव करने का आश्वासन देते हैं। कार्यक्रम में रामजन्म मेहता, विमती कुमारी, प्रतिमा देवी, लीलावती देवी, राम सुंदर मेहता, सुरेंद्र सिंह, रोशन सिंह, आनंद कुमार सिंह, संतोष सिंह, विष्णु देव मेहता, मनोज सिंह, मुन्ना विश्वकर्मा, अरविंद सिंह, मनदीप मेहता, संजू चौरसिया, रवि सिंह, विनोद प्रजापति, बाबूलाल मेहता, सुधांशु रंजन सिंह, अनुरोध मेहता, सुजीत मिश्रा, इंदर सिंह, शंकर राम, राशिद आलम, सुदर्शन यादव, श्रवण कुमार, जितेंद्र कुमार, बच्चू राम, मधुदंगी, अयूब अंसारी, उमेश राम, रंजीत सिंह सहित सैकड़ों कृषक मित्र मौजूद थे।

बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी के निर्देश पर एक बार फिर बोकारो पुलिस ने एक संगठित मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। हरला थाना पुलिस ने 6 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है, जिनके खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपियों से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। दरअसल, 22 अप्रैल को प्रभात कुमार नामक व्यक्ति ने हरला थाना में अपने वाहन की चोरी को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए बोकारो एसपी मनोज स्वगीर्यारी के दिशा-निर्देश में एक टीम बनाई गई, जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों झ दिल पसंद राय, फिरोज अंसारी और मनीष सिंह को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने यह भी पाया कि ये आरोपी चोरी की गई मोटरसाइकिलों को टुकड़ों में काटकर कबाड़ी माफियाओं को बेच देते थे। इस काम में रईसुद्दीन सैफी उर्फ रईस खान और सैफी अहमद उर्फ सुंदर अली जैसे कबाड़ी कारोबारियों की भूमिका भी सामने आई है। बोकारो सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने बताया कि यह गिरोह सिर्फ बोकारो ही नहीं, बल्कि बिहार और यूपी तक फैला हुआ था। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पहले से कई थानों में दर्जनों मामले दर्ज हैं। बोकारो पुलिस ने इस सफलता को बड़ी उपलब्धि बताया है और आगे और भी गिरफ्तारी की संभावना जताई है।

अपैरल पार्क से स्थानीय महिलाओं को मिलेगा रोजगारः उप विकास आयुक्त

उप विकास आयुक्त ने कोयल आजीविका अपैरल पार्क की व्यवस्थाओं का लिया जायजा



मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उपायुक्त शशि रंजन की पहल से कोयल आजीविका अपैरल पार्क की शुरूआत होगी। इसे लेकर उपायुक्त के निदेश पर उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद आज चैनपुर स्थित कोयल आजीविका अपैरल पार्क का भ्रमण कर, वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं बंद होने के कारणों को समझा। उन्होंने आधुनिक मशीनों से वस्त्र की सिलाई, कढ़ाई एवं अन्य कार्यों के लिए लगे मशीन, कटिंग मशीन, ओवर लॉक मशीन, स्ट्रेट नाइफ कटिंग मशीन, बटन होल मशीन, बटन अटैच मशीन, बेडसीट, खोल, मांग (ऑर्डर के अनुरूप) पोषाक पर संबंधित स्कूलों का लोगों आदि डिजाइन/कढ़ाई करने संबंधी एम्ब्रॉइडरी मशीन आदि उपकरणों की जानकारी ली। साथ ही पूर्व की संचालन व्यवस्था की प्रक्रियाओं को जाना। उप विकास आयुक्त कहा कि जिला प्रशासन इसे पुनः शुरू करने जा रही है। इसका टेंडर कराये जाने की प्रक्रिया की जायेगी और प्रोडक्शन हाउस के द्वारा इसका संचालन कराये जाने की योजना है। उन्होंने कहा कि यहां सिलाई के 150 आधुनिक मशीनों के साथ-साथ वस्त्रों पर डिजाइन तैयार करने आदि से संबंधित मशीन हैं। इससे सखी मंडल की महिलाओं को जोड़ा जायेगा। कोयल अपैरल पार्क से जुड़कर महिलाओं को रोजगार प्राप्त होगा। साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। उन्होंने सिलाई के बाद तैयार वस्त्रों के बारे में जानकारी लेते हुए उसकी गुणवत्ता का भी अवलोकन किया। साथ ही सैनेटरी पैड निर्माण केन्द्र का भी भ्रमण किया। इस केन्द्र के भवन को व्यवस्थित करने एवं कोयल अपैरल पार्क एवं सैनेटरी पैड निर्माण केन्द्र की सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने का निदेश दिया। उन्होंने सिलाई के लिए यहां से जुड़ी महिलाओं से संबंधित उपस्थिति पंजी का भी अवलोकन किया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि कोयल आजीविका अपैरल पार्क चैनपुर के अलावा नीलांबर-पीतांबरपुर एवं पाटन प्रखंड में भी स्थापित है। तीनों को एक साथ शुरू किए जाने की प्रक्रिया की जा रही है। इसमें क्रमशः 150, 40 एवं 44 आधुनिक मशीनें अधिष्ठापित की गई है। जेएसएलपीएस के बीपीएम ने यहां की व्यवस्थाओं से उप विकास आयुक्त को अवगत कराया। उनके द्वारा बताया गया कि यहां 150 मशीनों पर दो सिफ्ट में सिलाई की व्यवस्था की गई थी। इससे 300 महिलाएं सीधे तौर पर जुड़ी थी। उन्होंने अवगत कराया कि मशीनों की सर्विसिंग की आवश्यकता है। वहीं बिजली बिल बकाया होने के कारण विभाग द्वारा कनेक्शन काट दिया गया है। उन्होंने बिजली बिल माफ कराने हेतु आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया। उन्होंने मशीनों की सर्विसिंग की आवश्यकता भी जताई। उप विकास आयुक्त के भ्रमण के दौरान चैनपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रदीप दास, अंचल अधिकारी चंद्रशेखर कुणाल, जेएसएलपीएस के बीपीएम वैभव कान्त आदर्श, बीपीओ राजीव भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला खेल एवं पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक

खूंटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले में खेल और पर्यटन क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर उपायुक्त श्री लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला खेल एवं पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों के साथ जिला में संचालित योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिला खेल पदाधिकारी ने बताया कि माननीय मंत्री, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के निदेर्शानुसार जिले में मिनी स्टेडियम निर्माण हेतु कार्यकारी एजेंसी एनआरईपी द्वारा प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है। साथ ही, खूंटी के आवासीय हॉकी प्रशिक्षण केंद्र (बालक) के प्रशिक्षुओं के लिए भोजन आपूर्ति हेतु निविदा प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। अड़की प्रखंड के चलकद स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में डे-बोर्डिंग हॉकी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने हेतु विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है। वहीं, बीते दिनों तेज बारिश, ओलावृष्टि और आंधी-तूफान के कारण क्षतिग्रस्त बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम के गैलरी शेड की मरम्मत के लिए भी एनआरईपी द्वारा प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, बिरसा मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम के क्षतिग्रस्त एस्ट्रोटर्फ मैदान की मरम्मत हेतु विभाग को पत्र भेजा गया है। बैठक में खूंटी जिले में एक मेगा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स निर्माण तथा खूंटी हेल्थ क्लब को नगर पंचायत से जिला खेल कार्यालय को हस्तांतरित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। पर्यटन क्षेत्र की समीक्षा के दौरान जिला पर्यटन पदाधिकारी ने उपायुक्त को जानकारी दी कि डोम्बारी बुरु, पेरवाघाघ, रीमिक्स जलप्रपात एवं दशम फॉल के सौंदर्यीकरण का कार्य प्रगति पर है। उपायुक्त ने इन कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि रानी फॉल में बोरिंग और शौचालय के जीर्णोद्धार का कार्य पूर्ण हो चुका है। बैठक में जिला खेल पदाधिकारी, जिला पर्यटन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।



उपभोग-निवेश अर्थव्यवस्था के मजबूत इंजन, कमजोर विदेशी मांग से प्रभावित हो सकती है वृद्धि

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच उपभोग और निवेश जैसे वृद्धि के घरेलू इंजन मजबूत बने हुए हैं ।ये बाहरी प्रतिकूल परिस्थितियों से अपेक्षाकृत कम प्रभावित हैं। हालांकि, वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के कमजोर होने के साथ विदेश से मांग में नरमी



के कारण भारत की आर्थिक वृद्धि दर प्रभावित हो सकती है। आरबीआईने मंगलवार को जारी अप्रैल के बुलेटिन में कहा, सूझबूझ के साथ नीतिगत समर्थन भारत को वैश्विक अस्थिरता को अवसर में बदलने और उभरते परिदृश्य में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद कर सकता है। हालांकि, व्यापार तनाव और वित्तीय बाजार में अस्थिरता ने निकट भविष्य में वैश्विक वृद्धि के कमजोर होने के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं।

कृषि आय में हो सकती है वृद्धि- बुलेटिन में आगे कहा गया है कि इस साल मानसून के सामान्य से बेहतर रहने का अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाओं को बढ़ावा मिला है। इससे कृषि आय में वृद्धि हो सकती है और खाद्य कीमतों को काबू में रखने में मदद मिल सकती है। बुलेटिन के मुताबिक, भारत के विभिन्न देशों के साथ व्यापार संबंधों को देखते हुए यह आपूर्ति श्रृंखला को व्यवस्थित कर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के स्रोतों को विविध बनाकर और वैश्विक निवेशकों के साथ जुड़ाव से लाभान्वित होने को तैयार है।

स्मार्ट सिटीज मिशन

1.50 लाख करोड़ की 90 फीसदी से ज्यादा परियोजनाएं पूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 25 जून, 2015 को शुरू किया गया स्मार्ट सिटीज मिशन अपने 10 साल पूरे करने के करीब है। इस मिशन के तहत 100 शहरों में करीब 1.64 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली 8,000 से अधिक मल्टी-सेक्टोरल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। एसबीआई ने स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर जारी एक रिपोर्ट में कहा, कुल परियोजनाओं में से 7,504 यानी 90 फीसदी से अधिक पहले ही पूरी हो चुकी हैं, जिनकी लागत 1.50 लाख करोड़ रुपये है। यह बताता



है कि देशभर में शहरी विकास में तेजी से प्रगति हो रही है। मिशन का जोर अर्बन मोबिलिटी (शहरी गतिशीलता) और जल/स्वच्छता बुनियादी ढांचे में सुधार पर रहा है। कुल लागत का करीब 50 फीसदी खर्च इन दो क्षेत्रों पर किया गया है, जिसमें 3,000 से अधिक परियोजनाएं शामिल हैं। इन दोनों क्षेत्रों में हर परियोजना पर औसतन 22 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

फंड इस्तेमाल करने में यूपी शीर्ष पर- रिपोर्ट के मुताबिक, स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत परियोजनाओं पर खर्च किए गए 1.64 लाख करोड़ रुपये में से करीब 92 फीसदी फंड का इस्तेमाल 21 प्रमुख राज्यों में किया गया है। फंड इस्तेमाल करने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। तमिलनाडु दूसरे और महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है।

सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने से दुबई में ग्राहक गायब

भारतीय ग्राहक अब अच्छे डिजाइन वाले गहनों की ओर बढ़ रहे हैं

सोने की बढ़ती कीमतों से खरीदारी में बहुत ज्यादा कमी आ रही है

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई सोने के शौकीनों के लिए बड़ा सेंटर रहा है। लेकिन, सोने की कीमतें बढ़ने से वहां व्यापारी परेशान हैं। कीमतें इस साल की शुरुआत से लगभग एक तिहाई बढ़ गई हैं। भारत सरकार ने भी सोने पर आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है। इससे दुबई के व्यापारियों को भारतीय ग्राहकों को वापस लाने में मुश्किल हो रही है। वे अब नए डिजाइन और अच्छी क्वालिटी पर फोकस कर रहे हैं। सोने की कीमतें 3,500 डॉलर प्रति औंस से ऊपर चली गई हैं। इससे लोग सोना खरीदने से पहले सोच रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल की आलोचना के बाद निवेशकों की चिंता बढ़ने से सोने की कीमतों में उछाल आया है। दुबई पिछले 80 सालों से सोने के चाहने वालों के लिए खास जगह रही है। खासकर ईरानी और भारतीय ग्राहक यहां खूब आते थे। उन्होंने दुबई को सोने का एक बड़ा बाजार बनाने में मदद की। लेकिन, अब सोने के दाम बहुत बढ़ गए हैं। इससे दुबई के जूलर्स को परेशानी हो रही है।



सरकार के इस कदम का बड़ा असर

भारत सरकार ने सोने पर लगने वाला टैक्स भी कम कर दिया है। पहले 15 प्रतिशत टैक्स लगता था, अब सिर्फ 6 प्रतिशत लगता है। इससे दुबई में सोना खरीदना उतना सस्ता नहीं रहा, जितना पहले था। इसलिए दुबई के जूलर अब भारतीय ग्राहकों को वापस लाने के लिए नई योजनाएं बना रहे हैं। भारतीय त्योहारों के समय जैसे दिवाली और अक्षय तृतीया में खूब सोना खरीदते हैं।

दुबई के जूलर अब सिर्फ कम कीमत पर सोना बेचने की बजाय अच्छे डिजाइन वाले गहने बेच रहे हैं। वे तुर्की, इटली और सिंगापुर से गहने मंगवा रहे हैं। साथ ही, वे कलकत्ता और मंदिर के गहनों जैसे पुराने डिजाइन को भी फिर से बना रहे हैं। कुछ कंपनियां दूसरे देशों से नए डिजाइन ला रही हैं।

अच्छे डिजाइन और बढ़िया [ालिटी पर फोकस

अब दुकानदार अच्छे डिजाइन और बढ़िया क्वालिटी पर ध्यान दे रहे हैं। वे चाहते हैं कि भारतीय ग्राहक सिर्फ कीमत न देखें, बल्कि गहनों की खूबसूरती और अलग डिजाइन को भी पसंद करें। दुबई का गोल्ड सूक, जिसे सिटी ऑफ गोल्ड भी कहते हैं, वहां भी लोग सोने के दाम बढ़ने से परेशान हैं। 22 कैरेट सोना शादी और त्योहारों में खूब खरीदा जाता था। लेकिन अब दाम बढ़ने से लोग हीरे और कम सोने के गहने खरीदने लगे हैं।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं सोने के दाम- रॉयटर्स के अनुसार, दुकानदारों का कहना है कि अब कम लोग आ रहे हैं और खरीदारी भी कम हो रही है। लोगों को सोना महंगा लग रहा है। लैब में बने हीरे अब ज्यादा बिक रहे हैं, क्योंकि वे सस्ते होते हैं। अगर सोने के दाम 2025 तक ऐसे ही बढ़ते रहे तो भारत और खाड़ी देशों में गहनों की मांग और भी कम हो सकती है। कारण है कि इन देशों में गहने खरीदने का तरीका एक जैसा ही है।

सोना इस साल 22,650 महंगा

अगले एक माह में 8 फीसदी तक घट सकते हैं दाम; अक्षय तृतीया और शादी में मांग तेज



नईदिल्ली, एजेंसी। टैरिफ वार शुरू होने के बाद दुनियाभर में उपजी अनिश्चितताओं के बीच सोना लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है।मंगलवार को यह दिल्ली सराफा बाजार में एक लाख रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार पहुंच गया है। इसके साथ ही, सोने की कीमत इस साल अब तक 22,650 रुपये या 28.68 फीसदी बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर, 2024 को सोना 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआ था। सराफा कारोबारियों का कहना है कि अक्षय तृतीया जैसे त्योहार और शादी-विवाह के सीजन में मांग बढ़ने की उम्मीद के चलते आभूषण विक्रेताओं ने सोने की खरीदारी बढ़ाई है, जिससे बहुमूल्य धातु की कीमतों को समर्थन मिला है। केडिया एडवाइजरी के निदेशक अजय केडिया ने कहा, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद घरेलू बाजार में सोने की कीमत अगले एक महीने में घटकर 91,000 से 92,000 रुपये के स्तर पर आ सकती हैं, जो 7-8 फीसदी की गिरावट को दर्शाता है। अगर व्यापार युद्ध में नरमी आती है और अनिश्चितताएं कुछ कम होती हैं, तो सोने में और बड़ी गिरावट आ सकती है।

सलाह : दाम घटने का करें इंतजार

अजय केडिया ने कहा, अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। लेकिन, मौजूदा हालात में कीमतें जिस रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं, उसमें नई खरीदारी से बचना चाहिए। सोना एक साल में 40 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। 1980 के बाद से किसी भी एसेट क्लास ने इतना बड़ा रिटर्न नहीं दिया है।

अडानी ग्रुप ने टेलीकॉम बिजनस के पल्ला झाड़ा

● ग्रुप ने तीन साल पहले नीलामी में स्पेक्ट्रम खरीदा था ● अब इसे सुनील मित्तल की एयरटेल को बेचा जा रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। अमूमन ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि गौतम अडानी किसी प्रोजेक्ट में हाथ डालें और फिर पीछे हट जाएं। लेकिन पहली बार ऐसा होने जा रहा है। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस ने टेलीकॉम सेक्टर से हाथ पीछे खींचने का फैसला किया है। अडानी ग्रुप ने साल 2022 में जो स्पेक्ट्रम खरीदा था, उसे भारती एयरटेल को बेचने का फैसला किया है। अडानी डेटा नेटवर्क्स ने 26त्न5 बैंड में 400 एमएच5 स्पेक्ट्रम लगभग 212 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब यह स्पेक्ट्रम एयरटेल को मिल जाएगा। अडानी ग्रुप ने पहले कहा था कि वह इस स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल अपने निजी इस्तेमाल के लिए करेगा। लेकिन टेलीकॉम विभाग के नियमों के अनुसार स्पेक्ट्रम खरीदने वाली कंपनियों को कुछ शर्तों को पूरा करना होता है। ऐसा न करने पर जुर्माना



लग सकता है।

सुनील भारती मित्तल की अगुवाई वाली कंपनी एयरटेल ने कहा कि भारती एयरटेल और उसकी सहायक कंपनी भारती हेक्साकॉम ने अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अडानी डेटा नेटवर्क्स के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के तहत एयरटेल को गुजरात (100एमएच5), मुंबई (100एमएच5), आंध्र प्रदेश (50एमएच5), राजस्थान (50एमएच5), कर्नाटक (50एमएच5) और तमिलनाडु (50एमएच5) में 26जीएच5 बैंड का 400एमएच5 स्पेक्ट्रम इस्तेमाल करने का अधिकार मिलेगा। कंपनी ने यह भी कहा कि यह सौदा कुछ शर्तों और सरकारी मंजूरियों के बाद पूरा होगा।

क्यों खींचे हाथ

साल 2022 में अडानी ग्रुप के टेलीकॉम सेक्टर में आने के बाद कई तरह की बातें हो रही थीं। माना जा रहा है कि अडानी ग्रुप वोडाफोन आइडिया जैसी मुश्किलों में फंसी कंपनियों को खरीद सकता है। अडानी ग्रुप ने एयरपोर्ट, सीमेंट, डेटा सेंटर, बिजली और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में आक्रामक तरीके से काम किया है। इसलिए माना जा रहा था कि वह टेलीकॉम और डिजिटल सेक्टर में भी रिलायंस जियो जैसा धमाल कर सकता है। लेकिन अडानी ग्रुप ने ने हमेशा कहा कि वह सिर्फ अपने निजी इस्तेमाल के लिए स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल करना चाहते हैं। वह एयरपोर्ट से लेकर बिजली और डेटा सेंटर तक अपने बिजनस को सपोर्ट करने के लिए एक प्राइवेट नेटवर्क बनाना चाहता है। जानकारों का कहना है कि अडानी ग्रुप का फोकस दूसरे बड़े निवेश वाले सेक्टरों पर है। इसलिए उसने टेलीकॉम सेक्टर से बाहर निकलने का फैसला किया होगा। एक जानकार ने कहा कि भारी निवेश और इस बिजनस में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण शायद ग्रुप ने इससे दूर रहने का फैसला किया। टेलीकॉम सेक्टर में बहुत पैसा लगाना पड़ता है और कड़ी प्रतिस्पर्धा है। शायद यही वजह है कि अडानी ग्रुप ने अपने कदम पीछे खींच लिए।

आयकर विभाग ने पोर्टल पर शुरू की ई-पे टैक्स सुविधा, करों का आसानी से भुगतान कर सकेंगे करदाता

नईदिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने अपने आधारिक ऑनलाइन पोर्टल पर ई-पे टैक्स सुविधा शुरू की है। विभाग ने मंगलवार को कहा है कि उसने करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। अब करदाता अपने करों का भुगतान आसानी से कर सकेंगे। आयकर विभाग ने एक बयान में कहा, विभाग द्वारा शुरू की गई ई-पे टैक्स सुविधा आपके कर दायित्वों को पूरा करने का एक सुंदर, कुशल और परेशानी मुक्त तरीका है।

विभाग ने आगे कहा कि अब बैंकों में लंबी कतारें, थकाऊ फॉर्म भरने और आखिरी समय में कर भुगतान की चिंता के दिन खत्म हो गए हैं। टैक्स भरने को आसान और सुविधाजनक बनाने के लिए, और लोगों को डिजिटल तरीके से सशक्त करने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, आयकर विभाग ने अपने आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर ई-पे टैक्स सुविधा शुरू की है।

टैक्स भुगतान प्रक्रिया में रुकावटों को दूर करेगी सुविधा- आयकर विभाग ने कहा कि यह सुविधा टैक्स भुगतान प्रक्रिया में रुकावटों को दूर करेगी। साथ ही समय पर टैक्स भरने की संस्कृति को भी प्रोत्साहित करेगी।

ट्रंप के नए टैरिफ ऐलान से प्रॉफिट में आई वारी एनर्जीज

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल निर्माता वारी एनर्जीज के शेयरों में मंगलवार की बंपर तेजी के बाद आज बुधवार को भी तेजी देखी गई। कंपनी के शेयर शुरुआती कारोबार में ही 9 प्रतिशत से अधिक चढ़ गए और 2855 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इसका पिछला बंद प्राइस 2611.85 रुपये था। इससे पहले मंगलवार को भी कंपनी के शेयर 6 प्रतिशत तक चढ़ गए थे। बता दें कि शेयरों में इस तेजी के पीछे शानदार तिमाही नतीजे हैं। इसके अलावा, ट्रंप का एक ऐलान है। दरअसल, अमेरिका द्वारा चार दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों से सोलर इक्विपमेंट के आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाए जाने के बाद सोलर एनर्जी इक्विपमेंट निर्माण कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। सोमवार को कंबोडिया, वियतनाम, मलेशिया और थाईलैंड से आयात पर 3,521 प्रतिशत तक के नए शुल्क लगाए हैं। इससे भारतीय सोलर एनर्जी इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी है।



मार्च तिमाही के नतीजे- इधर, बीते मंगलवार को ही कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम जारी किए। मार्च तिमाही में सौर पैनल निर्माता वारी एनर्जीज लिमिटेड का नेट प्रॉफिट 34.1 प्रतिशत सालाना आधार पर बढ़कर 618.9 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में वारी एनर्जीज ने 461.5 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। कंपनी का रेवेन्यू 36.4 प्रतिशत बढ़कर 4,003.9 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 2,935.8 करोड़ रुपये था। परिचालन स्तर पर, इबीआईटीडीए इस वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 120.6 प्रतिशत बढ़कर 922.6 करोड़ हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 418.3 करोड़ थी। रिपोर्टिंग तिमाही में इबीआईटीडीए मार्जिन 23 प्रतिशत रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 14.3 प्रतिशत था। इबीआईटीडीए ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय है।

भारत और सऊदी अरब मिलकर बिजली ग्रिड कनेक्शन पर काम कर रहे हैं

● समुद्र के नीचे केबल बिछाकर चीन को बड़ा झटका देने की योजना ● प्रधानमंत्री मोदी का वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड सपना साकार होगा



नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और सऊदी अरब मिलकर चीन को हाई वोल्टेज करंट देने की तैयारी में हैं। दरअसल, भारत और सऊदी अरब मिलकर एक बड़ा प्रोजेक्ट शुरू करने वाले हैं। यह प्रोजेक्ट दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करेगा। सऊदी अरब की दो दिन की यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरब न्यूज को बताया, हम भारत और सऊदी अरब के बीच बिजली ग्रिड को जोड़ने की संभावना पर काम कर रहे हैं। इससे पूरे क्षेत्र को फायदा होगा।

दोनों देश समुद्र के नीचे केबल बिछाकर अपनी बिजली ग्रिड को जोड़ेंगे। ये केबल अरब सागर से गुजरेंगी।

क्या है दोनों देशों का प्लान

साल 2023 में भारत और सऊदी अरब ने बिजली के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता किया था। इस समझौते में बिजली के कनेक्शन बनाना, पीक समय और इमरजेंसी में बिजली का आदान-प्रदान करना, प्रोजेक्ट को मिलकर बनाना, ग्रीन/क्लीन हाइड्रोजन और रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन करना शामिल है। साथ ही ग्रीन/क्लीन हाइड्रोजन और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में इस्तेमाल होने वाले सामान की सप्लाई चेन को सुरक्षित और मजबूत बनाना भी इस समझौते का हिस्सा है।

बिजली ग्रिड कनेक्शन क्यों जरूरी है-यह प्रोजेक्ट भारत को सऊदी अरब से तेल और एलपीजी खरीदने वाले देश से बदलकर ग्रीन पावर और हाइड्रोजन एक्सपोर्ट करने वाला देश बना सकता है। सऊदी अरब, भारत के लिए तेल का तीसरा सबसे बड़ा और एलपीजी का सबसे बड़ा स्रोत है। यह प्रोजेक्ट पीएम नरेंद्र मोदी के वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड के सपने को पूरा करने की दिशा में पहला कदम होगा। ओसोवॉगग का मतलब है कि पूरी दुनिया में एक ऐसा ग्रिड हो जिससे ग्रीन पावर को एक देश से दूसरे देश में भेजा जा सके।ओसोवॉग का विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2018 में इंटरनेशनल सोलर एलायंस की पहली बैठक में रखा था। इसका मकसद है कि पूरी दुनिया में एक ऐसा ग्रिड बनाया जाए जिससे रिन्यूएबल एनर्जी को देशों के बीच ट्रांसफर किया जा सके और एनर्जी को लेकर स्थिरता लाई जा सके।

अथर एनर्जी के आईपीओ का ग्रे मार्केट में चल रहा है 321 का भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर में भरोसा है, तो अथर एनर्जी के आईपीओ पर नजर रखें। कंपनी ने अपने शेयर की कीमत 304 रुपये से 321 रुपये के बीच तय की है। आप 28 अप्रैल से 30 अप्रैल तक इस आईपीओ में पैसा लगा सकते हैं। वहीं, बड़े निवेशकों



यानी एंकर इन्वेस्टर्स को 25 अप्रैल को शेयर मिलेंगे। अभी ग्रे मार्केट में अथर के शेयरों की कीमत आईपीओ प्राइस से करीब 15-20 प्रतिशत ऊपर चल रही है। मतलब, लिस्टिंग के दिन शेयरों के भाव अच्छे रह सकते हैं।

शेयर अलॉटमेंट- निवेशकों को 2 मई को पता चलेगा किसे शेयर मिले हैं या नहीं मिले हैं। जिन निवेशकों को शेयर नहीं अलॉट होंगे उनको रिफंड 5 मई को हो जाएगा। आईपीओ की लिस्टिंग 6 मई को होगी। इस दिन बीएसई और ह्स्श पर शेयर की ट्रेडिंग शुरू होगी।

क्या करती है कंपनी- अथर एनर्जी बेंगलुरु की कंपनी है, जो इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाती है। साथ ही, अपना चार्जिंग नेटवर्क और सॉफ्टवेयर भी डेवलप करती है। कंपनी ने पिछले साल के मुकाबले घाटा कम किया है (9 महीने में 578 करोड़ 1ह्य 776 करोड़) और बिक्री बढ़ी है। इसका मुकाबला हीरो मोटोकॉर्प, बजाज ऑटो, टीवीएस मोटर्स जैसी कंपनियों है। इनका क्ष्श्व रेश्यो 20 से 68 के बीच है। कंपनी के मालिक (तरुण मेहता और स्वपनिल जैन) और कुछ बड़े इन्वेस्टर्स अपने शेयर बेचेंगे। कुल मिलाकर 1.1 करोड़ शेयर ह्स्श्व (ऑफर फॉर सेल) के तहत बिकेंगे। अगर आपने आईपीओ में अप्लाई किया है, तो 5 मई तक डीमैट अकाउंट में शेयर दिखने लगेंगे।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 23-04-2025 22:08 Page 1

चार हजार शिक्षकों से जवाब तलब

तीन दिनों में मांगी गयी रिपोर्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। टीचर्स नीड असेसमेंट (टीएनए) परीक्षा के लिए निबंधन नहीं कराने वाले चार हजार शिक्षकों को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) ने शोकॉज किया है। इस संबंध में राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी व अधीक्षकों को पत्र भेजकर कहा है कि जिन शिक्षकों द्वारा टीएनए निबंधन नहीं किया गया है, उनकी समीक्षा जिला स्तर पर की जाए।

साथ ही तीन दिनों के अंदर निबंधन नहीं करने के कारणों को अंकित करते हुए रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए, ताकि विभागीय सचिव को रिपोर्ट सौंपी जा सके।

दरअसल, झारखंड में पहली बार टीचर्स नीड असेसमेंट (टीएनए) परीक्षा 24 से 28 अप्रैल 2025 के बीच होने जा रही है। इसमें 1,10,444 के करीब सरकारी शिक्षकों को 15 अप्रैल तक निबंधन कराना अनिवार्य था, लेकिन जिलावार रिपोर्ट में पता चला कि 1,06,093 शिक्षकों ने ही निबंधन कराया है।



मतलब 96.06 प्रतिशत शिक्षकों ने निबंधन कराया, जो लक्ष्य से चार हजार कम है। रांची जिला में सबसे कम शिक्षकों ने निबंधन कराया है। रिपोर्ट के अनुसार रांची जिला में 7567 शिक्षकों को निबंधन कराना था, लेकिन 7020 शिक्षकों ने ही निबंधन कराया। मतलब 92.77 प्रतिशत शिक्षकों ने निबंधन कराया।

94 प्रतिशत से कम निबंधन कराने वाले जिलों में गुमला, सिमडेगा, गोड्डा, गिरिडीह, गढ़वा, हजारीबाग, रामगढ़ शामिल हैं। वहीं 99 प्रतिशत से अधिक निबंधन कराने वाले जिलों में पूर्वी सिंहभूम और पाकुड़ जिला पहले व दूसरे स्थान पर है।

झारखण्ड में दिखे गर्मी के तेवर

9 जिलों में पारा 40 के पार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। अप्रैल माह समाप्त होने में अभी एक सप्ताह बाकी है और गर्मी के तेवर ने झारखंड में आमजनों की चिंता की लकीरें बढ़ा दी हैं। भीषण गर्मी से परेशान लोग कह रहे हैं कि जब अप्रैल माह में इतनी गर्मी है तो मई और जून की गर्मी तो रुलाएगी। वहीं लगातार बढ़ रही गर्मी ने स्कूली बच्चों की परेशानी बढ़ा दी है। सुबह होते ही तेज धूप का असर शुरू हो जाता है।

ऐसे में स्कूल से लौटते लौटते तो गर्मी से बच्चों की स्थिति खराब हो जा रही है। सूर्यदेव के तेवर ने गर्मी का प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है। आलम यह है कि राज्य के नौ जिलों का तापमान 40 के पार पहुंच गया जबकि 12 जिलों का तापमान 38 और 39 डिग्री के पार पहुंच चुका है। रांची, जमशेदपुर, बोकारो, पलामू, कोडरमा, पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, पूर्वी सिंहभूम,

घरों में दुबके रहे लोग

सरायकेला में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया है।

वहीं, जिला प्रशासन की ओर से भी अब तक स्कूल प्रबंधनों को बढ़ती गर्मी को लेकर कोई दिशानिर्देश जारी नहीं किया गया है। इस कारण बच्चे तपती गर्मी में लाल होते घर पहुंच रहे हैं। शिक्षा विभाग के उच्च पदस्थ कहते हैं कि अब तक विभागीय निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है। जिस कारण स्कूलों की समयसारिणी में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। उम्मीद है कि बढ़ रही गर्मी के मद्देनजर जल्द ही कोई निर्णय लिया जा सकता है। बता दें कि राजधानी का तापमान जहां 38.6 पहुंच गया है तो डाल्टेनगंज का सर्वाधिक 43.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। लोग जरूरी काम होने पर चेहरे को ढंककर निकल रहे हैं।

कड़ी सुरक्षा के बीच नक्सलियों का हुआ पोस्टमार्टम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। बोकारो के गोमिया थाना क्षेत्र के लुगुपहाड़ी जंगल में सोमवार को हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए आठ कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया था। इन सभी नक्सलियों के शव देर रात भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चास स्थित अनुमंडलीय अस्पताल लाए गए, जहां चार सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने मंगलवार की सुबह पोस्टमार्टम किया।

मारे गए नक्सलियों में 2 महिला व 6 पुरुष नक्सली शामिल थे। चौंकाने वाली बात यह रही कि पोस्टमार्टम के बाद भी किसी नक्सली का कोई स्वजन उनका शव लेने नहीं पहुंचा। पोस्टमार्टम के दौरान बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ, सिटी मजिस्ट्रेट कुमार कनिष्क सहित चार दंडाधिकारियों की उपस्थिति रही।

पोस्टमार्टम की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई, ताकि प्रक्रिया की पारदर्शिता बनी रहे। प्रशासन की ओर से मारे गए नक्सलियों के परिजनों को सूचना दे दी गई है, लेकिन अब तक किसी भी परिवार ने शव लेने की पहल नहीं की है। एसडीएम मुकेश मछुआ ने बताया कि शवों को फिलहाल बोकारो जनरल अस्पताल के मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया है।

मुठभेड़ में मारा गया प्रयाग मांझी उर्फ विवेक कोयलांचल क्षेत्र में लंबे समय से आतंक का पर्याय बना हुआ था।

- मारे गए नक्सलियों में 2 महिला व 6 पुरुष
- पोस्टमार्टम के दौरान चार अधिकारी रहे मौजूद
- मुठभेड़ के बाद बरामद हुए थे हथियार व अन्य उपकरण

धनबाद जिले के टुंडी थाना क्षेत्र का रहने वाला प्रयाग कई बड़ी नक्सली घटनाओं का मास्टरमाइंड रहा है। सुरक्षा एजेंसियों के लिए वह लंबे समय से सिरदर्द बना हुआ था।

उसके मारे जाने को पुलिस ने बड़ी उपलब्धि बताया है। बोकारो पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में मारे गए अन्य नक्सली झारखंड के गिरिडीह और बिहार के जमुई जिले से ताल्लुक रखते थे।मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से बड़ी मात्रा में हथियार, नक्सली साहित्य और संचार उपकरण बरामद किए गए हैं। यह संकेत देता है कि मारे गए नक्सली किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस ने कहा कि यह ऑपरेशन नक्सल विरोधी अभियान में एक मील का पत्थर साबित होगा।

पहलगाम घटना पर विवादित पोस्ट, गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी घटना का समर्थन करते हुए आतंकवादियों और पाकिस्तान को थैंक्यू लिखने वाले मुस्लिम युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित का नाम 31 वर्षीय नौशाद है। बालीडीह थाना इलाके के मिल्लत नगर का रहने वाला यह युवक मूल रुप से बिहार का रहने वाला है।

इसके पिता बोकारो इस्पात संयंत्र के सेवानिवृत कर्मी है। बालीडीह थाना पुलिस ने इसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

एक्स हैंडल पर इसका पोस्ट आते ही रात में ही रांची विधायक सीपी सिंह और बोकारो के पूर्व विधायक विरंची नारायण ने एसपी बोकारो को फोन कर इसे तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की थी। बालीडीह थानेदार नवीन कुमार सिंह ने इसकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

पहलगाम आतंकी हमले में मृतकों में महाराष्ट्र (6), पश्चिम बंगाल



(2), उत्तराखंड (1), हरियाणा (1), उत्तर प्रदेश (1), बिहार (1), पंजाब (1), केरल (1), गुजरात (3), कर्नाटक (3), ओडिशा (1), आंध्र प्रदेश (1), मध्य प्रदेश (1) और अरुणाचल प्रदेश (1) सहित कई राज्यों के लोग शामिल हैं। इसके अलावा, नेपाल का एक पर्यटक और पहलगाम के एक स्थानीय व्यक्ति ने भी जान गंवाई। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की शाखा द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आतंकवादियों ने पहचान-पत्रों की जांच की और गैर-मुस्लिमों को निशाना बनाकर गोली मार दी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के बयान से राजनीति में मची खलबली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी घटना ने पूरे भारत को खासा क्षति पहुंचाई है। हर एक नागरिक मर्माहत हैं। वहीं, राजनीतिक दलों के द्वारा लगातार बयानबाजी की जा रही है। इसी बीच झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा, आतंकियों के समर्थन में राज्य में जश्न मनाई जा रही थी। पिछले दिनों कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के द्वारा पर्यटकों पर हमला कर उनकी निर्मम हत्या कर दी गई, जिसकी निंदा पूरा भारत कर रहा है, हर कोई चाह रहा है आतंकवादियों से बदला लिया जाए। वहीं, दूसरी ओर राजनीतिक पारा भी चढ़ चुका है। झारखंड में बयानबाजी तेज है। इसी कड़ी में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने



बड़ा दावा कर दिया है।

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि जब कश्मीर में आतंकी हमले हुए पूरा देश दुखी था। लेकिन झारखंड में कुछ लोग जश्न मना रहे थे। फेसबुक पोस्ट किए जा रहे थे। झारखंड भी भारत का एक राज्य है और हमारे राज्य में ऐसे देश विरोधी निवास कर रहे हैं, यह शर्म की बात है। उन्होंने आतंकी घटना की निंदा करते हुए कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार हुआ की आतंकवादियों ने पर्यटकों की हत्या उनका धर्म पूछकर किया। हमें पूर्ण विश्वास है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार जरूर आतंकवादियों पर कार्रवाई कर उन्हें बक्सेगी नहीं।

उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार में एक मंत्री पर पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड सरकार के एक मंत्री हैं, जिनके लिए शरीयत संविधान से ज्यादा ऊपर है। ऐसे लोगों के वजह से झारखंड में संविधान विरोधियों की हिम्मत बढ़ रही है। झारखंड सरकार मंत्री को जल्द मंत्रिमंडल से बर्खास्त करे।

गैंगस्टर अमन साहू की फाइल देखेगी सीआइडी

11 मार्च को हुआ था एनकाउंटर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के अंधारीढोड़ा में 11 मार्च को मुठभेड़ में मारे गए गैंगस्टर अमन साहू के मामले में सीआइडी ने जांच शुरू कर दी है।

सीआइडी ने चैनपुर थाने में तत्कालीन एटीएस के इंस्पेक्टर प्रमोद सिंह के बयान पर दर्ज प्राथमिकी को टेकओवर करते हुए सीआइडी थाने में नया केस दर्ज किया है और अनुसंधान शुरू कर दिया है।

सीआइडी ने चैनपुर थाने में दर्ज केस की फाइल, संबंधित दस्तावेज आदि को भी अपने जिम्मे ले लिया है। अमन साहू उर्फ अमन साव मामले में उसकी मां ने झारखंड उच्च न्यायालय में शिकायत की है, जिसमें अभी सुनवाई नहीं हुई है।

अमन साहू कुख्यात अपराधी था। रांची के एक केस में उसे झारखंड एटीएस की टीम छत्तीसगढ़ के रायपुर जेल से ट्रांजिट रिमांड पर लेकर लौट रही थी।

11 मार्च की सुबह पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र में अमन साहू ने पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। उसने एक जवान का इंसास भी छीन लिया था और एटीएस के जवानों पर फायरिंग की थी।

जवाबी कार्रवाई में वह मारा गया था। इस घटना में एटीएस का जवान भी जख्मी हो गया था।

शराब दुकानों में खुलेआम मची है लूट, क्रेता में रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य में शराब दुकानों में लूट मची है। दुकानदार खुलेआम लोगों को लूट रहे हैं। उत्पाद विभाग की मौन सहमति ने दुकानदारों का मनोबल बढ़ा रखा है।

दुकानदारों को भी पता है कि नई उत्पाद नीति डेढ़-दो महीने में लागू हो जाएगी, तब तक जितना लूट सकते हैं लूट लें। उन्हें कार्रवाई का कोई भय नहीं। डंके की चोट पर ये लोगों की जेब काट रहे हैं।

जिन दुकानों को शराब बेचने का ठेका है, उन्होंने 31 मार्च 2025 तक की ही बैंक गारंटी दे रखी थी। 31 मार्च के बाद उनका अवधि विस्तार तो हुआ, लेकिन उससे संबंधित न कैबिनेट का अप्रूवल मिला और न हीं उनसे बैंक गारंटी लिया गया।

इसका नतीजा यह है कि उनमें कार्रवाई का कोई भय नहीं। 140 की बियर 170 रुपये में बेच रहे हैं। एमआरपी से पहले भी अधिक की वसूली हो रही थी।

फ्रीज करने के एवज में बियर पर एमआरपी से 10 रुपये अधिक लिए जा रहे थे। अब तो सीधे 30 से 40 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। रांची, धनबाद, हजारीबाग, साहिबगंज सहित विभिन्न जिलों से यही सूचना है। दुकानदार निरंकुश हो चुके हैं।

दुकानदारों का कहना है कि अधिकारियों तक को कमीशन देना पड़ता है, आप शिकायत करेंगे भी तो किसे करेंगे। सब सेट हैं।

ब्रांडेड शराब, बियर आदि आउट ऑफ स्टाक हो चुके हैं। कुल मिलाकर लोकल ब्रांड ही बाजार में उपलब्ध हैं। इक्का-दुक्का लोकल ब्रांड मिल जाएंगे।

बड़े व चर्चित ब्रांड बाजार से गायब हैं। शराब दुकानों का मुआयना करें तो लग जाएगा कि सभी पुराने स्टाक क्लियर करने में जुटे हुए हैं।

राज्य में शराब की बिक्री में शामिल मैन पावर आपूर्ति करने वाली प्लेसमेंट एजेंसी हजारीबाग की विजन हॉस्पिटैलिटी सर्विस एंड कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड व धनबाद में मार्शन इनेवेटिव सिक्युरिटी प्राइवेट लिमिटेड ने जेएसबीसीएल को फर्जी बैंक गारंटी देकर कायार्देश लिया था। दोनों एजेंसियों ने जिन बैंकों की बैंक गारंटी दी थी, उन बैंकों ने भी जेएसबीसीएल को लिखकर दे दिया कि बैंक गारंटी फर्जी है।

इसके बावजूद ये कंपनियां कार्यरत हैं। न इन्हें काली सूची में डाला गया, न इनपर एफआइआर हुआ। कुछ दिन पहले झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता राजीव कुमार ने भी झारखंड पुलिस के आनलाइन एफआइआर पोर्टल पर लिखित शिकायत कर डोरंडा थाने में प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया था।

इन सभी बिंदुओं पर उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के सचिव मनोज कुमार, आयुक्त उत्पाद सह महाप्रबंधक जेएसबीसीएल विजय कुमार सिन्हा को मैसेज व कॉल से संपर्क करने की कोशिश की गई।

अभियान चलाकर जेसीबी से अवैध निर्माण को किया गया जमींदोज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। टाटानगर लैंड डिमार्टमेंट ने अभियान चलाकर कीताडीह गडिवानपट्टी के निकट रेलवे की जमीन पर बने 18 एवं खासमहल जगर्नाथ मंदिर के पीछे 2 अवैध निर्माण को जेसीबी के माध्यम से जमींदोज कर दिया।

रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बसे लोगों को 15 दिन पूर्व ही घर खाली करने का नोटिस दे दिया गया था। जिस स्थान को अतिक्रमण मुक्त कराया गया वहां वर्षों से लोग घर बनाकर रह रहे थे।

एइएन के नेतृत्व में चले इस अभियान में आरपीएफ व जिला पुलिस के जवान मौजूद थे। अभियान के दौरान किसी की ओर से विरोध दर्ज नहीं किया गया।

मालूम हो कि टाटानगर स्टेशन के री डेवलपमेंट का कार्य आरंभ होना है। इसको लेकर रेलवे अपनी जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने



का अभियान चला रही है। जमीनों को चिन्हित करने का कार्य पूरा कर लिया गया है।

उधर, टाटा वर्कर्स यूनियन ने केंद्र सरकार से 365 दिनों के लिए आयात पर सेफ गार्ड ड्यूटी लागू करने का आग्रह किया है ताकि घरेलू इस्पात उद्योग तथा इससे जुड़े इकाइयों को भी फायदा होगा।

हालांकि, यूनियन ने केंद्र सरकार द्वारा घरेलू उत्पादों को आयात में वृद्धि से बचाने के लिए हॉट रोल्ड क्वायल शीट, प्लेट सहित पांच उत्पादों पर 12 प्रतिशत सेफ गार्ड ड्यूटी लगाने के फैसले का स्वागत किया है तथा सरकार को बधाई दी है।

यह फैसला 21 अप्रैल से 200 दिनों के लिए लागू किया गया है। इस मुद्दे को लेकर मंगलवार को यूनियन पदाधिकारियों की बैठक हुई।

बैठक में अध्यक्ष संजीव चोधरी ने कहा कि इसके लिए यूनियन ने पहल किया था। पीएमओ को ज्ञापन भी सोंपा था। इंटक अध्यक्ष को भी ज्ञापन सौंपकर मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था।

बैठक में अध्यक्ष के अलावा महासचिव सतीश सिंह, डिप्टी प्रेसिडेंट शैलेश सिंह, कोषाध्यक्ष आमोद दुबे, उपाध्यक्ष संजय सिंह, शाहनवाज आलम, राजीव चोधरी, राजीव चोधरी, सहायक सचिव अजय चोधरी,श्याम बाबू व नितेश राज उपस्थित थे।

झारखण्ड में होने जा रही तीन फिल्मों की शूटिंग, कलाकारों में उत्साह

स्थानीय कलाकारों में दिख रहा गजब का जोश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ फिल्म एसोसियशन (आरएफए) से जुड़े पदाधिकारियों ने मंगलवार को नाट्य रंगमंच के लिए उपायुक्त से मुलाकात की। इसमें नाट्य रंगमंच के लिए स्थल का चयन को लेकर चर्चा हुई। उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को आस्वस्त करते हुए कहा की बहुत जल्द ही रामगढ़ में नाट्य रंगमंच के लिए हाल की व्यवस्था होगी। जहां लोग मनोरंजन के साथ साथ अपनी कला का प्रदर्शन कर सके सकेंगे।

वहीं, एसोसियशन के लोगों ने उपायुक्त को रामगढ़ में होने जा रहे तीन फिल्मों की शूटिंग की जानकारी



भी दी। जिला में जल्द ही तीन फिल्मों की शूटिंग शुरू होने जा रही है। पहली फिल्म वेब सीरीज है जिसका नाम है मोनिका दत्ता। फिल्म का निर्देशन और कहानी संजय बनारसी की है।यह सस्पेंस थ्रिलर फिल्म भरपूर मनोरंजन और मारधाड़ एक्शन से भरपूर होगी। इसमें विमल शर्मा, विनोद सिंह, धर्मेंद्र शर्मा, मनीष के अलावे रामगढ़ फिल्म एसोसियशन से जुड़े कलाकार काम करते हुए नजर आएंगे। वहीं दूसरी फिल्म जिसका नाम मंजरी है। इसके निर्माता निर्देशक बिनोद कुमार सिंह है। इस फिल्म में भी रामगढ़ फिल्म एसोसियशन से जुड़े कलाकार काम करते हुए नजर आएंगे। यह लघु फिल्म है जिसकी कहानी एक खूबसूरती मंजरी नामक लड़की पर आधारित है। इस फिल्म में बिनोद सिंह, धर्मेंद्र शर्मा शामिल हैं। इस फिल्म के लिए अन्य कलाकारों का चयन जारी है। वहीं तीसरी हिंदी हॉरर शार्ट फिल्म इंतजार है। यह फिल्म प्रजापति पिक्चर्स यूट्यूब चैनल पर रिलीज होने वाली है।

धनबाद से मुम्बई के लिए चलेगी एक और स्पेशल ट्रेन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद से मुंबई के लिए एक और साप्ताहिक ट्रेन चलेगी। धनबाद रेल मंडल के प्रस्ताव पर रेलवे बोर्ड ने नई ट्रेन को स्वीकृति दे दी है। धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल ट्रेन धनबाद से 26 तथा लोकमान्य तिलक से 27 अप्रैल से चलेगी। रेलवे ने इस बार यात्रियों की शिकायत भी दूर कर दी है।

नई साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन में स्लीपर व जनरल कोच भी जोड़े जाएंगे। वातानुकूलित श्रेणी की तुलना में स्लीपर व जनरल कोच अधिक रहेंगे। बुधवार से इस ट्रेन में टिकटों की बुकिंग शुरू होने की संभावना है।

धनबाद होकर चलने वाली हावड़ा-मुंबई मेल में सालोंभर वेटिंग लिस्ट रहती है। दो महीने पहले बुकिंग खुलते ही सीटें भर जाती हैं, जिससे मुंबई जानेवाले यात्रियों को असुविधा होती है। अब सप्ताह में दो ट्रेन मिल जाने से धनबाद व बोकारो समेत राज्य के बड़े हिस्से के यात्रियों के लिए मुंबई की राह आसान हो जाएगी।

03327 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल 26 अप्रैल से 28 जून तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी। धनबाद से सुबह 08.00 बजे चलकर रविवार की शाम 5:30 पर लोकमान्य तिलक पहुंचेगी।

03328 लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल 27 अप्रैल से 29 जून तक प्रत्येक रविवार को चलेगी। लोकमान्य तिलक से रात 8:00 बजे चलकर मंगलवार की सुबह 8:40 पर धनबाद पहुंचेगी।

धनबाद से कतरास, चंद्रपुरा, बोकारो थर्मल, रांची रोड, पतरातु, खलारी, लातेहार, डालटनगंज, गढ़वा रोड, रेणुकूट, ओबरा डैम, सिंगरौली, बरगवां, ब्योहारी, कटनी साउथ, मदन महल, पिपरिया, इटारसी, खंडवा, भुसावल, मनमाड व कल्याण होकर लोकमान्य तिलक पहुंचेगी।

साधारण श्रेणी के छह कोच, स्लीपर के छह कोच, थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी के चार, थर्ड एसी के दो एवं सेकेंड एसी के दो कोच जोड़े जाएंगे।

चंडीगढ़ से धनबाद के बीच चलने वाली एसी स्पेशल ट्रेन अपने अंतिम फेरे में 18 घंटे 40 मिनट विलंब से चली। सुबह नौ बजे के बदले बुधवार अलसुबह पहुंचने की संभावना है। इस वजह से धनबाद से लोकमान्य तिलक के बीच चलने वाली एलटीटी स्पेशल ट्रेन मंगलवार की रात नहीं चल सकी।

रात 10:30 पर चलने वाली ट्रेन 13 घंटे 30 मिनट विलंब से बुधवार दोपहर 12 बजे चलने की सूचना जारी की गई। लेटलतीफी के कारण यात्री पूरी रात परेशान रहे।

पूर्व रेलवे

डेपुटी सीपीएम/इंजी/जीएसयू, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं वांछित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: ई-निविदा सं.: 02_2025-26, दिनांक 22.04.2025, कार्य का विवरण: पूर्व रेलवे के अधीन हावड़ा मंडल में लेवल क्रॉसिंग सं. 23/ए के उन्मूलन के संबंध में सेवड़ाफुली-तारकेश्वर लाइन में बाहिरखण्ड-तारकेश्वर के बीच बो स्ट्रिंग गर्डर युक्त रोड ओवर ब्रिज का निर्माण। अनुमानित लागत: रु. 76,46,88,842.86; बयाना राशि: रु. 39,73,500; निविदा प्रपत्र की कीमत: शून्य; समापन अवधि: स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 18 महीने। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 19.05.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। निविदाओं का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत का भुगतान सिर्फ ऊपर उल्लेखित वेबसाइट के जरिए नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। टिप्पणी: आईआरईपीएस (ई-टेंडर पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट रिसिप्ट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (HWH-41/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

थप्पड़ से किया घायल, लाईव मैच में धराशायी हुआ ये खिलाड़ी, पाकिस्तान सुपर लीग में चौंकाने वाला मामला



कराची, एजेंसी। पाकिस्तान में चल रही टी20 लीग से चौंकाने वाला मामला सामने आया है. वहां 22 अप्रैल को मुल्तान सुल्तांस और लाहौर कलंदर्स के बीच खेले मुकाबले में घटी एक घटना ने सबका ध्यान खींचा है. मामला थप्पड़ मारने और उससे एक खिलाड़ी के घायल होने से जुड़ा है. हालांकि, ये सबकुछ जान-बूझकर नहीं हुआ. फिर भी गलती से हुई वो मिस्टेक उस खिलाड़ी को जमीन पर गिराने के लिए काफी रही, जिसे थप्पड़ लगा. मामला मुल्तान सुल्तांस के दो खिलाड़ियों उबैद शाह और उस्मान खान से जुड़ा है. मैच में ये घटना लाहौर कलंदर्स की इनिंग के 15वें ओवर में घटी. इस ओवर की आखिरी गेंद पर उबैद शाह ने सैम बिलिंग्स का विकेट लिया. जिसका जश्न मनाने के चक्कर में उबैद शाह, विकेटकीपर उस्मान खान को हाई-फाई देने गए. मगर वो उसका सही से अंदाजा नहीं लगा पाए और वो सीधा थप्पड़ की तरह उनके चेहरे पर लगा. इस घटना में उस्मान खान को थोड़ी चोटें आई और वो जमीन पर भी धराशायी हुए पड़े दिखे. हालांकि, अच्छी बात ये रही कि विकेटकीपर उस्मान खान अपना खेल आगे जारी रखते दिखे. उन्होंने उस घटना के बाद मैच में एक कैच भी पकड़ा. वहीं उबैद शाह की बात करें तो मैच में 4 ओवर में 37 रन देकर उन्होंने 3 विकेट लिए, जिसमें सैम बिलिंग्स उनका आखिरी शिकार रहे. उबैद शाह और उस्मान खान की टीम मुल्तान सुल्तांस मुकाबला जीतने में कामयाब रही. उसने लाहौर कलंदर्स को 33 रन से हराया. पहले खेलते हुए मुल्तान सुल्तांस ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 228 रन बनाए थे, जिसमें उस्मान खान का योगदान 24 गेंदों पर 39 रन का रहा था. लाहौर कलंदर्स ने 229 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर सिर्फ 195 रन ही बनाए.

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टैकपोल का निधन, गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी 207 रन की यादगार पारी



सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज कीथ स्टैकपोल का हृदयघात से निधन हो गया है। वह 84 वर्ष के थे। उन्होंने वर्ष 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पर्दापण किया। स्टैकपोल ने ऑस्ट्रेलिया के 43 टेस्ट मैच खेले और 7 शतक के साथ 2087 रन बनाए। इसके साथ ही उन्होंने लेग स्पिन गेंदबाज के रूप में 15 विकेट भी लिए। उन्होंने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टेस्ट शतक बनाया। उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 207 रन 1970 में गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 55.21 की औसत से तीन शतक बनाए। इयान चैपल की कप्तान में 1972 की एशेज में उन्होंने 53.88 की औसत से 485 रन बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। स्टैकपोल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कुल मिलाकर 10,100 रन बनाए और 148 विकेट लिए। वे एक प्रमुख टीवी और रेडियो कमेंटेटर भी रहे। उन्हें 1973 में विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया। स्टैकपोल ने 1974 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने कहा, 'कीथ क्रिकेट के खेल में सबसे महान योगदानकर्ताओं में से एक थे और उनकी विरासत भविष्य में भी कायम रहेगी।

राहुल बने सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाज



लखनऊ, एजेंसी। केएल राहुल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ने मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) पर दिल्ली कैपिटल्स की आठ विकेट की जीत के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। राहुल ने 130 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की और इस सूची में डेविड वॉर्नर (135), विराट कोहली (157), एबी डिविलियर्स (161) और शिखर धवन (168) को पीछे छोड़ दिया।

आईपीएल 2024 में (लखनऊ सुपर जायंट्स) के लिए कप्तानी कर चुके राहुल इस साल दिल्ली कैपिटल्स के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर खेल रहे हैं। गत वर्ष राहुल की लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक से तीखी नोकझोंक के बाद फ्रैंचाइजी द्वारा उन्हें रिलीज कर दिया गया था। राहुल ने लखनऊ सुपर जायंट्स के सामने 42 गेंदों पर पर नाबाद 57 रनों का पारी खेली। उन्होंने एडन मारक्रम, दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई के स्पिन आक्रमण के खिलाफ सावधानी से बल्लेबाजी की। हालांकि, बीच-बीच में वह अपने शॉट्स भी खेलते रहे। राहुल ने 40 गेंदों में तीन चौकों और 3 छक्कों की मदद से अर्धशतक बनाया और अक्षर पटेल के साथ मिलकर लखनऊ के गेंदबाजों को वापसी करने का मौका नहीं दिया। उन्होंने प्रिंस यादव की गेंद पर छक्का लगाकर मैच अपने नाम कर लिया। राहुल इस सीजन में जबरदस्त फॉर्म में हैं, वह हाल ही में 200 आईपीएल छक्के लगाने वाले सबसे तेज भारतीय बने और वे वेस्टइंडीज के बड़े हिटर क्रिस गेल और आंद्रे रसेल के बाद तीसरे सबसे तेज खिलाड़ी हैं।

राहुल इस सीजन में दिल्ली के लिए शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने इस मौके पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इस सीजन में उनका स्ट्राइक रेट 155.67 रहा है जो लीग में उनके 12 सीजन का दूसरा सबसे अधिक स्ट्राइक रेट है। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने आठ पारियों में 359 रन बनाए हैं और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ रहा, जब उन्होंने नाबाद 93 रन की पारी खेली और टीम को छह विकेट से जीत दिलाई। राहुल निजी कारणों के चलते दिल्ली कैपिटल्स के लिए अपना पहला मैच नहीं खेल पाए थे।

केएल राहुल और विराट कोहली के बीच हैरतअंगेज संयोग, इस लत के बारे में जानकर ठनक जाएगा माथा

नई दिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल और विराट कोहली. दोनों दो अलग बल्लेबाज. खेलने का अंदाज अलग, मिजाज अलग. लेकिन, लत दोनों को एक सी लगी है. आदत दोनों की एक सी दिख रही है.



दोनों को लगी लत का नतीजा अब ये है कि उनके साथ एक हैरतअंगेज संयोग जुड़ चुका है. सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि दोनों को लत क्या लगी है? उसके तार आईपीएल में रन चेज कर इनके मैच जिताने से जुड़ते हैं. और, संयोग ये है कि उस मामले में दोनों की कहानी पिछले 7 सालों से हूबहू एक सी है. आईपीएल में चेज करते हुए टीम को जिताने के दौरान केएल राहुल ने जितने रन बनाए हैं, पिछले 7 सालों में उतने ही रन विराट कोहली के बल्ले से भी निकले हैं. मतलब साल 2018 से अब तक कोहली और राहुल आईपीएल में चेज कर रन बनाने और मैच जिताने के मामले में एक जैसे हैं. आईपीएल में विनिंग चेज में विराट कोहली ने साल 2018 से अब तक 1222 रन बनाए हैं. इतने ही रन इस दौरान केएल राहुल के भी हैं.

आईपीएल 2025: दिल्ली कैपिटल्स करने जा रही इस बार भी प्लेऑफ में एंट्री! आंकड़े दे रहे गवाही



नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 8 विकेट से मात दे दी। इस मैच में मुकेश कुमार ने चार विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई, जिसके चलते उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड मिला। यह आईपीएल 2025 का 40वां मैच था, जिसमें दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी फॉर्म का एक बार फिर प्रदर्शन किया। यह टीम अपने 8 मैचों में अभी तक 6 जीत दर्ज कर चुकी है और प्लेऑफ में जाने की प्रबल दावेदार के तौर पर उभरी है। अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश कर रही डीसी की टीम के लिए यह इस लीग के इतिहास में पांचवां मौका है, जब उन्होंने अपने शुरुआती आठ मैचों में छह जीत दर्ज की हैं।

ताजा जीत से अंक तालिका में दूसरे स्थान पर मौजूद डीसी की टीम ने इससे पहले सीजन 2009, 2012, 2020, 2021 में शुरुआती आठ मैचों में छह जीत दर्ज की थी। खास बात यह है कि इन चारों मौकों पर डीसी की टीम ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है। ऐसे में आंकड़े अगर कुछ इशारा करते हैं, तो इस बार भी दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ में जाने के लिए बड़ा कदम बढ़ा चुकी है। आईपीएल 2025 में प्रत्येक टीम को 14-14 मैच खेलने हैं। दिल्ली कैपिटल्स की टीम गुजरात टाइटंस के साथ टॉप-2 पर मौजूद है। दोनों ही टीमों ने आठ मैचों में छह जीत दर्ज की हैं। हालांकि नेट रन रेट के आधार पर डीसी को दूसरा स्थान मिला है। इस मैच में केएल राहुल अपनी पुरानी टीम के खिलाफ खेल रहे थे और उन्होंने 42 गेंदों पर 57 रनों की पारी खेली, जिसमें वह नाबाद पवेलियन लौटे। राहुल एक शानदार बल्लेबाज रहे हैं, जिन्होंने आईपीएल में सबसे तेज 5,000 रन भी पूरे कर लिए हैं। राहुल ने इसके लिए केवल 130 पारी ली हैं। डेविड वार्नर ने इससे पहले 135 पारियों में पांच हजार रन पूरे किए थे। विराट कोहली 157 पारियों में ऐसा कर चुके हैं।

3272 दिन के बाद ऋषभ पंत के साथ हुआ ऐसा, कुछ नहीं लगा हाथ, आईपीएल में खराब प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल 2025 में वो कमाल नहीं कर पा रहे हैं जिसके लिए वो जाने जाते हैं। पंत बल्लेबाजी के मोर्चे पर पूरी तरह से फेल नजर आ रहे हैं। दिल्ली के खिलाफ बैटिंग के लिए वो मैदान पर आए, लेकिन डक पर आउट हो कर वापस लौट गए। दिल्ली ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और इस टीम ने लखनऊ को 159 रन पर रोक दिया। इस मैच में पंत, आयुष बदोनी के आउट होने के बाद सातवें नंबर पर बैटिंग करने उतरे जब दो गेंदें शेष बची थी। वो एक भी रन नहीं बना पाए और उन्हें मुकेश कुमार ने डक पर आउट कर दिया। इस तरह से पंत का खराब प्रदर्शन लगातार जारी रहा। पंत ने साल 2016 के बाद अब जाकर आईपीएल के किसी मैच में सातवें या उससे निचले क्रम पर बैटिंग के लिए उतरे। पंत ने इस साल दिल्ली के लिए दो बार 7 या उससे निचले क्रम पर बैटिंग की थी, लेकिन इस नंबर पर वो चल नहीं पाए थे। एक बार फिर से वो 3272 दिन के बाद इस नंबर पर बैटिंग के लिए आए और उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ। इस सीजन में वो दूसरी बार डक पर आउट हुए। इससे पहले वो इस सीजन के पहले मैच में भी डक पर आउट हुए थे। पंत साल 2016 में पहली बार केकेआर के खिलाफ 8वें नंबर पर बैटिंग के लिए उतरे थे और उस मैच में उन्होंने नाबाद 4 रन की पारी खेली थी।





तीन साल में पहली बार मैड्रिड ओपन में उतरेंगे जोकोविच

मैड्रिड, एजेंसी। जोकोविच मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन रहे हैं। उन्होंने 2011, 2016 और 2019 में यहां खिताब जीते हैं। वह 2022 के सेमीफाइनल में अल्कारेज से हार के बाद यहां पहली बार खेलेंगे। पूर्व चैंपियन नोवाक जोकोविच तीन साल में पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में उतरेंगे। उनकी निगाह अपने 100वें टूर खिताब पर होगी। जोकोविच को चौथी वरीयता दी गई है और वह उसी हाफ में हैं जिसमें दूसरी वरीयता प्राप्त स्थानीय दर्शकों के चहेते कार्लोस अल्कारेज होंगे। जोकोविच का मैड्रिड ओपन में जीत हार का रिकॉर्ड 30-9 का है। 37 वर्षीय जोकोविच मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन रहे हैं। उन्होंने 2011, 2016 और 2019 में यहां खिताब जीते हैं। वह 2022 के सेमीफाइनल में अल्कारेज से हार के बाद यहां पहली बार खेलेंगे। हाल में म्यूनिख में खिताब जीतने वाले दुनिया के दूसरे नंबर के अलेक्जेंडर ज्वेरेव यहां शीर्ष वरीय होंगे, जबकि तीसरी वरीयता टेलर फ्रिट्ज को दी गई है।

राजस्थान के खिलाफ घरेलू मैदान पर रिकॉर्ड में सुधार करने उतरेगा आरसीबी

बेंगलुरु एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में जब राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने रिकॉर्ड में सुधार करना होगा। आरसीबी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उन सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा है। आरसीबी ने देश के अन्य स्थानों पर अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन अपने घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन के कारण उसको नुकसान हो रहा है। आरसीबी के बल्लेबाज अजीब तरह के दबाव में नजर आ रहे हैं जबकि उसके गेंदबाज भी यहां की पिच से सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं। यहां की पिच धीमी है और आरसीबी के बल्लेबाज उस पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। वह इस दुविधा में नजर आते हैं कि संभलकर खेला जाए या फिर आक्रामक रवैया अपनाया जाए। इसका सबूत यहां टीम का स्कोर है। आरसीबी की टीम अभी तक यहां आठ विकेट पर



169 रन, सात विकेट पर 163 रन और नौ विकेट पर 95 रन (14 ओवर में) ही बना पाई है। अन्य स्थानों पर उन्होंने प्रति ओवर 9-10 रन बनाए हैं, लेकिन यहां यह दर गिरकर 7-8 रन प्रति ओवर हो गई है। आरसीबी की बल्लेबाजी के मुख्य आधार विराट कोहली ने अभी तक इस सत्र में 64 की औसत से रन बनाए हैं लेकिन फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल और कप्तान रजत पाटीदार से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। आरसीबी के गेंदबाज भी पिच से मदद मिलने के बावजूद उसका फायदा नहीं उठा पाए हैं। आरसीबी को अगर अपने घरेलू मैदान पर हार का सिलसिला तोड़ना है तो उसके गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी के 10 अंक हैं और वह तालिका में तीसरे स्थान पर है लेकिन पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के भी 10 अंक हैं। मुंबई इंडियंस आठ अंकों के साथ उनसे ज्यादा दूर नहीं है। राजस्थान रॉयल्स की भी अपनी समस्याएं हैं। कप्तान संजू सैमसन चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। उनकी अनुपस्थिति में रियान पराग कप्तानी करेंगे। रॉयल्स के अभी चार अंक हैं और वह अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। राजस्थान के प्रमुख बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, पराग, शिमरोन हेटमायर और नितीश राणा आठ मैचों में छह हार के बावजूद अच्छी फॉर्म में हैं और युवा वैभव सूर्यवंशी द्वारा की गई शुरुआत भी उत्साहजनक है। लेकिन राजस्थान के गेंदबाजों ने अभी तक निराश किया है।

वानिंदु हसरंगा (छह मैच में नौ विकेट) ने उसकी तरफ से अभी तक सर्वाधिक विकेट लिए हैं लेकिन श्रीलंकाई स्पिनर ने एक मैच में चार विकेट लिए हैं और बाकी में संघर्ष किया है। जोफ्रा आर्चर (आठ मैच, आठ विकेट), महेश थीक्षाना (आठ मैच, सात विकेट) और संदीप शर्मा (आठ मैच, छह विकेट) भी कुछ ऐसी ही कहानी पेश करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में सूरज उगलेगा आग, लू के थपेड़े झेलने को हो जाएं तैयार



नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्लीवालों को एक बार फिर लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं। मौसम विभाग ने राजधानी में तापमान में बढ़ोतरी और लू (हीट वेव) का पूर्वानुमान एवं चेतावनी जारी है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में एक बार फिर तापमान में बढोतरी दर्ज की जा सकती है। विभाग ने लू चलने की चेतावनी दी है। विभाग ने बुधवार को आसमान साफ ??रहने तथा 10 से 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 41 और 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। अगले पांच दिनों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। बुधवार को अधिकतम तापमान तापमान 39-42 डिग्री सेल्सियस और 24-26 अप्रैल के दौरान 41-43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। लू की स्थिति की संभावना के चलते 24-26 अप्रैल के दौरान दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। राजधानी में मंगलवार को तेज धूप और गर्म हवाओं ने गर्मी का अहसास और गहरा कर दिया। हालांकि कुछ समय के लिए चलीं सतही हवाएं (10 से 20 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार) ने लोगों को थोड़ी राहत देती रहीं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों में आसमान साफ रहेगा और अधिकतम तापमान करीब 41 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 20.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 1.8 डिग्री कम था। बीते 24 घंटे में राजधानी में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। फिलहाल, गर्मी से राहत की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बुधवार को चमकदार सूरज निकलेगा। 20 किलोमीटर की स्पीड से गर्म हवाएं चल सकती हैं। गुरुवार को तेज धूप के कारण तापमान 42 डिग्री तक पहुंच सकता है। शुक्रवार को भी गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

शीर्ष अदालत ने 2008 में पत्नी और चार बच्चों की हत्या करने वाले व्यक्ति की मौत की सजा घटाई

नईदिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक व्यक्ति की मौत की सजा को बदलकर मृत्यु पर्यंत उम्र कैद में तब्दील कर दिया। उसे 2008 में अपनी पत्नी और चार बच्चों की नृशंस हत्या और अपनी 12 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म के बाद जान से मारने के लिये दोषी ठहराया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने रेजी कुमार उर्फ ??रेजी की दोषसिद्धि को बरकरार रखा, लेकिन 16-17 साल की कैद में उसके अच्छे आचरण के कारण उसकी मौत की सजा को अंतिम सांस तक कारावास में बदल दिया। पीठ ने अपने फैसले में कहा, ''रमेश ए नायक बनाम रजिस्ट्रार जनरल, कर्नाटक उच्च न्यायालय (2025 का फैसला) में की गई चर्चा को ध्यान में रखते हुए और इस तथ्य पर विचार करते हुए कि दोषी-अपीलकर्ता का अपराध का कोई पिछला इतिहास नहीं था; पिछले 16-17 वर्षों के कारावास के दौरान उसके अच्छे आचरण; मानसिक स्वास्थ्य में कठिनाइयों और एक आदर्श कैदी बनने के लिए लगातार प्रयास को देखते हुए हम पाते हैं कि मृत्युदंड देना अनुचित होगा।'' पीठ ने कहा, ''इसलिए, उसे मृत्युदंड नहीं दिया जा रहा है। हालांकि, अपराध की गंभीरता, मारे गए लोगों की संख्या, जिसमें पांच में से चार उसके अपने बच्चे थे, को देखते हुए, हमारा मानना है कि उसे रिहा नहीं किया जाना चाहिए और हम निर्देश देते हैं कि वह अपनी अंतिम सांस तक जेल में बिताए ताकि वह अपने द्वारा किए गए।

कोई भी कश्मीरी कभी किसी पर्यटक को निशाना नहीं बनाता

पहलगाम हमले पर बोले संजय सिंह





नईदिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक पर्यटक स्थल पर मंगलवार को हुए आतंकी हमले में आतंकियों ने 26 पर्यटकों की जान ले ली। आतंकवादियों ने लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा। इस आतंकी घटना को लेकर देश के लोगों में भयानक गुस्सा है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी इस घटना को लेकर कड़ा रोष जताते हुए केंद्र सरकार से आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने और उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब देने को कहा है।

संजय सिंह ने कहा, 'भारत के अंदर आतंकवादियों का पिछले कई वर्षों में सबसे बड़ा हमला है। कश्मीर में जो भी वारदातें हुई हैं, आतंकवादी घटनाएं हुई हैं, कभी पर्यटकों को निशाना नहीं बनाया गया। लेकिन ये कायराना और दरिंदगी भरी हरकत, दुस्साहस, निहत्थे लोगों को निर्ममता से मारने का काम आतंकवादियों ने पहलगाम, कश्मीर में किया है।'

आगे उन्होंने कहा, इससे एक बात यह भी साबित होती है, ये देश के दुश्मन तो हैं, भारत की शांति को तो भंग करना चाहते हैं, दरिंदगी, हैवानियत और आतंकवाद फैलाना चाहते हैं, लेकिन ये कश्मीरियों के भी सगे नहीं हैं। क्योंकि कोई भी कश्मीरी कभी किसी पर्यटक को निशाना नहीं बनाता। ये कौन लोग हैं, कहां से प्रायोजित आतंकवाद है, ये सभी विषय की जांच, जांच एजेंसियां और केंद्र सरकार करेगी। लेकिन मैं सिर्फ यह कहना चाहूंगा, यह जो हैवानियत की और दहशतगर्दी की जो घटना हुई है, आतंकवादियों को उनकी ही भाषा में केंद्र की सरकार द्वारा जवाब देना चाहिए।

आगे उन्होंने कहा, मैं इस घटना में मारे गए लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। बहुत ही दुखद घटना है, दहशतगर्दी से दुनिया का कोई भी मुल्क आगे नहीं बढ़ पाया है। मैं आम आदमी पार्टी और अपनी ओर से उन परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं, ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि जो लोग इस आतंकवादी घटना में मारे गए हैं, उनकी पुण्य आत्मा को ईश्वर अपने चरणों में स्थान दे। फिर मैं दोहरा रहा हूं कि केंद्र सरकार को आतंकवादियों को उनकी ही भाषा में जवाब देना चाहिए।

बता दें कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम के निकट मंगलवार को एक आतंकवादी हमले में कम से कम 26 पर्यटकों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि हमला बैसरन मैदानी क्षेत्र में हुआ, जिसे मिनी स्विटजरलैंड भी कहा जाता है। पहलगाम शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर बैसरन चीड़ के पेड़ों के घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा एक विशाल घास का मैदान है तथा देश व दुनिया के पर्यटकों के बीच पसंदीदा स्थान है।

दिल्ली में अब नहीं होगी टिकट की धांधली, बसों में लगेंगे एपीसी कैमरे



नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बसों के संचालन में हो रहे घाटे के बाद अब टिकट जारी करने में धांधली को पकड़ने के लिए पहली बार तकनीकी तौर पर इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली में देवी योजना के तहत जल्द शुरू होने वाली नौ मीटर लंबी इलेक्ट्रिक बसों में यात्रियों की गिनती का डाटा तैयार करने के लिए ऑटोमेटिक पैसेंजर काउंटिंग (एपीसी) कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे प्रत्येक शिफ्ट के दौरान बसों में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या का रिकॉर्ड तैयार कर सर्वर को भेजेंगे। इस डाटा का मिलान कंडक्टर की ओर से जारी किए गए टिकटों की संख्या से किया जाएगा। प्रत्येक बस के दोनों द्वारों पर ये कैमरे लगाए गए हैं। इनमें लगे सेंसर और काउंटर के माध्यम से यात्रियों की गिनती खुद-ब-खुद होती रहेगी।

कैमरों को लगाने वाली कंपनी के अधिकारी ने बताया सभी कैमरों को बसों का संचालन करने वाली संस्था डिम्ट्स और डीटीसी के सर्वर से जोड़ दिया गया है। जैसे ही बस रूट पर उतरेगी तो कैमरे अपना काम करना शुरू कर देंगे। कंपनी का कहना है कि कैमरों का डाटा बस में लगी डिवाइस में भी रहेगा, लेकिन एक निधारित अवधि तक ही यह स्टोर किया जाएगा। सर्वर पर यह डाटा तब तक रहेगा, जब तक कंपनी उसे खुद डिलीट नहीं करेगी। लंबी अवधि के बाद भी अगर इस डाटा की जरूरत पड़ेगी तो यह उपलब्ध रहेगा। कंपनी का कहना है कि दिल्ली की बसों में पहली बार इन कैमरों का इस्तेमाल किया जाएगा।

इन लो-फ्लोर बसों में दिव्यांग यात्री अपनी व्हीलचेयर के साथ सफर कर सकेंगे। बस में एक फोल्डेबल रैंप बनाया गया है। अगर कोई दिव्यांग यात्री व्हीलचेयर लेकर आता है तो इस रैंप को खोलकर उन्हें अंदर ले जाया जा सकेगा। बसों में यात्रियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया है। इसके लिए बस में दो कैमरे लगाए गए हैं, जो हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। इसका मकसद बसों में महिला यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाना भी है।

रेखा सरकार का एससी, एसटी और ओबीसी बहूल बस्तियों के विकास पर फोकस

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) निवासियों की मुख्य आबादी वाली बस्तियों के विकास पर फोकस करेगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि दिल्ली सरकार सार्वजनिक शौचालयों, कच्ची सड़कों की मरम्मत करेगी और बस्तियों को सीसीटीवी कैमरों से लैस करेगी। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंदर इंद्राज सिंह ने मंगलवार को एससी, एसटी, ओबीसी कल्याण विभागों के अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर बैठक की। इस बैठक में इन बस्तियों में मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा की गई। इसमें खराब स्वच्छता, अपर्याप्त जल निकासी, क्षतिग्रस्त सड़कें और अपर्याप्त सार्वजनिक सुविधाएं जैसे मुद्दे शामिल रहे। इन समस्याओं के निराकरण के लिए विभाग ने एक व्यापक विकास की योजना प्रस्तावित की है। बैठक में सार्वजनिक शौचालयों, स्नानघरों की मरम्मत और निर्माण, कच्ची सड़कों को पक्का करने और मार्गों पर सीमेंट-कंक्रीट बिछाना शामिल है। योजना में बैठने की जगह के साथ सार्वजनिक पार्क, युवाओं के लिए खेल के मैदान और सामुदायिक पुस्तकालय का निर्माण करना शामिल है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने एस्ट, स्ज और ओबीसी कल्याण विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर इन बस्तियों में मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा की। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने अधिकारियों को सभी कल्याणकारी योजनाओं को तेजी से लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि विकास कार्यों का लाभ समुदाय के पात्र वर्गों तक पहुंचे। मैंने हाशिए पर पड़े समूहों के सशक्तिकरण के प्रति दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता जताते हुए इस बात पर बल दिया है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग की बस्तियों में विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे।

निशाने पर था छोटा भाई, गलती से प्रॉपर्टी डीलर को मार डाला; दिल्ली के पश्चिम विहार मर्डर में चौंकाने वाला खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिम विहार ईस्ट में 11 अप्रैल को प्रॉपर्टी डीलर राजकुमार दराल की हत्या में नया खुलासा हुआ है। गिरफ्तार दो हमलावरों ने बताया कि नंदू ने राजकुमार दराल के छोटे भाई की हत्या करने के निर्देश दिए थे। लेकिन पहचान में गलती होने से प्रॉपर्टी डीलर मारा गया। जांच से जुड़े पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुभम और शौकीन खान को लखनऊ एयरपोर्ट पर 13 अप्रैल को पकड़ा गया था। फिलहाल दोनों अंबाला पुलिस की हिरासत में हैं। दोनों ने पूरी वारदात के बारे में जानकारी दी।

आरोपियों ने बताया कि उन्हें राजकुमार दराल के छोटे भाई अमर की हत्या के लिए कहा गया था। हमलावरों को अमर की एसयूवी और उसके नंबर के बारे में जानकारी दी गई थी। लेकिन 11 अप्रैल को राजकुमार दराल उस एसयूवी में जिम जाने के लिए निकला और हमलावरों ने उसे गोलियों से भून दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजकुमार का भाई मंजीत महाल का करीबी बताया जा रहा है। मंजीत महाल के रिश्तेदारों की बीते साल दिसंबर में पंचकूला के पास ढाबे पर हत्या हो गई थी। इस हमले में मामा-भांजे समेत तीन लोगों की मौत हुई थी। इस मामले में मंजीत पैरोल पर जब बाहर आया था तब राजकुमार का भाई मिलने गया था।



स हत्याकांड में तरनजीत और सूरज फरार हैं। पुलिस को शक है कि दोनों नेपाल सीमा की तरफ गए हैं। जांच में सामने आया कि लखनऊ में शुभम एवं शौकीन एक साथ हो गए और वह दोनों अलग होटल में छिप गए। तरनजीत व सूरज को दोनों के एयरपोर्ट पर पकड़ने की सूचना मिल गई थी। दरअसल, इन्होंने भागते समय एक फोन खरीदा था जिसका इस्तेमाल होटल के वाई फाई से जोड़कर सिग्नल ऐप से बात करना था। इन्होंने पुलिस से बचने के लिए अपना फोन भी बंद कर लिया। शुभम ने अपने दोस्त शौकीन के साथ मिलकर तरनजीत और सूरज को अपने साथ मिला लिया। दोनों वकालत की पढ़ाई कर रहे थे। वेंकट ने इन्हें दो बार पश्चिम विहार और द्वारका भेजा जहां एक शख्स ने उन्हें अलग-अलग किस्तों में 7.50 लाख रुपये दिए। यह रुपये मार्च के अंतिम सप्ताह और अप्रैल के प्रथम सप्ताह में दिए गए। इसके बाद वेंकट ने हथियारों का इंतजाम किया और शुभम को सिग्नल ऐप पर नजफगढ़ जाने के लिए कहा। यहां मौजूद एक शख्स ने उन्हें हथियार दिया और वह बिना परिचय दिए चला गया। वेंकट हमेशा इन लोगों के कपड़े का रंग और बाइक का मॉडल एवं नबंर बताता था। शुभम ने बताया कि इन्होंने सात अप्रैल को करोल बाग से ढाई लाख रुपये में पुरानी कार खरीदी। इसी कार का इस्तेमाल हत्या में किया गया था। शुभम ने बताया कि वह 2022 में हरियाणा की जेल में बंद था। तभी उसकी मुलाकात वेंकट गर्ग हुई थी जो नंदू का मित्र है। वेंकट 2023 में ऑस्ट्रेलिया चला गया। इसी ने शुभम को नंदू से मिलाने का झांसा दिया था। वेंकट सिग्नल ऐप से शुभम से बात कर साजिश रची थी।

सऊदी अरब के स्लीपिंग प्रिंस का कोमा में रहते हुए मनाया 36वां जन्मदिन

अबुधावी एजेंसी। सऊदी अरब के प्रिंस अल-वलीद बिन खालिद बिन तलाल, जिन्हें अक्सर स्लीपिंग प्रिंस कहा जाता है, उन्होंने पिछले हफ्ते अपना 36वां जन्मदिन मनाया। लेकिन यह जन्मदिन भी उनकी लगभग दो दशक लंबी बेहोशी की हालत में ही बीता। 2005 में लंदन में एक कार दुर्घटना में गंभीर ब्रेन इंजरी के बाद वे कोमा में चले गए थे और तब से अब तक इसी अवस्था में हैं।

प्रिंस अल-वलीद पिछले लगभग 19 सालों से वेंटिलेटर और फ़ीडिंग ट्यूब की मदद से जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं। उन्हें रियाद के किंग अब्दुलअज़ीज़ मेडिकल सिटी में एक समर्पित मेडिकल टीम की निगरानी में रखा गया है।





डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी स्थिति में इन वर्षों में बहुत कम बदलाव आया है।

2019 में एक समय ऐसा आया था जब उनकी उंगलियों में थोड़ी हरकत देखी गई थी और उनका सिर भी हल्का सा हिला था। यह खबर उन लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनी, जो अब भी उनके ठीक होने की दुआ करते हैं। लेकिन उसके बाद कोई ठोस सुधार दर्ज नहीं हुआ है।

परिवार की उम्मीद अब भी कायमत्र प्रिंस अल-वलीद के पिता प्रिंस खालिद बिन तलाल और मां प्रिंसेस रीमा बिंत तलाल अब भी अल्लाह की रहमत और बेटे के जागने की उम्मीद में जी रहे हैं।

प्रिंस खालिद पहले भी कई बार कह चुके हैं कि वह कभी जीवन रक्षक उपकरण हटाने की अनुमति नहीं देंगे, क्योंकि वह इसे अल्लाह की मर्जी मानते हैं। इस साल 18 अप्रैल को उनके जन्मदिन पर परिवार की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। लेकिन सोशल मीडिया पर दुनियाभर से लोगों ने उनके लिए दुआएं भेजीं और उम्मीद जताई कि एक दिन वह फिर से होश में आएंगे।

टेस्ला के गिरते शेयरों से घबराए मस्क, बोले- मई से कंपनी पर करेंगे ज्यादा फोकस

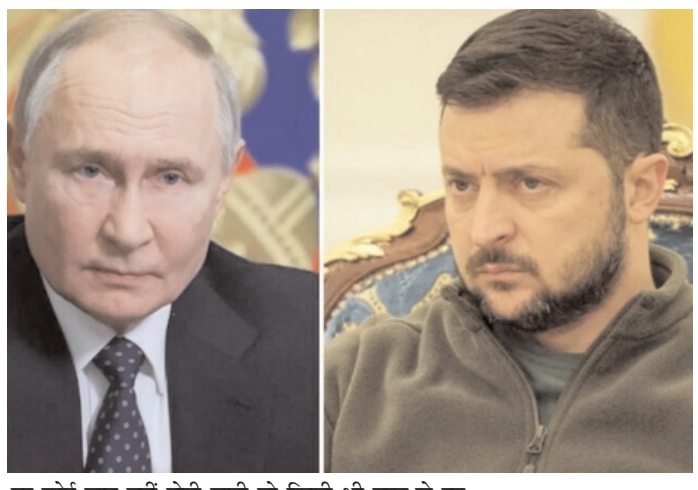
वॉशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क ने कहा है कि वे मई से टेस्ला को ज्यादा समय देंगे। मस्क का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब पहली तिमाही में टेस्ला के शेयरों में भारी गिरावट आई है। टेस्ला को इन दिनों लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। मस्क के सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर बड़ी संख्या में लोगों को नौकरी से निकालने से अमेरिका का एक बड़ा वर्ग मस्क से नाराज है। इसका सीधा असर टेस्ला पर पड़ रहा है।

मुनाफे में आई भारी गिरावटत्र टेक्सास के ऑस्टिन में टेस्ला का मुख्यालय है। टेस्ला ने मंगलवार को बताया कि उनके मुनाफे में 71 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 40 करोड़ डॉलर रहा। यह अनुमानों से भी ज्यादा है। टेस्ला का राजस्व भी 9 प्रतिशत कम हुआ है और यह 19 अरब डॉलर है। टेस्ला को लेकर लोगों में इतनी नाराजगी है कि टेस्ला की कारों में तोड़फोड़ की जा रही है। कंपनी को अपनी कारें बेचने में काफी परेशानी हो रही है। राष्ट्रपति ट्रंप भी सार्वजनिक तौर पर टेस्ला का समर्थन कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद हालात नहीं सुधरे हैं। यही वजह है कि अब मस्क ने खुद टेस्ला पर मई से फोकस करने और कंपनी को ज्यादा समय देने का एलान कर दिया है। टेस्ला के कई निवेशक भी शिकायत कर चुके हैं कि सरकार में सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर मस्क अपने बिजनेस पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। वेडबुश सिक्योरिटीज के डैन इवेस का कहना है कि यह सही दिशा में लिया गया कदम है।

पुतिन जंग रोकने के लिए डील को तैयार लेकिन क्या क्रीमिया-डोनबास इलाका छोड़ेगा यूक्रेन?

मास्को, एजेंसी। पिछले तीन सालों से अधिक समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के एक बयान से अहम मोड़ आया है. राष्ट्रपति पुतिन ने युद्ध समाप्त करने के लिए यूक्रेन को सीधी बातचीत का ऑफर दिया है. पुतिन ने कहा है कि वो ईस्टर युद्धविराम के बाद अब और युद्धविराम के लिए तैयार हैं. रूसी राष्ट्रपति ने ईस्टर के मौके पर एक दिन के एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की थी. अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बढ़ते दबाव के बीच पुतिन ने युद्धविराम के लिए यूक्रेन को सीधी बातचीत का प्रस्ताव दिया है.

फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन शुरू होने के बाद से दोनों पक्षों में किसी तरह की बातचीत नहीं हुई है. राष्ट्रपति पुतिन के सीधी बातचीत का संकेत देने के बाद रूसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन की तरफ से भी इस संबंध में टिप्पणी सामने आई है. क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने एक सवाल के जवाब में कहा, जब राष्ट्रपति ने कहा कि नागरिकों पर हमला न करने के मुद्दे पर द्विपक्षीय चर्चा सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा करना संभव है, तो राष्ट्रपति के मन में यूक्रेनी पक्ष के साथ बातचीत और विचार-विमर्श की बात थी. इधर, जेलेंस्की ने रात को जारी को एक वीडियो संदेश में कहा कि यूक्रेन रूस से सीधा जवाब चाहता है कि वो नागरिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले रोकेगा या नहीं. इस हफ्ते लंदन में यूक्रेन शांति समझौते के लिए अमेरिका और यूरोपीय देशों से बातचीत करने वाला है. पिछले हफ्ते पेरिस में भी एक वार्ता हुई थी जिसमें युद्ध रोकने पर बात हुई थी. रूस और यूक्रेन दोनों ही पक्षों पर इस वक्त युद्ध रोकने के लिए अमेरिका का दबाव बढ़ रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से धमकी भी दी गई है कि अगर जल्द ही कोई शांति समझौता नहीं होता तो वो भविष्य में होने वाली बातचीत से बाहर हो जाएंगे. ट्रंप के इसी दबाव के बीच पुतिन ने यूक्रेन को सीधी बातचीत का प्रस्ताव दिया है. क्या क्रीमिया और डोनबास इलाके को छोड़ने पर राजी होगा यूक्रेन? लेकिन सीधी बातचीत के पुतिन के प्रस्ताव के बीच एक सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या यूक्रेन डोनबास और क्रीमिया को छोड़ने पर राजी होगा. रूस ने पहले ही कह दिया है कि बातचीत में क्रीमिया और डोनबास इलाके पर कोई बात नहीं होगी यानी वो किसी भी तरह से इन इलाकों को छोड़ने के लिए राजी नहीं है. रूस ने 2014 में यूक्रेन के साथ युद्ध में क्रीमिया पर अपना कब्जा किया था. इस कब्जे के बाद यूक्रेन का डोनबास इलाका जिसमें दोनेत्स्क और लुहांस्क शामिल है, अस्थिर हो उठा. वहां रूस समर्थित विद्रोहियों ने यूक्रेनी सेना से लड़ाई शुरू कर दी जो रूस के यूक्रेन पर हमला करने तक जारी रही. फरवरी 2022 में जब दोबारा युद्ध शुरू हुआ तब रूस ने डोनबास इलाके पर अपना कब्जा कर लिया. रूस ने यूक्रेन के जापोरिज्जिया और खेरसॉन पर भी अपना कब्जा कर लिया है. रूस इन चारों इलाकों के बड़े हिस्से पर अपना नियंत्रण रखता है लेकिन इनके संपूर्ण क्षेत्र को कब्जाने में नाकाम रहा है. केवल लुहांस्क पर ही रूस का पूर्ण नियंत्रण है. रूस यूक्रेन को एक नाजी देश कहकर संबोधित करता है. रूस ने जब यूक्रेन पर हमला किया था तब पुतिन ने यूक्रेन के विद्रोही राज्यों को स्वतंत्र घोषित कर दिया था. उन्होंने कहा था कि इन इलाकों में रूसी बोलने वाले लोग हैं जिनकी यूक्रेन से रक्षा की जानी चाहिए. किसी भी शांति समझौते के लिए रूस की मांग रही है कि इन चारों इलाकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रूसी क्षेत्र की मान्यता मिले और यूक्रेनी सैनिक इन इलाकों से पूरी तरह से बाहर निकल जाएं. पिछले साल दिसंबर में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि वो अपने इलाके नहीं छोड़ सकते हैं लेकिन उनके पास इतनी क्षमता भी नहीं है कि वो रूसी कब्जे से अपने इलाकों को छुड़ा सकें. जेलेंस्की ने कहा था, हम अपने इलाकों को नहीं छोड़ सकते हैं. यूक्रेन का संविधान हमें ऐसा करने से रोकता है. ये इलाके लेकिन अब रूसी नियंत्रण में हैं. हमारे पास उतनी ताकत नहीं है कि हम दोबारा उन इलाकों को कब्जे से छुड़ा सकें. अब हमें बस अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सहारा है कि वो राजनयिक दबाव डालें ताकि पुतिन बातचीत की टेबल पर आएं. ट्रंप प्रशासन रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए शांति समझौते में क्रीमिया को रूसी क्षेत्र को मान्यता दे सकते हैं।



बोकारो गिरिडीह के बाद अब सारंडा भी होगा नक्सलमुक्त : डीजीपी





बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। लुगू पहाड़ मुठभेड़ के दो दिन बाद प्रदेश डीजीपी अनुराग गुप्ता आज बोकारो के ललपनिया पहुंचे। यहां उन्होंने मुठभेड़ में शामिल कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और जिला पुलिस के जवानों से मिलकर उनका हौसला बढ़ाया और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मीडिया से बातचीत के क्रम में उन्होंने कहा कि यह मुठभेड़ ऐतिहासिक है, जिसमें एक साथ कई नक्सलियों के टॉप लीडर मारे गए। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने ऑपरेशन डाकाबेड़ा के दौरान मुठभेड़ में नक्सलियों के सामने प्रथम लाइन में रहे कोबरा बटालियन के जांबाजो की तारीफ की। कहा कि हमारे 25 वर्षों के झारखंड में कार्यकाल के दौरान नक्सलियों के खिलाफ इतनी बड़ी कामयाबी कभी नहीं मिली थी। इन जवानों ने हमारा सीना चौड़ा कर दिया है। हमने सांप के सर को ही काट कर खत्म कर दिया है।

उन्होंने कहा, अब बोकारो और गिरिडीह इलाके में नक्सली दिशा विहीन हो गए हैं। डीजीपी ने बताया कि ऑपरेशन डाकाबेड़ा में शामिल जवानों को अब चाईबासा के सारंडा में नक्सलियों के खात्मे के लिए डिप्लॉय किया जाएगा। हमने जो संकल्प लिया है की बरसात से पहले झारखंड को नक्सल मुक्त करना है वह अब हमारा अंतिम लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हम हाथ जोड़कर नक्सलियों को कह रहे हैं कि वह जल्द से जल्द अपना रास्ता बदल दे नहीं तो इस झारखंड की मिट्टी में उनके अस्थि रात को ही मिला दिया जाएगा। वही इस ऑपरेशन डाकाबेड़ा को लीड कर रहे कोबरा बटालियन के डिप्टी कमांडेंट अंजनी कुमार ने बताया कि हम लोगों की ट्रेनिंग और कड़ी मेहनत का नतीजा है कि आठ नक्सलियों को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के साथ हमारी चार से पांच घंटे मुठभेड़ हुई जो सुबह पाँच बजे से शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि डीजीपी साहब का जो भी निर्देश हम लोगों को मिलेगा वहां हम लोग नक्सलियों को खत्म करने के लिए पहुंच जाएंगे। अब बारी सारंडा की है। डीजीपी के साथ अपर पुलिस महानिदेशक संजय आनंद लाठकर और सीआरपीएफ के आईजी साकेत सिंह भी उपस्थित रहे।

सरस्वती विद्या मंदिर में मनाई गई कुंवर सिंह की जयंती





बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती विद्या मंदिर 3 सी में वीर कुंवर सिंह की जयंती मनायी गयी. कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाचार्य द्वारा वीर कुंवर सिंह की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन कर की गयी. प्रधानाचार्य संजीव कुमार जी ने कहा कि वीर कुंवर सिंह एक कुशल योद्धा तथा कुशल राजनीतिज्ञ थे. कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में वीर कुंवर सिंह का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान था. युद्ध कला में पूरी तरह कुशल थे. विशेष कर छापामार युद्ध करने में उन्हें महारथ हासिल था. उन्होंने छात्र छात्राओं को बताया कि ब्रिटिश हुकूमत के साथ लोहा तो लिया ही, उसके बावजूद अनेक सामाजिक कार्य भी किये थे. इस अवसर पर विद्यालय के भैया बहनों ने वीर कुंवर सिंह की जीवनी पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला गया. जीवन में सफलता प्राप्त करने और अग्रसर होने के लिए संबोधन के क्रम में भैया बहनों को महापुरुषों की जयंती मनाने का निर्देश दिया गया. साथ ही प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी आचार्य आचार्या का सराहनीय योगदान रहा.

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर ने याद किया वीर कुंवर सिंह को



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9 डी बोकारो में स्वतंत्रता सेनानी वीर योद्धा बाबू कुंवर सिंह जी की जयंती मनाई गई । कार्यक्रम का शुभारंभ वीर कुंवर सिंह जी के चित्र के समीप दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ किया गया । विद्यालय कार्यालय प्रमुख शुभम प्रताप जी ने भैया - बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल जयंतियां मानना ही हमारा उद्देश्य नहीं है महापुरुषों के जीवन के संदेशों को आत्मसात करना ही हमारा ध्येय है। वीर कुंवर सिंह जी के जीवन से जो हमें शिक्षा मिलती है उससे हमें यह पता चलता है की उम्र का कोई भेद नहीं होता है हम किसी भी उम्र में अपने लक्ष्य की प्राप्ति सक्रियता के साथ कर सकते हैं। साथ ही जीवन में बदलाव के लिए संघर्ष आवश्यक है। कोई भी लक्ष्य हमें स्वतः प्राप्त नहीं होता कम संसाधनों में भी हम अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर सकते हैं। केवल हमें अपने आदर्शों को कभी नहीं भूलना चाहिए तथा दूसरों के सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने भी अपने संदेश में सभी भैया - बहनों को वीर कुंवर सिंह जी के आदर्शों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी ।उन्होंने जिस उम्र में भारत माता की सेवा में अपना बलिदान दिया वह अद्वितीय है ।उनके जज्बे को पूरा देश सम्मान करता है और उनके इस समर्पण को प्रणाम करता है। विद्यालय के भैया - बहनों ने भी बाबू कुंवर सिंह के विचारों को सभी के समक्ष रखा। विद्यालय के छात्रों ने भी वीर कुंवर सिंह जी के सम्मान में रूप सच्चा किया।इस अवसर पर सभी आचार्य बंधु भगिनी उपस्थित रहे।

पहलगाम आतंकी हमले की अधिवक्ताओं ने की कड़ी निंदा



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स ने विज्ञप्ति जारी कर पहलगाम, जम्मू-कश्मीर में हुए जघन्य आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा किया है, जिसमें 26 निर्दोष पर्यटकों और नागरिकों की जान गई और कई अन्य घायल हुए। यह कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य न केवल मानवता के खिलाफ एक अपराध है, बल्कि हमारे देश की एकता, अखंडता और शांति के मूल्यों पर भी सीधा हमला है।हम इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। यह हमला कश्मीर की मेहमाननवाजी और शांति की भावना को कमजोर करने का प्रयास है, जिसे हम कभी स्वीकार नहीं करेंगे।इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने कहा कि केंद्र और जम्मू-कश्मीर सरकार से इस हमले के दोषियों को त्वरित और कठोर न्याय के दायरे में लाने की मांग करते है। हम आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का समर्थन करते हैं और मांग करते हैं कि इस तरह के कृत्यों को अंजाम देने वालों को कठोरतम सजा दी जाए। साथ ही, हम सरकार से आतंकवाद विरोधी उपायों को और मजबूत करने, खुफिया तंत्र को सशक्त करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह करते हैं। अधिवक्ता अतुल कुमार ने कहा कि हम देश के सभी नागरिकों और कानूनी बिरादरी से अपील करते हैं कि वे इस दुख की घड़ी में एकजुट हों और आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में सरकार का समर्थन करें। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स विधि के शासन को बनाए रखने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर बोकारो के अधिवक्ताओं ने मौन रख कर इस घटना की एक स्वर में नींद की। निंदा करने वाले में अधिवक्ता सोमनाथ शेखर, बासुदेव गोस्वामी, दीपक चटोपाध्याय, संजय सिंह, सुनील सिंह, नरेश महतो, चंदन कुमार, अशोक कुमार राय, नीतीश नंदी, निरोध प्रामाणिक, हरेंद्र महतो, अशोक महथा, संजय कुमार, दिलीप महतो, रंजन कुमार मिश्रा, फटीक चंद्र सिंह, संजय कुमार प्रसाद, राणा प्रताप शर्मा, हसनैन आलम, संजीत कुमार सिंह, वंशिका सहाय, दीपिका सिंह, राज श्री, दीप्ति सिंह, रामावती कुमारी, रीना कुमारी, सुमन वर्मा, बबीता कुमारी, विजय कुमार, ओम प्रकाश लाल, विकाश प्रजापति, अशोक महथा, संजीत महतो, समेत सैकड़ो अधिवक्ता मौजूद थे।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को अधिवक्ता संघ ने पुस्तकालय कक्ष में दी भावभीनी श्रद्धांजलि



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अधिवक्ता परिषद झारखंड, बोकारो जिला इकाई द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए नृशंस आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों को अधिवक्ता संघ के पुस्तकालय कक्ष में अपराह्न 3.30 बजे भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।साथ ही सदस्यों द्वारा ऐसे नृशंस हत्या की निंदा करते हुए भारी आक्रोश व्यक्त किया गया। श्रद्धांजलि के क्रम में परिषद के सदस्यों ने 2 मिनट का मौन रखा ।श्रद्धांजलि के पश्चात परिषद के प्रदेश महामंत्री विजय नाथ कुँवर ने कहा कि यह भारत की एकता ,अखंडता और शांति के विरुद्ध क्रूर प्रहार है। संपूर्ण राष्ट्र पूरी एकजुटता के साथ इस कायरतापूर्ण हमले की कठोर शब्दों में भर्त्सना करता है। इस दुखद क्षण में हम सभी पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं और मृत आत्मा के शांति के लिए प्रार्थना करते हैं । उक्त अवसर पर जिला इकाई के दिनेश लाल श्रीवास्तव, वरुण कुमार पांडे,संतोष गिरी, अशोक कुमार मिश्रा, उमाकांत पाठक, संजीव कुमार पाठक,श्याम मिश्रा, मनोज तिवारी, संजय कुमार सिंह, नवीन कुमार, अर्चना कुमारी, अंजलि, तरुण कुमार, सुनील सिंह, रणधीर कुमार, हीरालाल प्रजापति, मनोज सिंह, वासुदेव गोस्वामी, रामकुमार, विष्णु चरण, रितेश, दीपक, अंजनी, प्रवीण कुमार आदि सहित अन्य सैकड़ो अधिवक्तागण मौजूद रहे ।

संक्षिप्त समाचार

आतंकी घटना का समर्थन करने वाला गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के एक व्यक्ति को कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और आतंकवादियों को अपने एक्स हैंडल के माध्यम से धन्यवाद देने के आरोप में बालीडीह थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसका नाम नौशाद बताया गया है। बालीडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि आतंकवादी कार्रवाई का समर्थन करने वाले मो नौशाद को मकदुमपुर स्थित उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके ऊपर देशद्रोह के धारा के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। उधर पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने भी सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया, बीती रात ही उन्होंने पुलिस अधीक्षक से उसे गिरफ्तार करने को लेकर बात की थी। उन्होंने कहा कि कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो भाजपाई सड़क पर उतरेंगे।



बोकारो के सभी प्रखंडों में आधार शिविर का हुआ आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव के निर्देश पर जिले के विभिन्न बैंकों/पोस्ट ऑफिस/प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय में संचालित आधार पंजीकरण/सुधार केंद्रों में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उक्त विशेष शिविर आगामी 01 मई तक सतत जारी रहेगा। आयोजित विशेष शिविर में लोगों की काफी भीड़ जुट रही है। आमजन नया आधार पंजीकरण कराने के साथ ही आधार को अपडेट (संशोधन) करा रहे हैं। आधार को लेकर आयोजित विशेष शिविर का सभी बीडीओ -सीओ ने अपने झ अपने प्रखंडों में निगरानी किया। वहीं, यूआइडी के डीपीओ ने भी विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर विशेष अभियान को सफल बनाने को लेकर निर्देश दिया। उल्लेखनीय हो कि, सरकार के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ लेने हेतु आधार कार्ड लाभुकों के पास होना अनिवार्य है। बिना आधार कार्ड के सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ नहीं मिल पाता है, इसलिए आमजनों से अपील है कि वह शिविर में शामिल होकर अपना आधार कार्ड बनाएं एवं अपडेट करें।



पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में भाजपा का जोरदार प्रदर्शन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में भारतीय जनता पार्टी की ओर से धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर बुधवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में मुख्य रूप से धनबाद सांसद ढुल्लू महतो और विधायक राज सिन्हा शामिल हुए। उन्होंने आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और मांग की कि आतंकवादियों और पाकिस्तान को इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। प्रदर्शन में भाजपा कार्यकताओं ने पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए और अपना आक्रोश व्यक्त किया। सांसद और विधायक ने कहा कि आतंकी हमले के खिलाफ पूरे देश में उबाल है और इस हमले का जवाब आतंकी और पाकिस्तान को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत माता की जय और पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाकर लोगों ने अपना विरोध दर्ज किया।गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर में आतंकी हिंसा ने चिंता बढ़ा दी है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि आतंकवादियों को तत्काल समाप्त किया जाए और उनके खिलाफ बड़े अभियान चलाए जाएं प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए और उसकी निंदा की।विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि वे आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं और इस कृत्य में शामिल आतंकवादियों को खत्म करने के लिए एक बड़े अभियान की मांग करते हैं ।



बारातीबस ने सफाई कर्मियों को कुचला, दो की मौत



धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। एक बाराती बस ने बुधवार की अहले सुबह नगर निगम के आउटसोर्सिंग कंपनी में कार्यरत तीन सफाईकर्मियों को कुचल दिया। घटना पूजा टॉकिज-बेकारबांध सड़क पर घटी। बस की चपेट में आई सफाईकर्मियों की बाइक को बस करीब 50 मीटर तक घसीटते रही। दुर्घटना में एक सफाईकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे कर्मी ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। तीसरे कर्मी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना पर भड़के साथी कर्मियों ने पूजा टॉकिज-बेकारबांध सड़क को पांच घंटे तक जाम कर दिया। आक्रोशितों ने बस का शीशा भी तोड़ा और जमकर नारेबाज की।जानकारी पाकर सांसद ढुलू महतो, विधायक राज सिन्हा और पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस भी मौके पर पहुंची। धनबाद सीओ शशिकांत सिंकर और थाना प्रभारी राम नारायण ठाकुर ने भीड़ को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे मांगें पूरी होने तक किसी की सुनने को तैयार नहीं थे। साथियों की मौत से गुस्साए परिजन और सफाई कर्मचारी फौरन बस ड्राइवर को गिरफ्तार करने, बस मालिक को घटना स्थल पर बुलाने और रेमकी कंपनी से मुआवजा दिलाने की मांग पर अड़े थे। सांसद और विधायक की मौजूदगी में नगर निगम के लिए सफाई का काम करने वाली रेमकी कंपनी के साथ वार्ता हुई। सफाई कंपनी ने मृतक के आश्रित और घायल को मुआवजा देने का भरोसा दिया। इसके बाद सुबह करीब साढ़े 12 बजे लोग सड़क से हटे।सुबह करीब 5.52 बजे बस्ताकोला गोशाला निवासी बजरंगी भूइयां, फुलेश्वर और जगजीवन नगर निवासी विक्की हाड़ी एक बाइक पर सवार हो कर बरटांड़ स्थित रेमकी के ऑफिस जा रहे थे। धनसार से राजगंज लौट रही नीतू बस ने पूजा टॉकिज से बेकारबांध की ओर मुड़ते ही कुछ दूर आगे बाइक को चपेट में ले लिया। बस पर बाराती सवार थे। बाइक बस के आगे के बाएं पहिए के नीचे फंस गई। बाइक पहिए के नीचे फंसी थी और सड़क पर रगड़ खा रही थी। इसके बाद भी बस चालक बस को 50 मीटर तक भगाते रहा। इस दुर्घटना में बजरंगी भूइयां की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि विक्की हाड़ी को असर्फी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। वहीं सरायढेला के एक निजी अस्पताल में फुलेश्वर का इलाज चल रहा है। परिजनों के बयान पर बस के अज्ञात चालक के खिलाफ धनबाद थाना में गैर इरादतन हत्या की एफआईआर दर्ज की जा रही है।

ईडी टीम दूसरे दिन भी बोकारो में जांच में जुटी रही



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तेतुलिया वन भूमि फजीर्वाड़ा मामले को लेकर बोकारो में आज दूसरे दिन भी ईडी की दबिश जारी है। दूसरे दिन आज ईडी की टीम ने बोकारो डीसी कार्यालय में दबिश दी है। ईडी की टीम में शामिल अधिकारियों ने अपर समाहर्ता के कार्यालय कक्ष में बैठकर तेतुलिया वन भूमि मामले से जुड़ी कागजातों को खंगाला। कागजात कार्यालय में पहुंचने पर उसकी पड़ताल कर रहे हैं। इस जांच पड़ताल के दौरान अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी और बोकारो की डीटीओ जो चास अंचल की पूर्व सीओ रह चुकी वंदना सेजवेलकर अधिकारियों के समक्ष मौजूद हैं। जानकारी के मुताबिक बोकारो की वर्तमान डीसी के द्वारा वन भूमि को निगेटिव लिस्ट से हटा दिया गया था। इसके बाद से अभी तक 29 डीड से जमीन की रजिस्ट्री हुई है। वर्ष 2016 में बोकारो के वर्तमान डीसी के द्वारा उक्त भूमि पर कार्रवाई की गई थी। इसके बाद अधिकारियों के द्वारा न्यायालय में कथित गलत जानकारी दिए जाने के कारण सरकार यह केस हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में हार गई थी। जांच अधिकारी उस मामले को लेकर भी जांच में जुटे हैं। मामला तेतुलिया वन भूमि और 103 एकड़ गैर मजरूआ भूमि का मामला है। पुरुलिया रजिस्ट्रार ऑफिस के गलत कागजात का हवाला देकर 2012 में जमीन की जमाबंदी की गई थी। बहरहाल, ईडी इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी है। ईडी की कार्रवाई से मामले से जुड़े अधिकारियों ने हड़कंप है।

आतंकवादी हमले के विरोध में निकाला कैंडल मार्च



धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार संध्या में कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए वीभत्स आतंकवादी हमले के विरोध में मास्टर सोबरन मांझी स्टेट लाइब्रेरी, गोल्फ ग्राउंड के विद्यार्थियों ने कैंडल मार्च निकाला। रणधीर वर्मा चौक में पहुंचकर हाथों में तख्तियां लिए विरोध प्रदर्शन किया एवं आतंकवादियों पर कड़ी करवाई करने की मांग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की। प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों ने कहा कि इस भयावह आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष देशवासियों की जान चली गई, जिससे हम सभी मर्माहत हैं।कहा अब वक्त आ गया है आर्तकियों और देशद्रोहियों को मुंहतोड़ जवाब देकर सबक सिखाने का। कैंडल मार्च में आकाश मंडल,सीमा कुमारी, रोहित सिंह,सचिन, अमित ,दयाल, उमेश, अभिषेक,मनोज, विवेक समेत सैकड़ो विद्यार्थी थे।

बीएसएल के हॉट स्ट्रिप मिल में नव-विकसित ग्रीन हेवन गार्डेन का उद्घाटन













बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बी एस एल के हॉट स्ट्रिप मिल के रीहीटिंग फर्नेस एरिया के समीप सी.ई.डी तथा हॉट स्ट्रिप मिल विभाग के संयुक्त प्रयास के द्वारा नव-विकसित ग्रीन हेवन गार्डेन का उद्घाटन निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी के द्वारा किया गया. इस मौके पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री सी आर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) श्री विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री सी आर मिश्रा, बी जी एच के प्रभारी डॉ बी बी करुणामय तथा विभिन्न विभागो के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष तथा वरीय अधिशासी एवं कर्मचारी उपस्थित थे. बी एस एल के शीर्ष प्रबंधन के द्वारा उद्यान के उद्घाटन के साथ-साथ यहाँ स्मृति वृक्ष भी लगाया गया. इस उद्यान में बैठने की व्यवस्था के साथ पाथ-वे का भी निर्माण किया गया जो इस उद्यान के आकर्षण का केंद्र है. मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) श्री शालीग्राम सिंह ने इस अवसर पर बताया कि प्लांट परिसर में और भी ऐसे उद्यानों का निर्माण तथा जीणोर्धार किया जा रहा है. इस स्थल को विकसित कर एक गार्डेन का रूप देने में सी.ई.डी के सहायक महा प्रबंधक श्री विभाष चंद्रा और अन्य सहकर्मियों का अहम योगदान रहा.

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक :
मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com